जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

Anti-Aging? - More Risks than Benefits
Anti-aging processes, magical or medicinal, have limited abilities and can often be fatal if wrongly administered

90 Years It Took...

Mango The King
Through this Sanskrit verse, the mango becomes more than a fruit, it becomes a ruler whose presence transforms all others

क्या अमित शाह के उम्मीदवार बालियान कांस्टिट्यूशन क्लब के प्रैसिडेंट का चुनाव जीत जायेंगे दिल्ली में?

मुजफ्फरपुर के जाट नेता संजीव बालियान का मुकाबला, क्लब के बीस साल से प्रैसिडेंट, बिहार के राजपूत नेता राजीव प्रताप रूडी से है

- रेणु मित्तल -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 12 अगस्त। भारत की संसद से जुड़े मौजूदा और पूर्व सांसदों की सदस्यता वाले कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया के चुनाव को लेकर इस बार जैसी चर्चा और उत्सुकता देखी जा रही है, वैसी पहले कभी नहीं हुई।

आज लुटियंस दिल्ली स्थित विठ्ठल भाई पटेल हाउस में इस क्लब के चुनाव हुए, जहां सियासत की दुनिया की तमाम बड़ी हस्तियां मतदान करने पहुंचीं।

इस बार चुनाव का दिलचस्प पहलू यह है कि मुकाबला भाजपा के ही दो नेताओं के बीच है।

राजीव प्रताप रूडी, जो पिछले 20 वर्षों से क्लब के अध्यक्ष रहे हैं, इस बार के खिलाफ मैदान में हैं भाजपा के ही संजय बालयान, जो उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर से जाट सांसद हैं।

लेकिन इस मुकाबले का सबसे अहम पहलू यह है कि संजय बालयान को समर्थन मिला है देश के सबसे ताक़तवर गृह मंत्री अमित शाह का, जो रूडी को हराना चाहते हैं।

- **अब तक इस क्लब के चुनाव में सौ से सवा सौ वोट ही पड़ते थे, पर इस बार 707 की वोटिंग हुई है, तथा इसमें 38 पोस्टल बैलेट भी हैं। मज़े की बात है कि दोनों उम्मीदवार भाजपा के सदस्य हैं। तथा नामी गिरामी भाजपा नेता जैसे अमित शाह, जे.पी. नड्डा, गिरिराज सिंह, खट्टर, गजेन्द्र सिंह शेखावत, रिजिजू, कृष्णा रेड्डी के अलावा दो राज्यपाल भी वोट करने उतरे।**
- **कांग्रेस के दो वरिष्ठ नेता जो एक दूसरे के सख्त खिलाफ भी हैं, वोट करने आये और चर्चाओं के अनुसार बालियान के पक्ष में मतदान किया, क्योंकि वे दोनों नेता भी जाट ही हैं।**
- **कांग्रेस की ओर से सोनिया गांधी व मल्लिकार्जुन खड़गे भी वोट करने आये।**

जहां आम तौर पर इस चुनाव में 100 के करीब वोट पड़ते हैं, इस बार 707 वोट डाले गए, जिनमें से 38 पोस्टल बैलेट थे। क्लब की कुल सदस्यता 1295 है।

अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा दोनों एक ही कार में बैठकर वोट डालने पहुंचे। वहीं, सोनिया गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी मतदान करने पहुंचे।

वोट डालने वालों में गिरिराज सिंह, मनोहर लाल खट्टर, गजेन्द्र सिंह शेखावत, किरण रिजिजू, जी. किशन रेड्डी, दो राज्यपाल और कई अन्य मंत्री शामिल थे।

दिलचस्प बात यह रही कि कांग्रेस के दो वरिष्ठ नेता, जो आमतौर पर एक-दूसरे के धुर विरोधी माने जाते हैं और किसी मुद्दे पर एकमत नहीं होते, उन्होंने भी संजय बालयान को वोट दिया, सिर्फ इसलिए, क्योंकि वे भी जाट समुदाय से आते हैं।

भारत में जातीय हकीकत का इससे बेहतर कोई और उदाहरण नहीं दिखता।

राहुल गांधी और प्रियंका गांधी संविधान क्लब के सदस्य नहीं हैं, इसलिए वे वोट नहीं डाल सके।

गिनती अब भी जारी है और रूडी आगे चल रहे हैं। यह हाई वोल्टेज चुनाव इस समय राजधानी की सियासत का सबसे गर्म मुद्दा बन चुका है और सत्तारूढ़ दल के लिए भी एक मुश्किल चुनौती है।

अगर वोटों की गिनती का मौजूदा रुझान देर रात तक जारी रहता है, तो यह गृह मंत्री अमित शाह के लिए एक बड़ा राजनीतिक झटका साबित हो सकता है। राजीव प्रताप रूडी इस समय लगातार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजस्थान विधानसभा का अधिवेशन 1 सितम्बर से

जयपुर, 12 अगस्त। सोलहवीं राजस्थान विधानसभा का चतुर्थ अधिवेशन सोमवार 1 सितम्बर से शुरू होगा। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बताया कि विधानसभा के इस अधिवेशन के संबंध में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने अधिसूचना जारी कर दी है। वासुदेव देवनानी ने सोलहवीं राजस्थान विधानसभा के चतुर्थ सत्र से संबंधित विभिन्न तैयारियों की समीक्षा की।

देवनानी ने विधानसभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा को

- **राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने अधिसूचना जारी की।**

सत्र से संबंधित विभिन्न व्यवस्थाओं को निर्धारित अवधि में किये जाने के आवश्यक निर्देश दिये। सत्र के दौरान, राज्य के विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों, विधायी कार्यों एवं जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। साथ ही प्रश्न, ध्यानाकर्षण प्रस्ताव, विशेष उल्लेख प्रस्ताव और स्थगन प्रस्ताव जैसे संसदीय कार्य भी संपादित होंगे।

स्पीकर वासुदेव देवनानी सोलहवीं राजस्थान विधानसभा के चतुर्थ अधिवेशन से पूर्व विधान सभा में सर्वदलीय बैठक भी बुलायेंगे। विधानसभा में अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने ही सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक बुलाये जाने की पहल की है। विधानसभा के इतिहास में यह महत्वपूर्ण नवाचार है।

"भारत सरकार ने हमारे अडानी ग्रुप को भेजे गये सम्मन की सर्विस नहीं करवाई है"

अमेरिका के सिक्युरिटीज़ एण्ड एक्सचेंज कमिशन ने न्यूयॉर्क के न्यायालय में प्रस्तुत रिपोर्ट में आरोप लगाया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 अगस्त। न्यूयॉर्क की एक अदालत में पेश की गई एक स्टेटस रिपोर्ट में, संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रतिभूति और विनिमय आयोग सिक्योरिटीज़ एंड एक्सचेंज कमीशन (एसईसी) ने कहा है कि गौतम अडानी, उनके भतीजे सागर अडानी और अडानी समूह को समन भेजने के लिए भारत से सहायता मांगे हुए छह महीने हो चुके हैं, लेकिन दस्तावेज़ अब तक सौंपे नहीं गए हैं।

एसईसी ने 11 अगस्त को ईस्टर्न कोर्ट को सूचित किया कि उसने "हेग सर्विस कन्वेंशन के तहत सेवा प्रभावी करने के लिए भारतीय अधिकारियों से सहायता का अनुरोध किया था," लेकिन "उन अधिकारियों ने अभी तक सेवा प्रभावी नहीं की है।"

यह समन उस मामले से संबंधित है, जो पिछले वर्ष 20 नवंबर को दर्ज किया गया था, जिसमें अमेरिकी अभियोजकों (प्रासिक्यूटर्स) ने गौतम अडानी, सागर अडानी और अन्य पर कथित रुप से रिश्वतखोरी, प्रतिभूति धोखाधड़ी, वायर फ्रॉड और संबंधित साजिशों के आरोप लगाए थे।

- **कमिशन के अनुसार पिछले वर्ष नवम्बर माह में बीस तारीख को, अमेरिका के अभियोजन पक्ष के अनुसार न्यायालय ने औपचारिक अभियोग पत्र जारी किया था, जिसमें गौतम अडानी, सागर अडानी आदि पर 2029 करोड़ रुपये की रिश्वत सोलर एनर्जी कारपोरेशन ऑफ इंडिया को देने का आरोप है।**
- **अमेरिका के कमिशन ने हैग सर्विस कन्वैशन के प्रावधान के अनुरूप इस मुकदमे के सम्मन भारत सरकार को दिये थे, अडानी ग्रुप के कर्ताधर्ताओं के सर्विस कराने के लिए।**
- **पर, अब तक अगस्त माह में भी ये सम्मन सर्विस नहीं हो पाये हैं।**

एसईसी की शिकायत में आरोप लगाया गया है कि आरोपियों ने सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एसईसीआई) के माध्यम से सौर ऊर्जा सौदों को हासिल करने के लिए 2,029 करोड़ रुपये की रिश्वत दी थी।

अदालत में पेश किये गये दस्तावेज़ में कहा गया है कि एसईसी ने प्रतिवादियों और उनके वकीलों को सीधे नोटिस ऑफ लॉ सूट और समन की सेवा में छूट के अनुरोध, जिसमें शिकायत की प्रतियां शामिल थीं, भेजे हैं, और एसईसी ने भारत के विधि और न्याय मंत्रालय से भी संपर्क किया है। एसईसी का मानना की समझ है कि उन अधिकारियों ने अब तक समन की सेवा प्रभावी नहीं की है।

आरोप-पत्र के अनुसार, इस कथित योजना में आंध्र प्रदेश में अधिकारियों को रिश्वत देने के लिए "एज़र पावर" के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इज़रायल के राजदूत का प्रियंका गांधी से भिड़ना कुछ जमता नहीं?

राजदूत ने प्रियंका गांधी को नसीहत दी कि प्रियंका गांधी का हमास के आंकड़ों पर भरोसा करना सच्चाई से धोखा है

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 12 अगस्त। इज़रायली राजदूत रूवेन अज़र आज उस समय कूटनीतिक रेखा को पार कर गये, जब उन्होंने कांग्रेस सांसद और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी पर निशाना साधा। प्रियंका ने भाजपा-नीत केन्द्र सरकार पर आरोप लगाया था कि जब इज़रायल ने फिलिस्तीन के लोगों पर कहर ढाया, तब भारत सरकार चुप रही। उन्होंने कहा था कि चुप्पी और निष्क्रियता के माध्यम से इन अपराधों को बढ़ावा देना स्वयं एक अपराध है।

प्रियंका गांधी के इस सोशल मीडिया पोस्ट पर इज़रायली राजदूत की तीखी प्रतिक्रिया सामने आई, जिसमें उन्होंने कहा कि उन्हें हमास के आँकड़ों पर विश्वास नहीं करना चाहिए।

राजदूत अज़र ने कहा : "शर्मनाक बात आपका छल है। इज़रायल ने 25,000 हमास आतंकवादियों को मार गिराया है। मानवीय जीवन की भयावह क्षति हमास की उन नीच रणनीतियों का

- **प्रियंका गांधी ने एक्स पर ट्वीट किया था, कि इज़रायल ने 60 हजार व्यक्तियों को मार डाला है, गाजा पर अपने आक्रमणों से। इनमें 18,430 बच्चे हैं। इज़रायल ने सैंकड़ों व्यक्तियों को भूख से मारा है, लाखों व्यक्तियों को इसी तरह मारने की धमकी दे रहा है। तथा भारत सरकार इस मुद्दे पर चुप्पी साधकर, इस नरसंहार में सहभागी हैं।**
- **इज़रायली राजदूत का कहना है कि मानव जीवन का नुकसान गाज़ा में हमास की रणनीति के कारण है, क्योंकि वे और उनके सैनिक नागरिकों को शील्ड बनाकर गोला-बारी करते हैं। तथा गत पचास साल में इस क्षेत्र की आबादी में 450 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, अतः जनसंहार का आरोप निराधार है। इज़रायल ने बीस लाख टन भोजन गाज़ा स्ट्रीप पर भेजा है, पर हमास उस पर कब्जा करके भुखमरी का छलावा करता है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जस्टिस वर्मा पर महाभियोग के लिए समिति गठित

नयी दिल्ली, 12 अगस्त। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग चलाने के प्रस्ताव पर मंगलवार को तीन सदस्यीय समिति के गठन की घोषणा की, जिसमें उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय के एक-एक न्यायाधीश और एक कानूनविद् शामिल हैं।

- **लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिड़ला ने तीन सदस्यीय समिति गठित की है समिति में सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट का एक-एक जज व एक कानूनविद शामिल है।**

बिड़ला ने लोक सभा में महाभियोग प्रस्ताव को लेकर सदन को अवगत कराते हुए कहा कि इस समिति में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश अरविंद कुमार, मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रम्प ने "डिक्टेटरशिप" की दिशा में एक और कदम उठाया

वॉशिंगटन की सड़कों पर सेना की टुकडियां तैनात की, इस तैनाती की घोषणा करते समय उनके पीछे रक्षा मंत्री पीट हेगसेट और इंटेलिजेंस के चीफ काश पटेल अटैंशन में खड़े थे

- अंजन रॉय -
- राष्ट्रीय ब्यूरो -

नई दिल्ली, 12 अगस्त। पल भर में, डॉनल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका, पाकिस्तान जैसी वैकल्पिक वास्तविकता की ओर बढ़ गया है और भारत से दूर हो गया है। वॉशिंगटन की सड़कों का नज़ारा अब विविध विचारों वाले किसी पश्चिमी लोकतांत्रिक शहर की बजाय, तियानमन स्क्वायर जैसा प्रतीत होता है।

इसलिए कोई आश्चर्य नहीं कि पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष आसिम मुनीर, अमेरिका में बैठकर भारत के आर्थिक संसाधनों पर हमले के धमकी भरे बयान आसानी से दे रहे हैं। पिछले दिनों हुई पहलगाम जैसी घटनाओं को देखते हुए, एक और संघर्ष का दौर शुरू हो सकता है, और ट्रंप ऐसे तानाशाहों को रिझा सकते हैं, ताकि वे उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित कर दें।

- **अनहोनी बात यह है, कि, अब तक शहरों की सड़को व कॉलोनियों में कानून-व्यवस्था बनाये रखने की जिम्मेदारी विश्व के दूसरे सबसे बड़े प्रजातंत्र में, पुलिस की मानी जाती थी।**
- **इतिहास गवाह है, कि, हर प्रजातंत्र का राष्ट्रीय प्रमुख "डिक्टेटरशिप" का पद सम्भालने से पहले ऐसा ही पहला कदम उठाता है, कानून व्यवस्था को खतरा होने का बहाना प्रचारित करके।**

अमेरिकी राष्ट्रपति ने अमेरिकी राजधानी का सैन्यीकरण कर दिया है और ताकत के प्रदर्शन के रूप में, सड़कों पर सैनिक तैनात कर दिए हैं। वे यह कदम इसलिए उठा रहे हैं, क्योंकि सड़कों पर हिंसा, गोलीबारी, लूटपाट जैसे मामले बढ़ते जा रहे है और बेघर लोगों की बढ़ती संख्या ने सुंदर पार्कों में डेरा जमा लिया है।

राष्ट्रपति की शिकायतों में कुछ सच्चाई हो सकती है, क्योंकि हर अमेरिकी नगर और महानगर में अपराध की घटनाएँ होती रही हैं। लेकिन अब तक किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने घरेलू अपराधों से निपटने के लिए सेना का उपयोग करने के बारे में सोचा तक नहीं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

अभिलाषा ही घोड़ा बन सकती तो प्रत्येक मनुष्य घुड़सवार हो जाता। –शेक्सपीयर

आज़ादी का दिन जश्न मनाने के साथ अपने को टटोलने का भी हो

दो दिन बाद देश अपनी आजादी पाने के दिन का जब सालाना जश्न मना रहा होगा तब यह सवाल भी सामने होगा कि आज़ादी के अमृतकाल के बाद भी क्या हम भारत के लोगों का औपनिवेशिक और सामंती दौर से निकल कर समानता वाला निश्छल समाज और राज्य व्यवस्था बनाने का सपना पूरा हो सका है? यह भी सवाल होगा कि इस सपने को पूरा करने की व्यवस्था करने वाला दुनिया के किसी भी देश से बड़ा लिखित संविधान होने के उपरांत भी क्या हम उस सपने को हकीकत में तब्दील कर पा रहे हैं? हम भारत के लोग अब खुद अपने नियंता हैं लेकिन आज़ादी के 79वें साल में प्रवेश करते समय हम क्यों अपने आप को असहाय महसूस कर रहे हैं? इन सवालों के बहुत से अकादमिक जवाब हो सकते हैं। मगर हकीकत को कैसे नज़रअन्दाज़ किया जाए।

देश में जब अधिक गरीबी थी तब उतनी ही अधिक ईमानदारी भी थी। देश की आज़ादी के बाद अभाव की अर्थव्यवस्था थी, मगर लोगों में साझा था। अपने नये संविधान से मिले सबकी समानता के मूल्य को व्यवहार में लाने का सपना था। सबके स्कूलएक थे; अस्पताल एक थे। शिक्षा और स्वास्थ्य मे निजी मुनाफे का महाजनी खेल नहीं था। गरीबी में भी जीवन आसान था। औपनिवेशिक लूट के बाद विकास के डग भरते इस देश की सामाजिक और आर्थिक यात्रा अत्यंत ही जटिल रही है। एक समय था जब देश निर्धनता, संसाधनों की कमी, और अल्पविकसित अर्थव्यवस्था से जूझ रहा था, परंतु उस दौर में समाज के भीतर एक मूल्यबोध, एक नैतिक अनुशासन और ईमानदारी की सजीव भावना देखने को मिलती थी। वही देश आज आर्थिक विकास के पथ पर अग्रसर है – वैश्विक स्तर पर अपनी आर्थिक ताकत को सिद्ध कर रहा है, उपभोक्तावाद और तकनीकी प्रगति के युग में प्रवेश कर चुका है – लेकिन यहां नैतिकता और ईमानदारी जैसे मानवीय मूल्यों का ह्रास चिंताजनक रूप से बढ़ गया है। इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि जहां पहले संसाधनों की कमी थी, वहां ईमानदारी की बहुतायत थी और आज जब समृद्धि और साधनों का ज्वार उमड़ रहा है, तो वहां नैतिक मूल्यों का अकाल दिखाई दे रहा है। सरकारी और पुलिस कर्मियों व अधिकारियों तथा निर्वाचित जन-प्रतिनिधियों के कदाचार पकड़े जाने की रोजाना आ रही खबरें अब इतनी आम हो चली हैं कि वे किसी को असहज नहीं करती। पहले भ्रष्टाचार में पकड़े जाने वाले की निगाहें नीची होती थी और रिश्वत का लेन-देन टेबल के नीचे होता था। अब वह खुल्लम-खुल्ला होता है। कदाचार करने वाले अब समाज की नज़रों से नहीं गिरते।

आज़ादी के बाद के तीन दशक पूरे होने तक भारत आर्थिक रूप से एक विकासशील और संघर्षशील देश था। साधनों की अत्यधिक कमी थी, भीषण बेरोजगारी थी, भुखमरी जैसी अत्यंत गरीबी थी, और सीमित आय की स्थिति थी। कृषि प्रधान देश होने पर भी सूखेकाल में खाद्यान्न की पूर्ति के लिए विदेशी मददपर निर्भरता रहती थी। फिर भी सामान्य नागरिकों में सत्यनिष्ठा, ईमानदारी और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना देखने को मिलती थी। अपवादों को छोड़ कर रेल टिकट के कंडक्टर से लेकर पोस्ट ऑफिस के क्लर्क तक, अध्यापक से लेकर दुकानदार तक – अपने सीमित संसाधनों में भी कर्तव्यनिष्ठा और नैतिकता से काम करते थे। इसका एक कारण यह था कि समाज में 'ईमानदार होना' गर्व का विषय था। परिवारों में बच्चों को 'सच बोलने', 'अपना काम ईमानदारी से करने' और एक दूसरे की मदद करने की सीख दी जाती थी। नैतिक शिक्षा स्कूलों में सिर्फ पाठ्यक्रम का हिस्सा नहीं, बल्कि जीवन का हिस्सा हुआ करती थी। पीछे मुड कर हम यह भी देख सकते हैं कि ईमानदारी समाज में 'सामूहिक चरित्र' के रूप में स्थापित थी। लोग अपने कर्तव्यों को केवल नौकरी के रूप में नहीं, बल्कि सेवा के रूप में निभाते थे। यह विचारधारा गहरे सांस्कृतिक और धार्मिक मूल्यों से जुड़ी हुई थी जहां 'धर्म' का अर्थ केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि 'कर्तव्य पालन' था।

फिर आया समृद्धि का युग जिसमें सुविधाओं का तो विकास और विस्तार होता गया लेकिन नैतिकता का पतन भी होता गया। हालांकि दार्शनशास्त्री कहते हैं कि कोई नैतिकता स्थाई नहीं होती। वह काल और स्थान सापेक्ष होती है। किन्तु कुछ मानवीय नैतिकताएं सर्वकालिक होती है। उन्हीं से कोई सभ्यता और संस्कृति सनातन बनी रह सकती है। पिछली सदी के नौवें दशक के बाद भारत में आर्थिक उदारीकरण का दौर शुरू हुआ। वैश्विक निवेश, निजीकरण, तकनीकी विस्तार और उपभोक्तावाद ने देश की आर्थिक स्थिति को सशक्त किया। आज भारत विश्व की पांचवीं सबसे बडी अर्थव्यवस्था होने का दावा करता है जो इफ़रात की अर्थव्यवस्था है। बाजारों में उपभोक्ता वस्तुओं की भरमार है और बाज़ार में चीजों की कोई कमी नहीं है। बड़े-बड़े बाज़ार और मॉल सजे रहते हैं जहां ग्राहकों की भी कोई कमी नहीं नज़र आती है। पांच-सितारा निजी स्कूलों और अस्पतालों की भरमार है, जहां भारी-भरकम फ़ीसें हैं और भारी भीड़ें भी हैं। परंतु इस इफ़रात के युग में ईमानदारी जैसे मूल्य पीछे छूटते जाते दिख रहे हैं। जीवन के हर हिस्से में अब प्राथमिकता सफलता बन गई है, वह चाहे जैसे भी मिले – चाहे शॉर्टकट से, भ्रष्टाचार से, या किसी और के हिस्से को हड़पकर। परिणामस्वरूप, घोटालों की संख्या में बढ़ोतरी हुई, रिश्वत देना-लेना एक आम बात हो गई, और संस्थाओं पर जनता का भरोसा कमजोर हुआ है। सामाजिक स्तर पर भी बदलाव आया है। अब समाज में उस व्यक्ति को अधिक सम्मान मिलता है जो धनवान है, न कि उस व्यक्ति को जो ईमानदार है। यह मानसिकता युवा पीढ़ी में भी घर कर गई है। उन्हें सिखाया जाता है कि स्मार्ट बनो, सिस्टम को मात दो, तुरंत परिणाम लाओ – न कि ईमानदार रहो, धैर्य रखो, या सही रास्ता अपनाओ।

> **सरकारी और पुलिस कर्मियों व अधिकारियों तथा निर्वाचित जन-प्रतिनिधियों के कदाचार पकड़े जाने की रोजाना आ रही खबरें अब इतनी आम हो चली हैं कि वे किसी को असहज नहीं करती। पहले भ्रष्टाचार में पकड़े जाने वाले की निगाहें नीची होती थी और रिश्वत का लेन-देन टेबल के नीचे होता था। अब वह खुल्लम-खुल्ला होता है। कदाचार करने वाले अब समाज की नज़रों से नहीं गिरते।**

ईमानदारी के ह्रास के अनेक कारण गिनाए जा सकते हैं। जैसे आर्थिक विकास के साथ समाज में उपभोक्तावादी संस्कृति का प्रभाव बढ़ा है। अब सफलता का मापदंड नौकरी में बड़ा पैकेज, महंगी कार, आलीशान घर, ब्रांडेड कपड़े और महंगे फोन हो गया है। इससे सामाजिक प्रतिस्पर्धा बढ़ी है और लोगों ने शॉर्टकट अपनाने शुरू कर दिए हैं। शिक्षा प्रणाली पूरी तरह सरकारी रोजगार केंद्रित हो गई है, मूल्य आधारित शिक्षा को गौण कर दिया गया है। विद्यालयों में नैतिक शिक्षा कागजी नीतियों में सिमट कर औपचारिकता रह गई है या पूरी तरह से गायब हो चुकी है। जब समाज के शीर्ष नेतृत्व में ही नैतिक पतन दिखाई दे, तो आम जनता को नैतिक बनाना कठिन होता है। नेताओं, अधिकारियों और व्यवसायियों के बीच भ्रष्टाचारी गठबंधन के किस्से आम हैं। लोग सोचते हैं – जब बड़े कर सकते हैं, तो हम क्यों नहीं? तत्काल परिणाम पाने की मानसिकता वाली आज की पीढ़ी तुरंत पाने की संस्कृति में जी रही है। वह धैर्य, मेहनत और नैतिकता के लंबे रास्ते की बजाय, त्वरित लाभ के विकल्पों को चुनती है। ईमानदारी अब 'धीमी प्रक्रिया' के रूप में देखी जाती है। सोशल मीडिया ने एक नई मानसिकता को जन्म दिया है वह है दिखावे की जिंदगी। अब लोग वास्तविकता से अधिक अपना 'इंप्रेशन' बनाने में लगे हैं। इस होड़ में भी लोग जाने-अनजाने अनैतिक मार्गों को अपना लेते हैं।

यह सवाल उठता लाजिमी है कि क्या ईमानदारी अब जीवन में मूल्यहीन हो गई है? जवाब में यह कहना गलत होगा कि ईमानदारी पूरी तरह समाप्त हो गई है। अब भी समाज में ऐसे लोग हैं जो विपरीत परिस्थितियों में भी सत्यनिष्ठा से कार्य कर रहे हैं। परंतु समस्या यह है कि अब ऐसा अपवाद होता है, सामान्य स्थिति नहीं। जब ईमानदार अधिकारी को 'पागल', 'भुलक्कड़' या 'कायर' कहा जाने लगे, और भ्रष्ट व्यक्ति को 'तेज', 'स्मार्ट' और 'चालाक' कहा जाने लगे, तो यह साफ संकेत होता है कि समाज का नैतिक संतुलन बिगड़ चुका है। यहां एक भोला सा सवाल यह भी हो सकता है कि क्या ईमानदारी की वापसी संभव है? यह तभी संभव है जब परिवार में नैतिक शिक्षा का पुनर्स्थापन हो। बच्चों को ईमानदारी और नैतिकता की शिक्षा घर से ही मिले। माता-पिता खुद उदाहरण बनेंगे तभी बात बनेगी। बहुतों को यह दूर की कौडी नज़र आती है। स्कूलों में नैतिक शिक्षा को फिर से गंभीरता से लिये जाने की बातें सरकारी नीतियों में तो होती है किन्तु वे व्यावहारिक धरती पर नहीं उतरती। आज का सूचना मीडिया से भी कोई आशा नहीं रही है जो केवल सनसनी और ट्रोलिंग तक सीमित हो गया है। मनोरंजन मीडिया भी सामाजिक वर्जनाओं को तोड़ कर अपने को बाहुबली समझ रहा है। नैतिकता के आदर्शों के तिरस्कार को वह अपनी अभिव्यक्ति की आज़ादी मान रहा है। राजनीतिक शुद्धता और जवाबदेही की सभी बातें तो करते हैं मगर वे उनके व्यवहार में नहीं दिखती। अधिकांश युवाओं के रोल मॉडल अब केवल फिल्म स्टार और अमीर बिजनेस टायकून होते हैं न कि ऐसे व्यक्तित्व जिन्होंने ईमानदारी और परिश्रम से अपनी जगह बनाई है। सामाजिक संरचना दोराहे पर खड़ी है। एक ओर आर्थिक समृद्धि का मार्ग है, जो सुविधाओं के लिए नैतिकता से वंचित करता है। दूसरी ओर वह मार्ग है जहां ईमानदारी, मूल्य और आदर्श हैं, परंतु वह कठिन और अल्पप्रिय है। समाज को यह निर्णय लेना है कि वह कैसी पीढ़ी तैयार करना चाहता है – वह जो केवल सफल हो या वह जो सफल होने के साथ-साथ सच्चा और ईमानदार भी हो। एक सशक्त, संतुलित और आत्मगौरव से भरा भारत बनाना है, तो ईमानदारी को फिर से केंद्र में लाना ही होगा। तभी समृद्धि का समान बंटवारा संभव होगा।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

टैक्स संग्रहण के दो प्रकार : प्रत्यक्ष कर एवं अप्रत्यक्ष कर - राष्ट्र निर्माण में दोनों की भूमिका

सुनील दत्त गोयल

भारत में दो विभाग हैं जो करों का संग्रहण करते हैं। एक है सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेज, जिसे प्रत्यक्ष कर निदेशालय भी कहते हैं, जिसका जिम्मा आपकी आय/आमदनी पर टैक्स लगाना है।

दूसरा है सेंट्रल बोर्ड ऑफ इंडायरेक्ट टैक्सेज एंड कस्टम्स (CBIC) अप्रत्यक्ष करों- GST (CGST/IGST), कस्टम/सीमा शुल्क-और शेष केंद्रीय उत्पाद शुल्क का प्रशासन करता है; CBIC का पूर्व नाम CBEC (एक्साइज व कस्टम्स) था। CBDT (प्रत्यक्ष कर) और CBIC (अप्रत्यक्ष कर) दो अलग-अलग बोर्ड हैं।

दोनों का उद्देश्य राष्ट्र निर्माण के लिए कर संग्रह करना है। ये दोनों विभाग पिछले 10-11 वर्षों से जनता के हित में अच्छे निर्णय ले रहे हैं। भारत का जो कर संग्रह का मॉडल पिछले 10-11 वर्षों से चल रहा है, उसे विश्व के बाकी देशों को भी समझना चाहिए कि हमारी वर्तमान सरकार करों का संग्रह कितनी खूबसूरती से कर रही है।

टैरिफ, इंपोर्ट ड्यूटी, कस्टम/सीमा शुल्क और एंटी-डंपिंग ड्यूटी क्या हैं?

जब से इस वर्ष जनवरी में अमेरिका में ट्रंप सरकार आई, तब से टैरिफ शब्द की खूब चर्चा हो रही है और साथ में जुड़ गया है एक अनोखा शब्द वॉर तो कुल मिलकर एक नया शब्द हो गया है टैरिफ वॉर -यह क्या है, इसके मायने क्या हैं, किसको ज्यादा नुकसान होगा और किसको कम फायदा-यह समझना हर नागरिक के लिए जरूरी है। जब भी कोई देश किसी अन्य देश से आयात करता है, तो उस पर सीमा शुल्क/कस्टम ड्यूटी लगती है। कस्टम ड्यूटी लगाने का मूल उद्देश्य यह है कि आयात पर वाजिब शुल्क लगे, अप्रत्यक्ष कर और कर संग्रह में वृद्धि हो-राष्ट्र निर्माण के लिए यही मूल मंत्र है। अब सवाल आता है कि इसकी दरें कितनी हों।

जो देश आयात करता है, वह पहले जांचता है कि किसी वस्तु का घरेलू उत्पादन आवश्यकता से कम है या ज्यादा। यदि उत्पादन कम और जरूरत ज्यादा है, तो सीमा शुल्क वाजिब तरीके से लगाया जाएगा, ताकि देश के उत्पादकों और आयातकों-दोनों-को लेवल प्लेइंग फील्ड मिले, नागरिकों पर अनावश्यक कर बोझ न पड़े, और दामों में अत्यधिक अंतर से प्रतिस्पर्धा-विकृति न हो। अत्यधिक अंतर और गैर-जरूरी प्रतिस्पर्धा गलत प्रैक्टिस मानी जाती है।

एंटी-डंपिंग ड्यूटी का अर्थ है: यदि किसी देश में उसके उत्पादक अपनी क्षमता के अनुरूप उत्पादन कर रहे हैं और घरेलू मांग पूरी कर पा रहे हैं, फिर भी कोई दूसरा देश अपने निर्यातकों को सब्सिडी/छूट देकर दूसरे देश के उद्योगों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करे, तो आयातक देश अपने उत्पादकों की सुरक्षा हेतु आयातित माल पर एंटी-डंपिंग ड्यूटी लगाता है, ताकि कोई देश अपना अतिरिक्त उत्पादन दूसरे देश में डंप न कर दे। इसका उद्देश्य अपने देश के उत्पादन और उद्योगों को संरक्षण देना है। कई बार सैन्य कार्रवाई संभव न होने पर देश आर्थिक युद्ध छेड देते हैं, जिससे विरोधी देश की औद्योगिक क्षमता और व्यापार चक्र बाधित हो। इसी जोखिम से बचाव के लिए एंटी-डंपिंग ड्यूटी लगाई जाती है।

सरकार एक्सपोर्टर्स को ड्यूटी ड्रॉ-बैक का लाभ भी देती है। यदि निर्माण लागत अधिक होने से निर्यातक प्रतिस्पर्धा नहीं कर पा रहे हों, तो निर्यात मूल्य पर 2% से 25¬ तक का ड्यूटी ड्रॉ-बैक दिया जा सकता है। उदाहरण: किसी कंपनी ने 1 करोड़ डॉलर का निर्यात किया है और किसी विशेष देश के लिए 20% ड्यूटी ड्रॉ-बैक घोषित है, तो सरकार 20% यानी 20 लाख डॉलर का क्रेडिट निर्यातक को देती है। उद्देश्य है: निर्यात, रोजगार, औद्योगिक क्षमता, व्यापार और विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि। इसमें विस्तृत गणना और सिस्टम होते हैं; सामान्यत: मनमानी नहीं की जा सकती, और सरकारें इसे पारदर्शिता से लागू करने का प्रयास करती हैं-जब तक कि कोई विशेष देश बदले की भावना से कार्रवाई न करे।

भारत में भी 2000 से पहले तक निर्यात पर आयकर में विभिन्न रूपों में छूट मिलती थी-कभी पूरी छूट, कभी स्लैब/धाराओं में बदलाव-ताकि भारतीय उद्योगपति अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बने रहें, रोजगार और औद्योगिकीकरण बढ़े, और भारत की वैश्विक पहचान मजबूत हो। इसी उद्देश्य से आयकर छूट/ड्यूटी ड्रॉबैक जैसे प्रावधान रहे।

अब ट्रंप सरकार और टैरिफ वॉर पर आते हैं। मेरे मत में या तो सलाहकार पारदर्शिता से काम नहीं कर पा रहे, या नेतृत्व स्वार्थवश बिना ठोस आधार के अलग-अलग देशों/सामानों पर आयात दरें मनमाने तरीके से तय कर रहा है। उदाहरण: यदि अमेरिका किसी विशेष आइटम पर 50% टैरिफ लगा दे-मान लें पहले 100,000 डॉलर के आयात पर 20% ड्यूटी लगती थी, तो लैंडेड कीमत 120,000 डॉलर होती थी; 50% टैरिफ होने पर यह 150,000 डॉलर हो जाएगी। प्रोसेसिंग, लॉजिस्टिक्स, स्टोरेज, विज्ञापन, मटेरियल मैनेजमेंट, हैंडलिंग, सप्लाई चेन आदि के खर्च भी अनुपातिक रूप से बढ़ेंगे। यानी लैंडिंग कॉस्ट पर ही 25-30ङ बढ़त, और आगे उपभोक्ता तक डिलीवरी तक अतिरिक्त लागत। पहले जहां 120,000 डॉलर की लैंडेड कॉस्ट पर वस्तु लगभग 200,000 डॉलर में बिकती थी, अब 150,000 डॉलर की लैंडेड कॉस्ट पर यह 225,000-250,000 डॉलर तक जा सकती है। क्योंकि 20% की जगह 50% ड्यूटी से ड्यूटी, ब्याज, डेप्रिसिएशन और अन्य प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष खर्च अनुपात में बढ़ते हैं।

अंतत: नुकसान आयातकर्ता देश के उपभोक्ता/नागरिक का है जिसे पहले 200,000 डॉलर में मिलने वाली वस्तु अब 250,000 डॉलर तक मिलेगी। नतीजा: आयातक देश में महंगाई, संभावित बेरोजगारी, और सामाजिक-आर्थिक तनाव। शुरुआती चरण में सरकार को टैरिफ से राजस्व मिल सकता है, पर अंतत: उपभोक्ता-पीड़ा और अर्थव्यवस्था पर असर से नुकसान की भरपाई कठिन हो जाती है।

सरकार का काम कर लगाना है, पर चाणक्य नीति कहती है: कर उतना ही जैसे आटे में नमक-ज्यादा होगा तो स्वाद खराब, कम होगा तो स्वादहीन। इसलिए, संयुक्त राष्ट्र के लगभग 198 देशों की सरकारों से-मैं एक लेखक और अपने 45 वर्षों के व्यापारिक अनुभव के आधार पर-निवेदन करता हूँ कि करारोपण से पहले देखें कि दोनों पक्षों में किसे कितना लाभ/हानि होगी। मैंने बजट से पहले कई बार वित्त मंत्रालय को सुझाव भेजे हैं: जब भी सिक्योरिटीज ट्रांज़ैक्शन टैक्स (एसटीटी), लॉन्ग-टर्म/शॉर्ट-टर्म कैपिटल गेन की अवधियां/दरें बदली जातीं और 2-3 हजार करोड़ अतिरिक्त वसूली का अनुमान लगाया जाता, बाजार तुरंत नकारात्मक प्रतिक्रिया देता। कई बार दिन के अंत तक 20-30 हजार करोड़, और कभी-कभी 2-3 लाख करोड़ रुपए तक का मार्केट कैप घट जाता है , लाखों निवेशकों का पैसा फंसता, और लोग बाजार से बाहर हो जाते।

अत: मेरी सभी सरकारों से प्रार्थना है: नागरिकों को खुश रखना आपका काम है। कर लगाने की मंशा बनाते समय गहरा होमवर्क करें-लगाने/न लगाने से प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष नफा-नुकसान क्या होंगे, जनता में कैसा परसेप्शन बनेगा, विपक्ष क्या नैरेटिव खड़ा करेगा। आज सोशल मीडिया के दौर में परसेप्शन और नैरेटिव से सरकारें बदल जाती हैं। इसलिए टैक्स लगाने से पहले बाजार विशेषज्ञों से सलाह लें-निगेटिव/पॉजिटिव इम्पैक्ट कितने होंगे-और समझ आने पर ही घोषणा करें। फिर प्रेस ब्रीफिंग में साफ बताएं कि कर क्यों लगाया, क्या मंशा थी, दीर्घकाल में जनता, देश और राष्ट्र निर्माण के लिए विजन क्या है; और यह राजस्व किन क्षेत्रों में, कैसे, और किन अपेक्षित अच्छे परिणामों के लिए खर्च होगा। जनता को यह समझाना भी सरकार की जिम्मेदारी है।

आशा है, आप इसे साझा करेंगे और जनमानस को जागरूक करेंगे, क्योंकि आज के समय में फाइनेंस समझना हर व्यक्ति के उज्ज्वल भविष्य के लिए जरूरी है। चाहे आप विज्ञान, इंजीनियरिंग, डॉक्टरी या शिक्षण के पेशे में हों-अंतत: आपका जीवन आपकी आय पर ही चलता है; इसलिए फाइनेंस की बुनियादी जानकारी आवश्यक है। मेरा यह लिखने का उद्देश्य भी यही था।

मेरा सभी सरकारों से पुन: निवेदन है कि इन सुझावों को सकारात्मक रूप में लें। जब भी टैक्स का करारोपण करें-भारत हो या अन्य देश-इन बातों पर ध्यान दें, अनावश्यक विवादों से बचें और विश्व में शांति का वातावरण बनाएं। एक-दूसरे को नीचा दिखाना/ डुबोना और उद्योग-धंधे बर्बाद करना सरकारों का काम नहीं है। सरकारों का काम है प्रजा को खुश, संपन्न, प्रभावशाली और खुशहाल बनाना; रोजगार के अवसर बढ़ाना; अराजकता से बचाना। ऐसा कोई कानून/ करारोपण न हो जिससे असमंजस या अव्यवस्था पैदा हो। राष्ट्र निर्माण के लिए कर निर्धारण करने वालों-सरकारी अधिकारियों और नीति-निर्माताओं-को इन बातों का ध्यान रखना चाहिए। कहीं ऐसा न हो की यह कहावत सही में चरितार्थ हो जाये कि अब पछताए क्या होत, जब चिड़िया चुग गई खेत।

–रोटेरियन सुनील दत्त गोयल
महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री।

विश्व का कल्याण चाहने वाला देश है भारत : सरसंघचालक डॉ. भागवत

सीकर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि भारत दुनिया में धर्म देने वाला और विश्व का कल्याण चाहने वाला देश है। यहां के वेदों में सभी शास्त्र निहित हैं, ऋषियों की तपस्या से राष्ट्र में बल और ओज का संचार हुआ है। डॉ. भागवत मंगलवार को सीकर जिले में स्थित श्री जानकीनाथ बड़ा मंदिर, रैवासा धाम में ब्रम्हलीन पूज्य रेवासा पीठाधीश्वर स्वामी राघवाचार्य वेदांती महाराज की प्रथम पुण्यतिथि पर आयोजित श्री सियपिय मिलन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने स्वामी राघवाचार्य की तीन फीट ऊंची संगमरमर की प्रतिमा का अनावरण और नव-निर्मित गुरुकुल भवन का लोकार्पण भी किया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने स्वामी राघवाचार्य की तीन फीट ऊंची संगमरमर की प्रतिमा का अनावरण किया।

■ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत रेवासा पीठाधीश्वर स्वामी राघवाचार्य वेदांती महाराज की प्रथम पुण्यतिथि पर आयोजित श्री सियपिय मिलन समारोह में पहुंचे

सरसंघचालक ने कहा कि इतिहास ने भी जब आंखें नहीं खोली थी, तब से विश्व को सत्य, धर्म और आध्यात्म का मार्ग दिखाने और मानवता के कल्याण का कार्य भारतवर्ष और भारत का हिंदू समाज कर रहा है। सनातन काल से रीति ऐसे ही चल रही है। कई उतार-चढ़ाव आए। कभी हम स्वतंत्र रहे। कभी वैभव संपन्न रहे। कभी हम दरिद्र हो गए। कभी हम परतंत्र हो गए। अत्याचारी-पीड़ित हो गए। फिर भी यह काम लगातार चलता रहा। जब-जब दुनिया को विशेष रूप से इसकी आवश्यकता पड़ती है। तब भारत का उत्थान होता है। आज हम देख रहे हैं अप्रत्याशित रूप से अगर स्वतंत्रता के बाद का हमारा इतिहास देखें तो इतिहास के आधार पर कोई यह तर्क नहीं कर सकता कि भारतवर्ष उठेगा, लेकिन भारत वर्ष उठ रहा है। विश्व में अपना स्थान बना रहा है। डॉ. भागवत ने कहा कि भारत के स्वतंत्र होने के बाद लोगों ने भविष्यवाणी की थी कि यहां प्रजातंत्र चल ही नहीं सकता। प्रजातंत्र चला भी और जब इस पर संकट आया तो लोगों ने उसका प्रतिकार करके प्रजातंत्र को कायम रखा है। आज भारत आश्चर्यकारक रीति से प्रजातांत्रिक देश के नाते प्रजातंत्र के मामले में सारी दुनिया से आगे है।

उन्होंने कहा कि सत्य एक ही है, वही विश्वरूप है और वही विविध रूप में दिखाई देता है। मिथ्या कुछ समय तक ही चलती है, बाद में सब एक ही में विलीन हो जाता है। इसलिए हमारे यहां संतों की ऐसी कथाएं भी मिलती हैं। रामकृष्ण के जीवन का एक प्रसंग वर्णित है कि पंचवटी में वे गंगा को निहारते हुए बैठे थे। निहारते-निहारते उनका ध्यान लग गया और वे आसपास के समस्त दृश्य के साथ एकरूप हो गए। उसी समय सामने की हरियाली पर से एक गाय गुज़री। वे इतने गहरे एकत्व में लीन थे कि उनके अपने सीने पर गाय के पैरों के निशान पड़ गए। इतनी गहन तनमयता सम्पूर्ण सृष्टि के साथ प्राप्त करने की गुरुकुंजी हमारे पास है, यह चाबी हमारे पास है और यह कल्याणकारी चाबी सभी लोगों के लिए है। ऋषि-मुनियों ने सोचा कि सब एक हैं, सब अपने हैं। जो इतना महान श्रेय हमें मिला है, उसे संपूर्ण विश्व को देना चाहिए, लेकिन पूरे विश्व को यह देने के लिए केवल एक व्यक्ति पर्याप्त नहीं होगा, इसके लिए एक पूरा राष्ट्र अपना जीवनध्येय बनाकर इसे जिए। इसी उद्देश्य से ऋषियों ने अपनी तपस्या से इस राष्ट्र की निर्मिती की है।

डॉ. भागवत ने राघवाचार्य जी का स्मरण करते हुए कहा कि मेरा उनसे संबंध सरसंघचालक बनने के बाद ही हुआ। पहली भेंट में मेरे मन में दो बातें आईं पहली, उनके हृदय में सभी के लिए स्नेह था, और दूसरी, वे सभी को आत्मीय भाव से देखते थे। उन्होंने बताया कि उनके जीवनकाल में मैं एक बार रैवासा धाम आ चुका हूं। उस समय उन्होंने मुझे गुरुकुल के छात्रों से भी मिलवाया था। उस वक्त भी वही स्नेह और समाज के प्रति वही तड़पन दिखाई दी। बहुत से ऐसे संत हैं जो संघ के कार्यक्रमों में नहीं आते, लेकिन वे स्वयंसेवक ही होते हैं। मैंने उनसे कहा था कि जब-जब आऊंगा, आपसे मिलूंगा। मैं दो-तीन बार आया, लेकिन उस समय महाराज प्रवास पर थे, इसलिए धाम नहीं आ सका। फिर से यहां आना, उनके जाने के बाद होगा। इसका मुझे बिल्कुल भी अनुमान नहीं था। ऐसा अनुमान किसी को होता भी नहीं है। सरसंघचालक ने कहा कि मैं देख रहा हूं कि समाज के हित के लिए वही तड़पन यहां के वातावरण में विद्यमान है। महाराज के जाने के बाद उनकी तपस्या आज दिखाई दे रही है। इस जगह भक्तमाल की रचना हुई। स्थान की परंपरा ऐसी ही चलती रहेगी। यह आज मुझे विश्वास हो गया है।

डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि यहां से प्रेरणा लेकर संपूर्ण देश में विचरण करने वाले हमारे संत हैं। बाकी दुनिया में भी अनेक पूजा-पद्धितयां हैं, लेकिन यदि उन पद्धितयों का पालन करने वालों से पूछा जाए कि जो आप बता रहे हैं उसे प्रत्यक्ष दिखाएं, तो उनके पास कोई उत्तर नहीं होगा। भारतवर्ष में आज भी आध्यात्म के रूप में जो कुछ कहा जाता है, वह हमारे यहां ऐसे व्यक्तियों के जीवन में प्रत्यक्ष दिखाई देता है, जिन्होंने उसे आचरण में उतारकर यश, कीर्ति, श्रेय और प्रेय सब कुछ प्राप्त किया है। ऐसे जीवन हमारे बीच ही हैं, जो हमारे साथ चलते-फिरते हैं, हमारे जैसे खाते-पीते हैं और सामान्य ही दिखाई देते हैं। तुकाराम महाराज महाराष्ट्र के एक संत हैं, उन्होंने कहा कि हम यहां के तो है नहीं, हम तो भगवान के और बैकुंठ के हैं। यहां पर क्यों आए हैं। वह मराठी में कहते हैं आमी बैकुंठवासी, आलो याचिकांरणा सी। इसी कारण से यहां पर आए हैं। ऋषियों ने जो कहा इसका सत्य आचरण हर समय तब तब के देशकाल परिस्थिति के अनुसार करके बताने के लिए हम यहां पर है।

उन्होंने कहा कि राघवाचार्य जी ने संस्कृत और संस्कृति के उत्थान के लिए उल्लेखनीय कार्य किया है। यहां सभी का आगमन सदैव सहज, निर्बाध और बिना किसी भेदभाव के होता रहा है। संतों का जीवन इसलिए है और ऐसे संत का स्मरण आज हम एक साल बाद कर रहे हैं। उसी जगह दूसरे संत हमें आश्वस्त करते हुए कि एक संत जिनका पार्थिव चला गया लेकिन संत है, इसलिए मैं मानता हूं कि जब तक इस स्थान और उसकी महिमा को चलाने वाले संत लोग हैं तब तक हमको राघवाचार्य महाराज सदैव इस पीठ पर मिलते रहेंगे।

राशिफल

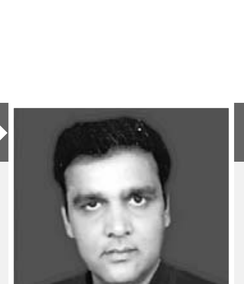

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 13 अगस्त, 2025

भाद्रपद मास, कृष्ण पक्ष, चतुरथी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2082, उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र दिन 10:33 तक, धृति योग सायं 4:05 तक, बालव करण प्रात: 6:37 तक, चन्द्रमा आज मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-मीन, मंगल-कन्या, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-मिथुन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज पंचक है। पंचमी तिथि का क्षय हुआ है। आज रक्षा पंचमी है। आज श्रवण तपस्या समाप्त (जैन) होगी।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:16 तक, शुभ 10:54 से 12:32 तक, चर 3:47 से 5:25 तक, लाभ 5:25 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 2:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:01, सूर्यास्त 7:02

मेष
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी।

वृष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

सिंह
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

कन्या
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

तुला
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित विवादों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। व्यावसायिक परेशानियां यथावत बनी रहेगी।

मकर
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
व्यावसायिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मीन
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सत्ता के लालची लोगों ने तुष्टिकरण और स्वार्थ की राजनीति के चलते किया विभाजन : भजनलाल शर्मा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने निभाई जिम्मेदारी, पीड़ितों को नागरिकता देने की प्रक्रिया को पूरा किया : मुख्यमंत्री

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी जयपुर शहर की ओर से विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस संगोष्ठी बिडला आडिटोरियम में आयोजित की गई।

संगोष्ठी को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विभाजन को दुनिया की सबसे बड़ी मानवीय त्रासदी बताते हुए कहा कि आजादी से ठीक पहले 10 लाख लोगों की हत्या हुई, लाखों परिवार उजड़ गए। देश की आजादी के लिए महान पुरुषों ने खुद को समर्पित किया, लेकिन सत्ता का लालच और तुष्टिकरण की राजनीति ने देश को बांट दिया। जिन लोगों ने हमेशा स्वार्थ की राजनीति की, लालच की राजनीति की उन लोगों के कारण हमारे देश के हिन्दुओं को विभाजन का दंश झेलना पड़ा। "पाकिस्तान से जो ट्रेनें आती थीं, वे लाशों से भरी होती थीं। यह विभाजन की भयावहता को दर्शाया है। उन्होंने कहा कि यह केवल भूतकाल की पीड़ा नहीं है, बल्कि आज भी पाकिस्तान में रहने वाले हिंदुओं के साथ अन्याय हो रहा है।

जयपुर स्थित बिड़ला सभागार में भारतीय जनता पार्टी जयपुर शहर की ओर से आयोजित विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस संगोष्ठी में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा समेत पार्टी नेताओं ने तिरंगा झंडा फहराया।

- विभाजन "मजबूरी" नहीं बल्कि सत्ता का लोभ और कांग्रेस की मंजूरी का परिणाम : अशोक परनामी
- सरदार वल्लभ भाई पटेल के हाथों में सत्ता होती, तो टल सकता था देश का विभाजन : परनामी

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पाकिस्तान से विस्थापित होकर आने वालों को नागरिकता देने का दायित्व जिनकी सरकारों पर था, वे असफल रहीं। नागरिकता देना तो दूर इन सत्ता के लालचियों ने बिल बनाकर उनकी संपत्ति का कोई मुआवजा तक देने से इनकार कर दिया। जिस कांग्रेस ने सत्ता सुख के लिए लाखों लोगों की कुर्बानी कर दी थी, आज वहीं कांग्रेस हमें एकता का पाठ पढ़ा रही है।

जिस कांग्रेस ने इस देश का बांटा, वो कभी देश संभाल नहीं सकती, जिसने इस देश को तोड़ा वो लोगों को कभी जोड़ नहीं सकती। ऐसे आस्तिन के सांपों को मुंह उठाने से पहले ही कुचल देना चाहिए। आजादी के कई दशकों बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने यह जिम्मेदारी निभाई है और पीड़ितों को नागरिकता देने की प्रक्रिया को पूरा किया। मुख्यमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने विभाजन के समय लाखों शरणार्थियों की सेवा की।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस कार्यक्रम के प्रदेश संयोजक अशोक परनामी ने कहा कि 1947 में देश के विभाजन के समय पाकिस्तान से भारत आए लोगों ने जो कष्ट झेले, उन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता।

धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर करना, बेटियों के साथ अन्याय और अत्याचार करना, विस्थापितों की पीड़ा सुनकर आज भी रूह कांप जाती है। परनामी ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि उन्होंने नागरिकता संशोधन अधिनियम को पास करवा कर पीड़ितों को न्याय दिलाने का कार्य किया।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यह दिवस राजनीतिक लाभ के लिए नहीं, बल्कि इतिहास की सच्चाई को जन-जन तक पहुंचाने और उस त्रासदी से सीख लेने के लिए मनाया जा रहा है।

परनामी ने विभाजन के लिए कांग्रेस और गांधी परिवार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि यह "मजबूरी" नहीं बल्कि सत्ता का लोभ और कांग्रेस की मंजूरी का परिणाम था। यदि सत्ता सरदार वल्लभ भाई पटेल के हाथों में होती, तो देश का विभाजन टल सकता था। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर पाकिस्तान से आने वाले हिंदुओं को संपत्ति मुआवजा न देने का भी आरोप लगाया। परनामी ने कहा कि पाक से आने वाला प्रत्येक हिन्दू शरणार्थी नहीं, पुरुषार्थी है। उन्होंने पीएम मोदी को धन्यवाद दिया कि जिन्होंने विभाजन की पीड़ा को इतिहास के काले पन्नों से निकाल कर देश के सामने रखने के लिए 15 अगस्त से एक दिन पहले 14 अगस्त को देशभर में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाने का ऐतिहासिक फैसला लिया।

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, डॉ प्रेमचंद बैरवा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं वित्त आयोग के अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, सरकार के मंत्री जवाहर सिंह बेढम, जोगाराम पटेल, गौतम दक, केके विश्नोई,विधायक कैलाश वर्मा, गोपाल शर्मा, बाल मुकुंदाचार्य महाराज, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, नाहर सिंह जोधा, सरदार अजयपाल सिंह, भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगडी, प्रदेश मंत्री एवं कार्यक्रम प्रदेश सह संयोजक भूपेंद्र सैनी, प्रदेश मंत्री वासुदेव चावला,अजीत मांडण, स्टेफी चौहान, मिथलेश गौतम, भाजपा प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक, पूर्व कृषि राज्यमंत्री कैलाश चौधरी, भाजपा जयपुर शहर जिलाध्यक्ष अमित गोयल, मेयर सौम्या गुर्जर, कुसुम यादव, जयपुर शहर कार्यक्रम संयोजक राजेश ताम्बी, सह प्रभारी जयपुर शहर नरेश बंसल और भाजपा प्रदेश पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मंच संचालन पूर्व विधायक एवं कार्यक्रम प्रदेश सह संयोजक रामलाल शर्मा ने किया।

आमजन को निर्बाध, नियमित जलापूर्ति राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

पेयजल परियोजनाओं को समय सीमा में पूरा करें, लापरवाही बरतने वालों पर सख्त एक्शन लें: भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की वर्ष 2025-26 की बजट घोषणाओं की समीक्षा की। बैठक में मंत्री कन्हैयालाल चौधरी, मुख्य सचिव सुधांश पंत और जलदाय विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अखिल अरोड़ा समेत कई वरिष्ठ अफसर मौजूद थे।

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पेयजल आपूर्ति परियोजनाओं के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समय सीमा में पूरा करने के लिए निर्देशित किया है। उन्होंने कहा कि आमजन को निर्बाध और नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करने में किसी भी स्तर पर कोताही नहीं बरती जाए। शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की वर्ष 2025-26 की बजट घोषणाओं की समीक्षा कर रहे थे।

- पाइपलाइन बिछाने के लिए रोड कटिंग और उसके पुनर्निर्माण के संबंध में जलदाय विभाग, सार्वजनिक निर्माण एवं स्वायत्त शासन विभाग के तालमेल रखें। दुबारा सड़क बनने के बाद गुणवत्ता जांच के लिए थर्ड पार्टी जांच भी करवाएं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार वृहद् जल परियोजनाओं के क्रियान्वयन पर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इनसे प्रदेशभर में आमजन को पर्याप्त जलापूर्ति सुनिश्चित होगी। शर्मा ने लंबित परियोजनाओं की निविदाओं में गति लाते हुए कार्यादेश शीघ्र जारी करने के लिए निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पेयजल परियोजनाओं के कार्यों को विभिन्न चरणों में विभक्त कर उनका सतत् पर्यवेक्षण किया जाए। अधिकारी फील्ड में जाएं और निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करें। अगर कॉन्ट्रेक्टर द्वारा तय समय सीमा में कार्य पूरा नहीं किया जाए तो जुर्माना भी लगाया जाए। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में दीर्घकालिक परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है, वहां अन्य विकल्प तलाशते हुए पानी की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा इस परियोजना से सबसे ज्यादा लाभ राजस्थान को होगा। उपभोक्ताओं को सुगमता से नल से जल मिल सकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस योजना के तहत अवैध कनेक्शन धारकों पर कड़ी कार्यवाही की जाए। साथ ही, उन्होंने मुख्यमंत्री जल जीवन मिशन (शहरी) के क्रियान्वयन के संबंध में भी व्यापक दिशा-निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने पाइपलाइन बिछाने के लिए होने वाली रोड कटिंग और उसके पुनर्निर्माण के संबंध में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी, सार्वजनिक निर्माण एवं स्वायत्त शासन विभाग के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विशेष जोर दिया। साथ ही, उन्होंने सड़क पुनर्निर्माण में गुणवत्ता जांच के लिए तृतीय पक्ष द्वारा आंकलन कराए जाने के लिए भी निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशभर में पम्प हाउस एवं जलाशयों का निर्माण, पाइपलाइन कार्य, राइजिंग एवं वितरण पाइपलाइन का निर्माण, जल प्रदाय परियोजनाओं के साथ पेयजल परियोजनाओं के संवर्धन एवं सुदृढ़ीकरण कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अमृत 2.0 के अंतर्गत योजनाओं की वर्तमान स्थिति एवं कार्ययोजनाओं की भी समीक्षा की। बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को निविदा आमंत्रित एवं प्रक्रियाधीन, निविदा आमंत्रित करने वाली परियोजनाओं के साथ ही हेम (हाइब्रिड एन्यूटी मॉडल) के अंतर्गत बजट घोषणाओं की अद्यतन प्रगति एवं कार्ययोजना के बारे में अवगत कराया। इस दौरान जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल चौधरी, मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित विभाग के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

मालपुरा सांप्रदायिक दंगे के दौरान दोहरे हत्याकांड के 13 आरोपी बरी

एसओजी ने ईडी मामलों की विशेष अदालत में पेश की अभियोजन स्वीकृति की प्रति

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। सांप्रदायिक दंगा मामलों की विशेष अदालत ने 25 साल पहले टोंक के मालपुरा में हुए सांप्रदायिक दंगे के दौरान हुए दोहरे हत्याकांड के 13 आरोपियों को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया है। पीठासीन अधिकारी श्वेता गुप्ता ने आरोपी रतनलाल, किशनलाल, रामस्वरूप, देवकरण, श्योजीराम, रामकिशोर, सुखलाल, छोटू, बच्छराज, किस्तुर, हीरालाल, सत्यनारायण और किशनलाल को बरी करते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपियों पर जुर्म प्रमाणित नहीं कर पाया है।

- 25 साल पहले हुआ था दंगा, कोर्ट ने संदेह का लाभ देते हुए बरी किया

अभियोजन पक्ष की ओर से अदालत को बताया गया कि दस जुलाई, 2000 को मोहम्मद अली और सलीम की हत्या हुई थी। प्रकरण में शहजाद ने मालपुरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि समुदाय विशेष के लोगों ने उसके भाई मोहम्मद सलीम और चाचा मोहम्मद अली की हत्या की है। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए अदालत ने 22 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता वीके बाली और अधिवक्ता सोनल दाधीच ने अदालत को बताया कि मामले में पुलिस ने पर्याप्त जांच नहीं है। एफआईआर दर्ज कराने वाले ने भी किसी अन्य की सूचना पर रिपोर्ट दर्ज कराई थी। वहीं घटना के समय मौके पर धारा 144 लगी हुई थी। ऐसे में पुलिस ने जिन लोगों को चश्मदीद गवाह बताया है, उनकी मौके पर उपस्थिति संदेहजनक थी। इसके अलावा पुलिस ने घटना में प्रयुक्त हथियार भी बरामद नहीं किया। इसके साथ ही एक के अलावा अन्य आरोपियों की शिनाख्त परेड भी नहीं कराई गई। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने आरोपियों को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया है। गौरतलब है कि 22 आरोपियों में से 8 आरोपियों को हाईकोर्ट पूर्व में डिस्चार्ज कर चुका है। वहीं एक अन्य को नाबालिग मानते हुए उसके प्रकरण को बाल न्यायालय में भेजा गया था। वहीं शेष 13 आरोपियों को मंगलवार को अदालत ने बरी कर दिया। वहीं दो अन्य लोगों की हत्या के दूसरे मामले में इन्हीं 13 लोगों को आरोपी बनाया गया है। विशेष अदालत उस मामले में 24 अगस्त को फैसला सुनाएगी।

जानकारी के अनुसार साल 2000 में मालपुरा में दो संप्रदायों के बीच दंगा हुआ था। इसमें एक पक्ष से हरिराम और कैलाश माली की मौत हो गई थी। वहीं दूसरे पक्ष के भी चार लोगों की मौत हुई थी। दोनों पक्षों की ओर से मामले दर्ज कराए गए थे। हरिराम की मौत के मामले में अदालत इस्लाम, मोहम्मद इशाक, अब्दुल रज्जाक, इरशाद, मोहम्मद जफर, साजिद अली, बिलाल अहमद और मोहम्मद हबीब को आजीवन कारावास की सजा सुना चुकी है। जबकि कैलाश माली की हत्या के मामले में पांच आरोपियों को अदालत ने बरी किया था।

डी.जी.जी.आई. टीम ने 50 करोड़ की कर चोरी पकड़ी

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। डीजीजीआई टीम ने चार ठिकानों पर छापामार कार्यवाही के जरिये फर्जी कंपनी बनाकर बोगस बिलों में करीब 50 करोड़ की टैक्स चोरी पकड़ी है। सरदार सिंह की ढाणी, काली डूंगरी सहित तिलोनिया में जयपुर व अजमेर से आई टीमों द्वारा की गई कार्यवाही के दौरान नरेंद्र, बलवीर, हंसराज, भरत के नाम सामने आये हैं।

टीम ने हंसराज व नरेंद्र को हिरासत में ले लिया, जबकि अन्य आरोपी फरार हो गये। इन्होंने मार्बल ग्रेनाइट पर लगने वाले जीएसटी के फर्जी बिल बनाकर करोड़ों रूपये की कर चोरी की। रिक्शा चालक, ऑटो चालक जैसे लोगों के नाम से कंपनी बना रखी थी। फर्जी इनवॉइस में इस्तेमाल मोबाइल, लैपटॉप सहित इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस को जब्त कर लिया है। फॉरेंसिक टीम की मदद से जुटाए जा रहे साक्ष्य जुटाये जा रहे हैं।

शिक्षक भर्ती पेपर लीक मामले में ढाका को जमानत नहीं

जयपुर। सीबीआई मामलों की विशेष अदालत क्रम-3, महानगर प्रथम ने द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती-2022 पेपर लीक से जुड़े मामले में आरोपी ओमप्रकाश ढाका को जमानत देने से इनकार कर दिया है। पीठासीन अधिकारी खगेन्द्र कुमार शर्मा ने आरोपी की द्वितीय जमानत अर्जी खारिज करते हुए कहा कि साल 2010 से साल 2024 तक आरोपी के खिलाफ विभिन्न परीक्षाओं के पेपर लीक के कई प्रकरण दर्ज हुए हैं। वहीं एसओजी ने उस पर 75 हजार रुपए का इनाम भी घोषित किया था। पिछले कुछ सालों में संगठित गिरोह के माध्यम से सरकारी भर्तियों के पेपर लीक किए जा रहे हैं। जिसके चलते काबिल और हकदार नौजवान नौकरी से वंचित हो रहे हैं। ऐसे में आरोपी को जमानत पर रिहा नहीं किया जा सकता। जमानत प्रार्थना पत्र में कहा गया कि एसओजी के पास प्रार्थी के खिलाफ कोई ठोस साक्ष्य नहीं है। मामले में दर्ज एफआईआर में भी उसका नाम नहीं है। वहीं उससे पूछताछ की भी कोई आवश्यकता नहीं है। प्रकरण में सह आरोपी की पूर्व में जमानत हो चुकी है। वह नौजवान व्यक्ति है और गत जनवरी माह से जेल में बंद है। उसके जेल में अन्य कुख्यात अपराधियों के साथ रहने से उसके व्यक्तित्व पर विपरीत प्रभाव पडेगा। ऐसे में उसे जमानत पर रिहा किया जाए। जिसका विरोध करते हुए विशेष लोक अभियोजक बीएस चौहान ने कहा कि आरोपी ने परीक्षार्थी को प्रश्न पत्र मुहैया कराने के लिए सौदा किया था। आरोपी पेपर लीक माफिया जगदीश विश्नोई का काफी नजदीकी सहयोगी है। वहीं अदालत उसकी पहली जमानत अर्जी को भी खारिज कर चुकी है। घटना के बाद आरोपी ने जांच में असहयोग करने की मंशा से लंबी फरारी काटी और उस पर इनाम घोषित करना पडा। यदि उसे जमानत दी गई तो वह गवाहों को प्रभावित कर सकता है। इसके अलावा यह जमानत लेकर फिर से फरार हो सकता है। ऐसे में उसे जमानत नहीं दी जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने आरोपी को जमानत पर रिहा करने से इनकार कर दिया है। गौरतलब है कि मामले में आरोपी के खिलाफ साल 2022 में उदयपुर के बेकरिया थाने में मामला दर्ज किया गया था।

अनोखा फैशन शो : 62 लाख की ज्वैलरी पहनकर हाथी 'बाबू' ने किया रैंप वॉक

हथिनी जोनाली ने 18वें जन्मदिन पर केक काटा, साथी हाथियों ने बुफे में खाना खाया

जयपुर। विश्व हाथी दिवस पर मंगलवार शाम को जयपुर में आमेर स्थित "हाथी गांव" में अनोखा फैशन शो हुआ। इसमें 15 हाथियों ने चांदी के गहने और पारंपरिक पोशाक पहन कर 50 मीटर लंबे रैंप पर वॉक की। इकलौते मेल हाथी 'बाबू' ने 62 लाख की ऐतिहासिक ज्वैलरी पहनकर शो की शुरुआत की। बाबू को राजा-महाराजाओं के जमाने की चांदी से बनी श्री, कंठा और पायजेब पहनाई गई थी। बाबू के साथ ही हाथी गांव की सबसे फेमस हथिनी हेमा वन्य जीव प्रेमियों के बीच पहुंची। हेमा के महावत ने भी राजस्थानी पोशाक पहनी। हथिनी पुष्पा और चंदा ने भी शाही अंदाज में सभी का दिल जीत लिया। इस दौरान हथिनी जोनाली का 18वां बर्थडे सेलिब्रेट किया गया। हथिनी ने अपनी सूंड से केक काटा। सभी हाथियों ने बुफे में सामूहिक भोजन किया। इसमें केला, सेब, ब्रेड, गन्ना, खीरा परोसे गए।

हाथी गांव विकास समिति के अध्यक्ष बल्लू खान ने बताया कि फैशन शो में 15 हाथियों ने पारंपरिक ज्वेलरी और पोशाक पहनकर 50 मीटर लंबे कार्पेट पर वॉक की। हाथी गांव के सबसे फेमस 18 साल के हाथी बाबू ने 62 लाख रुपए की चांदी से बनी ऐतिहासिक ज्वेलरी पहन रैंप वॉक की शुरुआत की। हथिनी हेमा, पुष्पा और चंदा ने भी पारंपरिक पोशाक व ज्वेलरी पहन बाबू के साथ वॉक की।

बल्लू खान बताया कि हाथी गांव के हाथियों ने देसी और विदेशी मेहमानों का खास ढंग से स्वागत कर रखा है। इनमें अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, भारत के पॉलिटिशियन और बॉलीवुड सितारे भी शामिल हैं।

हाईकोर्ट ने पढ़ाई की संभावना की जांच के लिए कमेटी बनाई

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने एमबीबीएस पाठ्यक्रम के बीच छात्रा की दुर्घटना में देखने के सौ फीसदी क्षमता समाप्त होने के मामले में दिव्यांगजन आयुक्त और नेत्र विशेषज्ञ को शामिल करते हुए एम्स दिल्ली, की कमेटी गठित करने को कहा है। अदालत ने कहा कि यह कमेटी देखे की याचिकाकर्ता अपनी शेष पढाई कैसे पूरी कर सकती है। वहीं यदि कमेटी की रिपोर्ट याचिकाकर्ता के पक्ष में आती है तो उसे एमबीबीएस पूरा करने की अनुमति दी जानी चाहिए। जस्टिस अनूप कुमार ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश अंकिता सिंगोदिया की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि यह आदेश विशेष परिस्थितियों में दिया गया है। ऐसे में यह 40 फीसदी से अधिक दिव्यांग अन्य उम्मीदवारों के लिए मिसाल नहीं बनेगा। अदालत ने याचिकाकर्ता की दृढता और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि पूरी तरह से दिव्यांग होने के बाद भी वह एमबीबीएस करना चाहती है, जबकि वह शपथ पत्र पेश कर कह चुकी है कि डिग्री लेने के बाद वह चिकित्सक के रूप में काम नहीं करेगी। याचिका में अधिवक्ता एसपी शर्मा ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता ने अगस्त, 2014 में एमबीबीएस में प्रवेश लिया था।

आर.ए.एस. की मेरिट कम करने पर हाईकोर्ट ने जवाब मांगा

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने आरएएस भर्ती-2018 में आरएएस पद पर चयनित अधिकारी की उत्तर पुस्तिका के एक उत्तर में दो अलग-अलग प्राप्तांको के आधार पर मेरिट स्तर नीचे करने के मामले में राज्य सरकार और आरपीएससी सचिव से जवाब तलब किया है। जस्टिस मनीष शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश पदमा देवी की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता धर्मवीर ठोलिया और हिमांशु ठोलिया ने अदालत को बताया कि आरपीएससी ने साल 2018 में आरएएस भर्ती निकाली थी। जिसमें याचिकाकर्ता ने लिखित परीक्षा और साक्षात्कार में सफल होकर अंतिम मेरिट में 24वां स्थान प्राप्त किया। इसके बाद राज्य सरकार ने उसे आरएएस पद पर नियुक्ति देकर बाद में उसका स्थायीकरण भी कर दिया। याचिकाकर्ता विभिन्न जिलों में एसडीओ रहने के बाद फिलहाल लाडनूं में एसडीओ पद पर तैनात है। याचिका में कहा गया कि आरपीएससी ने उसे गत 1 मई को नोटिस भेजा कि उत्तर पुस्तिका के भाग संख्या सी के प्रश्न संख्या 34 में परीक्षक ने उसे एक जगह शून्य और एक जगह सात अंक दिए हैं। ऐसे में वे आयोग में पेश होकर अपना जवाब पेश करें। इसके जवाब में याचिकाकर्ता ने कहा कि परीक्षक की ओर से दिए अंकों को लेकर याचिकाकर्ता जिम्मेदार नहीं है। वहीं आरएएस परीक्षा नियम के नियम 18 के तहत अंकों की केवल पुनः गणना ही हो सकती है और परीक्षार्थी की ओर से दिए उत्तर का पुनः परीक्षण नहीं किया जा सकता। याचिका में कहा गया कि अब उसकी मेरिट 24 से घटाकर 39 सी कर दी गई है। जिससे वह समान बैच के 14 अफसरों से जूनियर हो गया है।

पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में डी.आर.डी.ओ. गेस्ट हाउस चांदन फिल्ड फायरिग रैंज का संविदाकर्मी मैनेजर गिरफ्तार

आरोपी महेन्द्र प्रसाद

जयपुर। राजस्थान सीआईडी इन्टेलीजेंस ने कार्रवाई करते हुए जासूसी के आरोप में डीआरडीओ गेस्ट हाउस चांदन फिल्ड फायरिग रेंज जैसलमेर के संविदाकर्मी मैनेजर को गिरफ्तार किया है।

पुलिस महानिरीक्षक सीआईडी (सुरक्षा) राज. जयपुर डॉ. विष्णुकांत ने बताया कि आने वाले राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह को ध्यान में रखते हुए राजस्थान सीआईडी इन्टेलीजेंस ने विदेशी एजेन्टो की और से प्रदेश में की जाने वाली सम्भावित राष्ट्र विरोधी एवं विध्वंसकारी गतिविधियों पर निरन्तर निगरानी रखी जा रही है।

इसी निगरानी के दौरान जानकारी में आया कि पल्यू, अल्मोड़ा, उतराखण्ड निवासी महेन्द्र प्रसाद जो कि डीआरडीओ गेस्ट हाउस चांदन फिल्ड फायरिग रेंज जैसलमेर में संविदाकर्मी मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं। जो सोशल मीडिया के माध्यम से पाकिस्तानी खुफिया एंजेसी के सम्पर्क में है तथा चांदन फिल्ड फायरिग रेंज जैसलमेर में मिसाइल व अन्य हथियारों के परीक्षण कार्य के लिए आने वाले डीआरडीओ वैज्ञानिको एवं भारतीय सेना के अधिकारियों के आवागमन से संबंधित गोपनीय सूचनाएं पाक हैण्डलर को उपलब्ध करवा रहा है।

जिस पर संदिग्ध महेन्द्र प्रसाद से केन्द्रीय पूछताछ केन्द्र जयपुर पर विभिन्न आसूचना एंजेसियों द्वारा संयुक्त रूप से पूछताछ करने एवं उसके मोबाईल फोन का तकनीकी परीक्षण करवाये जाने पर उसके द्वारा डीआरडीओ व भारतीय सेना से संबंधित संवेदनशील सूचनाएं पाक हैण्डलर को उपलब्ध करवाना पाया गया।

जिस पर संदिग्ध महेन्द्र प्रसाद के विरुद्ध शासकीय गुप्त बातअधिनियम 1923 के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर सीआईडी इन्टेलीजेन्स राजस्थान द्वारा जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया गया हैं।

खाजूवाला के पास भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर 8.50 करोड़ की ड्रग्स मिली

ये ड्रग्स का पैकेट बंदरी पोस्ट के पास फेंका गया है, यहां से पाक बॉर्डर 130 किमी की दूरी पर है

बीकानेर, (निसं)। पाकिस्तानी तस्करों की ओर से लगातार इंटरनेशनल बॉर्डर पर ड्रग्स भेजी जा रही है। बीती रात को भी बीकानेर के खाजूवाला से सटे भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर 8.50 करोड़ की ड्रग्स भेजी गई है। ये ड्रग्स का पैकेट बंदरी पोस्ट के पास फेंका गया है। यहां से पाकिस्तान बॉर्डर महज 130 किलोमीटर की दूरी पर है। बताया जा रहा है कि दो साल पहले इसी पोस्ट पर 300 करोड़ की ड्रग पकड़ी गई थी। वहीं इसी पोस्ट पर 14 अगस्त को सीएम भजनलाल शर्मा भी पहुंचने वाले हैं। इधर, मंगलवार सुबह खाजूवाला पुलिस

■ **बताया जा रहा है कि दो साल पहले इसी पोस्ट पर 300 करोड़ की ड्रग पकड़ी गई थी, इसी पोस्ट पर 14 अगस्त को सीएम भजनलाल शर्मा भी पहुंचने वाले हैं**

बीएसएफ के डिप्टी कमांडेंट महेश कुमार जाट ने बताया कि बीएसएफ इंटेलिजेंस को सूचना मिली थी कि भारतीय सीमा में पाकिस्तान की ओर से ड्रग की बड़ी खेप भेजी जा रही है। ऐसे में पूरे एरिया का सर्वे किया। इस सर्वे में बीएसएफ के 96वीं बटालियन और जी ब्रांच के अधिकारी शामिल थे। सर्च के दौरान बंदरी पोस्ट पर कीचड़ में पीले रंग का पैकेट मिला। इसे जब खोला गया तो इसमें 1.655 किलो ड्रग मिली। इस पैकेट को 6 अलग-अलग लेयर में पैक किया हुआ था। इसी पोस्ट पर दो साल पहले तत्कालीन डीआईजी पुष्पेंद्र सिंह के नेतृत्व में बीएसएफ ने तीन सौ करोड़ रुपए की हेरोइन बरामद की थी, जो अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई थी।

बीएसएफ ने इसके बाद ही इस क्षेत्र में सख्ती बढ़ा दी थी। इधर, जिस पोस्ट पर ये हेरोइन बरामद हुई है, इसी के आगे आगे कोड़ेवाला पोस्ट पर 14 अगस्त को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आ रहे हैं। वे यहां बीएसएफ जवानों से संवाद करेंगे। मुख्यमंत्री की यात्रा के कारण भी क्षेत्र में सर्च अभियान तेजी से चल रहा था। बीएसएफ की इस कार्रवाई के बाद अब खाजूवाला पुलिस भी सर्च अभियान चला रही है। मुख्यमंत्री के दौरे के कारण पुलिस यहां दो दिन से सक्रिय है। इस कार्रवाई के बाद बीएसएफ डीआईजी अजय लूथरा ने आईजी हेमंत शर्मा और एसपी कावेंद्र सिंह सागर को सूचना दी थी। इसके बाद खाजूवाला पुलिस मौके पर पहुंच गई है। जब्ती की कार्रवाई पुलिस के माध्यम से की जा रही है। वहीं पाकिस्तान की ओर से आ रही ड्रग के बाद बीएसएफ ने पिछले कुछ सालों में सीमावर्ती गांवों में रहने वाले युवाओं को भी जागरूक किया है। उन्हें बताया जा रहा है कि किस तरह से पाकिस्तान हमारे यहां नशीली सामग्री भेज रहा है। संदिग्ध लोगों पर किस तरह से नजर रखनी चाहिए। इसी का नतीजा है कि बीएसएफ की इंटेलीजेंस को मजबूती मिली है।

कुएं में गिरा बच्चा, मौत

उदयपुर, (का.सं.)। उदयपुर के सायरा थाना क्षेत्र में सीताफल तोड़ने पेड़ पर चढ़े चार साल के बच्चे की मौत हो गई। पेड़ की टहनी टूटने पर बच्चा कुएं में गिर गया था। काफी देर तक घर नहीं पहुंचने पर परिजन पहुंचे। तब हादसे का पता चला।

पुलिस के अनुसार बच्चा भील बस्ती में रहने वाला दिनेश (4) पुत्र सुरेश निवासी सायरा था। परिजन और आस.पास के लोग तलाशते हुए कुएं तक पहुंचे थे। परिजनों ने उसे निकालने की काफी मशक्कत की लेकिन सफलता नहीं मिली। ऐसे में रात करीब 10:30 बजे नागरिक सुरक्षा विभाग की टीम को मौके पर बुलाया गया। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद बच्चे का शव बाहर निकाला गया और सायरा थाना पुलिस को सुपुर्द किया। बच्चे के पिता मजदूरी करते हैं। रेस्क्यू टीम में गोताखोर मनोज, विजय नकवाल, दिनेश गमेती बचाव कर्मी प्रकाश राठौड़,भवानी शंकर और वाहन चालक कैलाश मेनारिया शामिल थे।

कार्यालय नगर पालिका, इन्द्रगढ़ जिला बून्दी (राज.)

क्रमांक : न.पा.ई./2025–26/1935 दिनांक : 11.08.2025

NOTICE INVITING BIDS

Bid for Nagar Palika Indragarh of Procurement are Invited from Interested Bidders Up to 11.00 AM , 11.08.2025 To 26.08.2025. Other particulars of the Bid Any be Visited on the Procurement Portal (http://sppp.raj.nic.in) or (www.gem.gov.in) of the State, and local self Departmental Website.

NIB Code :- DLB2526A4603

UBN :- 1. DLB2526SLRC14292
2. DLB2526SLRC14293

अध्यक्ष नगर पालिका इन्द्रगढ़ — अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका इन्द्रगढ़

राज.संवाद/सी/25/8049

कार्यालय नगर परिषद बारां (राज.)

E-Mail : nagarpalikabaran@gmail.com स्टेशन रोड, बारां Phone : 07453-230106

क्रमांक : नपबा/निर्माण/2025/3705–07 दिनांक : 08.08.2025

ई–टेण्डर सूचना संख्या : निर्माण 39/2025–26

नगर परिषद बारां द्वारा राजस्थान सरकार के अभियांत्रिकी विभागो में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत इलैक्ट्रीकल संवेदको अथवा पीडब्ल्यूएफएआर रूल्स के अन्तर्गत पात्र संवेदको से एलईड़ी स्ट्रीट लाईट सप्लाई कार्य के लिये निर्धारित प्रपत्र में ऑनलाईन निविदा आमन्त्रित की जाती है। संवेदक निविदा प्रपत्र व विवरण पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखें। कार्य की लागत 24.04 लाख रूपये है तथा UBN No. DLB2526WSOB14101 है।

आयुक्त नगर परिषद बारां

राज.संवाद/सी/25/7971

हजारों बोरी नकली उर्वरक बरामद

बीकानेर, (निसं)। कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा के निर्देश पर बीकानेर में नकली उर्वरक निर्माण के खिलाफ सघन कार्रवाई की गई। शोभासर रोड स्थित एक जिप्सम इकाई परिसर में छापेमारी कर कृषि विभाग और पुलिस ने संयुक्त रूप से हजारों बोरी नकली खाद बनाने का सामान, 11 हजार से ज्यादा खाली पैकिंग कट्टे, उर्वरक के कच्चे माल व तैयार माल जब्त कर फैक्ट्री सील कर दी।

कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक कैलाश चौधरी ने बताया कि देर रात शोभासर रोड पर स्थित एक जिप्सम इकाई परिसर पर दबिश दी। प्रारंभिक जांच में पता चला कि यहां बड़े पैमाने पर नकली उर्वरक तैयार कर पैकिंग की जा रही थी, जिसे बाजार में असली उर्वरक के नाम पर बेचा जाना था। परिसर से विभिन्न कंपनियों नर्मदा बॉयोकेम, सिमग्रो जीएमबीएच, भारत एमओपी, नीलकंठ रॉक मिनरल इंडस्ट्रीज, सोलिटेयर पेस्टिसाइड, अमरावती एग्रो कॉर्पोरेशन आदि के नाम और लोगो वाले 11 हजार से ज्यादा खाली कट्टे भी मिले, जो नकली उर्वरक पैक करने के लिए तैयार रखे गए थे। इसके अलावा, गोबर की खाद, जिप्सम, मुल्तानी मिट्टी, पैकिंग मशीनें और अमेजन के खाली कार्टून भी मिले। उर्वरकों के तीन नमूने लेकर प्रयोगशाला भेजे गए हैं।

कार की टक्कर से पुलिस की वैन पलटी, सात पुलिसकर्मियों समेत 11 जने घायल

टक्कर के बाद कार में आग लगी, तीन लाख कैश और गोल्ड भी आग में जल गया

अलवर, (निसं)। दिल्ली-मुंबई सुपर एक्सप्रेस वे पर मंगलवार सुबह करीब सात बजे पीछे से कार ने आगे चल रही पुलिस वैन को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद कार में आग लग गई, जिससे वह जलकर राख हो गई। वहीं वैन में सवार डीग पुलिस के सभी सात जवान गंभीर घायल हो गए। वहीं कार में सवार सात में से चार लोग घायल हुए हैं। हादसे में कार में रखे तीन लाख रुपए और सोना भी जलकर राख हो गया। कार में पति-पत्नी व साली सहित एक ही परिवार के 7 लोग थे, जिनमें से तीन को ज्यादा चोटें लगी हैं, वहीं 3 बच्चों को चोट नहीं आई है। घायलों का जिला अस्पताल में इलाज जारी है। वहीं पुलिस जवान विकास को अलवर से जयपुर रेफर कर दिया। डीग से पुलिस टीम एक मुल्जिम को लेने सेलावास दौसा थाने जा रही थी।

■ **दिल्ली-मुंबई सुपर एक्सप्रेस वे पर कार ने आगे चल रही पुलिस वैन को टक्कर मार दी थी**

■ **डीग से पुलिस टीम एक मुल्जिम को लेने सेलावास दौसा थाने जा रही थी, रास्ते में हादसा हुआ**

दिल्ली-मुंबई सुपर एक्सप्रेस वे पर हुये हादसे के बाद कार पूरी तरह जल गई।

जानकारी के अनुसार वैन में पुलिसकर्मी लक्ष्मण सिंह (40), विकास जाट, दुलीचंद (35), लोकेश यादव (30), सरदार सिंह (50) थे। इनकी वैन को पीछे से तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी, जिसके कारण वैन पलट गई और कार में आग लग गई। कार पूरी तरह से जल गई, लेकिन कार में सवार लोगों को बाहर निकाल लिया गया। वहीं कार में गुलफाम (30), पत्नी हीना (28) के अलावा इनके चार बच्चे सवार थे। अखलद (10), आहिल (8), विदुदू (6), अब्दुल्ला (4)। गुलफाम की साली साहिल मौजूद थी। ये मुरादाबाद में रहते हैं और जयपुर में रह रहे माता-पति के पास जा रहे थे। अब इनका जिला अस्पताल में इलाज जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार तेज रफ्तार में थी, जिसने वैन को पीछे से टक्कर दी है, जिससे चार पुलिसकर्मी सहित आठ लोग हुए घायल हो गए। पहले घायलों को पिनान अस्पताल लेकर जाया गया। वहां से अलवर रेफर कर दिया। दिल्ली से जयपुर जाते समय दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस वे के चैनल नम्बर 120-500 पर हादसा हुआ है।

pwd_bundi@rediffmail.com Ambedkart Cacle, Lanka Gate, Bundi

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सा0नि0वि0, खण्ड-बून्दी

क्रमांक :-962 **निविदा सूचना संख्या 11/2025-26** दिनांक :-1-8-2025

NIB Code:- PWD2526A2387

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से आवासीय सी0जे0 एवं जे0एम0 कोर्ट मे आवश्यक कार्य, आईटीआई बून्दी मे निर्माण कार्य व नरेगा योजनान्तर्गत किए जाने वाले सीसी / इन्टरलोकिंग कार्यों के लिये उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के एए, ए बी, सी, डी श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेंगी। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.dipronline.org व http://www.pwd.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा अपलोड करने की तारीख 15.08.2025 से 30.08.2025 को सायं 6:00 बजे तक।

Sr.No.	UBN No.	Sr.No.	UBN No.
1	(PWD 2526WSOBO8788)	6	(PWD 2526WSOBO8796)
2	(PWD 2526WSOBO8790)	7	(PWD 2526WSOBO8797)
3	(PWD 2526WSOBO8793)	8	(PWD 2526WSOBO8798)
4	(PWD 2526WSOBO8794)	9	(PWD 2526WSOBO8799)
5	(PWD 2526WSOBO8795)		

(शेखर चन्द मीना) अधिशाषी अभियन्ता सा0नि0वि0, खण्ड बून्दी

DIPR/C/11253/2025

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान

No. :- F-2(01)Acct/Contract/2025-26/114 - 116 Date : 31/07/2025

ई-निविदा सूचना संख्या : 30/2025-26

उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई–टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :–

निविदा कार्यो की कुल लागत	:	रूपये 266.55 लाख (07 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड / अपलोड करने की अवधि	:	02.08.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 18.08.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	:	02.08.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 18.08.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	:	19.08.2025 को प्रातः 11:00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN No. : ITU2526WSOB00198 To ITU2526WSOB00204

अधिशाषी अभियन्ता - प्रथम उदयपुर विकास प्राधिकरण

राज.संवाद/सी/25/8014

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

प्रभास्मि शशि सूर्ययोः

रजि. ऑफिस.- विद्युत भवन, ज्योति नगर, जयपुर-302005

Website : http://energy.rajasthan.gov.org/jvvnl, कार्यालय मुख्य अभियन्ता (कोटा संभाग)

नयापुरा पॉवर हाऊस, खाई रोड़, कोटा- 324001, दूरभाष नं. 0744- 2320881, 2450066, ईमेल :- zcekz@jvvnl.org

ई - निविदा सूचना

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड में निम्न कार्य हेतु दो भागों में ई–निविदा (तकनीकी–वाणिज्यिक) एआरसी 2023 पर योग्य निविदादाताओं से श्रम दर पर आमंत्रित किये जाते है। बूंदी वृत में उपखण्ड सहायक अभियन्ता (अ–द्वितीय), बून्दी के अन्तर्गत 33/11 केवी किशनपुरा सब स्टेशन के निर्माण कार्य व संबंधित 33 केवी लाईन व 11 केवी इंटरकनेक्शन के कार्य करने हेतु (टीएन–24/2025–26) (UBN:VN2526WSOB00318), सहायक अभियन्ता (अ–द्वितीय), बून्दी के अन्तर्गत 33/11 केवी रिहाना सब स्टेशन के निर्माण कार्य व संबंधित 33 केवी लाईन व 11 केवी इंटरकनेक्शन के कार्य करने हेतु (टीएन–25/2025–26) (UBN:VVN2526WSOB00319), बारां वृत में सहायक अभियन्ता (पवस) किशनगंज के अन्तर्गत 33/11 केवी बंसथूनी सब स्टेशन व इसके अंतर्गत 33 केवी लाईन व 11 केवी इंटरकनेक्शन के निर्माण कार्य करने हेतु (टीएन–26/2025–26) (UBN:VVN2526WSOB00320), सहायक अभियन्ता (पवस–।।), अटरू के अन्तर्गत 33/11 केवी बानपुर (नानावतां) सब स्टेशन व इसके अंतर्गत 33 केवी लाईन व 11 केवी इंटरकनेक्शन के निर्माण कार्य करने हेतु (टीएन–27/2025–26) (UBNVN2526WSOB00321), सहायक अभियन्ता (पवस), छबड़ा के अन्तर्गत 33/11 केवी कटिखंडि सब स्टेशन व इसके अंतर्गत 33 केवी लाईन व 11 केवी इंटरकनेक्शन के निर्माण कार्य करने हेतु (टीएन–28/2025–26) (UBN : VVN2526WSOB00322), सहायक अभियन्ता (पवस–।), बारां के अन्तर्गत 33/11 केवी बरड़िया बालाजी सब स्टेशन व इसके अंतर्गत 33 केवी लाईन व 11 केवी इंटरकनेक्शन के निर्माण कार्य करने हेतु (टीएन–29/2025–26) (UBN:VVN2526WSOB00323), सहायक अभियन्ता (पवस), छबड़ा के अन्तर्गत 33/11 केवी बिलखेड़ा सब स्टेशन व इसके अंतर्गत 33 केवी व 11 केवी लाईन के निर्माण कार्य करने हेतु (टीएन–30/2025–26) (UBN:VVN2526WSOB00324), कोटा वृत में सहायक अभियन्ता (पवस), सांगोद के अन्तर्गत 33/11 केवी अमृतकुवां सब स्टेशन व इसके अंतर्गत 33 केवी व 11 केवी लाईन के निर्माण कार्य करने हेतु (टीएन–31/2025–26) (UBN:VN2526WSOB00325) सहायक अभियन्ता (एचटीएम–डीडी), कोटा के अन्तर्गत 33/11 केवी पाचड़ा सब स्टेशन व इसके अंतर्गत 33 केवी व 11 केवी लाईन के निर्माण कार्य करने हेतु (टीएन–32/2025–26) (UBN:VVN2526WSOB00326) योग्य निविदादाता सम्पूर्ण निविदा सम्बन्धित दस्तावेज ई–प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल **http://www.eproc.rajasthan.gov.in** पर दिनांक 13.08.2025 से डाउनलोड कर सकते है। निविदाऐं ऑनलाईन ई–पोर्टल पर दिनांक 25.08.2025 को सांय 05:00 बजे तक ही स्वीकार की जावेगी। निविदा सम्बन्धी जानकारी, कार्य का विवरण इत्यादि जयपुर विद्युत वितरण निगम की वेबसाईट **http://energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, http://www.sppp.rajasthan.gov.in & http://www.eproc.rajasthan.gov.in** से प्राप्त की जा सकती है।

राज.संवाद/सी/25/8003 जेपीआर - 3045 (2025) संभागीय मुख्य अभियंता (कोटा संभाग)

बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

फायरिंग कर हमला करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। इटावा पुलिस टीम ने देशी कट्टे से फायरिंग कर जानलेवा हमले के दर्ज मामले में कार्यवाही करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कोटा ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि पुरानी रंजिश को लेकर रामावतार उर्फ गोलू मीणा ने अपने साथी अजय मीणा के साथ मिलकर 8 जुलाई को फरियादी लवकुमार मीणा व उसके साथियों पर देशी कट्टे से जानलेवा हमला कर मौके से फरार हो गये थे। ग्रामीण एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया, हमलावरों की तलाश के लिये ग्रामीण अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकल्याण मीणा के निर्देशन में पुलिस उप अधीक्षक इटावा शिवम जोशी के सुपरविजन में इटावा थानाधिकारी संदीप विश्नोई के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि गठित टीम ने मुखबीर की सूचना पर फायरिंग कर जानलेवा हमला करने के आरोपी रामपुरा भगतान निवासी रामावतार उर्फ गोलू (20) एवं अजय (19) को गिरफ्तार कर लिया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि फायरिंग के पीछे मामले में सामने आया कि फरियादी लवकुमार मीणा व आरोपी रामावतार उर्फ गोलू मीणा के बीच जनवरी महीने में फुसोद माताजी भण्डारे के दिन ग्राम रोहिली में हुए झगड़े को लेकर रंजिश चल रही थी, जिसको लेकर फरियादी व आरोपी के बीच फोन पर भी कहासुनी हुई। इसी रंजिश को लेकर आरोपियों ने फरियादी पर देशी कट्टे से जानलेवा हमला किया था। पकड़े गये आरोपियों से अनुसंधान जारी है।

बिजली विभाग के कर्मचारी की करंट लगने से मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के करेडा उपखंड क्षेत्र की बेमाली ग्राम पंचायत के धनकपुरा गांव में बिजली विभाग के एक कर्मचारी की करंट लगने से मौत हो गई। मृतक की पहचान राजमल गाडरी के रूप में हुई है जो एक बिजली के खंभे पर फाल्ट ठीक कर रहा था। बताया गया है कि उसने काम शुरू करने से पहले शटडाउन लिया था, लेकिन अचानक किसी कारण से बिजली की सप्लाई फिर से चालू हो गई, जिससे उसे करंट लग गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। इस घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण और परिजन आक्रोशित हो गए। उन्होंने मृतक के शव को लेने से इनकार कर दिया और मुआवजे की मांग को लेकर विरोध-प्रदर्शन शुरू कर दिया। लगभग पांच घंटे तक चले इस विरोध प्रदर्शन के बाद, प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस की समझाइश से मामला शांत हुआ।

■ **बताया गया है कि उसने काम शुरू करने से पहले शटडाउन लिया था, लेकिन अचानक किसी कारण से बिजली की सप्लाई फिर से चालू हो गई**

आक्रोशित ग्रामीण और परिजनों ने मांगों को लेकर प्रदर्शन किया।

प्रशासन और परिजनों के बीच लंबी बातचीत के बाद कई मांगों पर सहमति बनी। मृतक के परिवार को 20 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाएगा और परिवार के एक सदस्य को संविदा पर नौकरी मिलेगी। इसके अलावा, मृतक की पत्नी को हर महीने 6000 रुपए की पेंशन और बच्चों को 18 वर्ष की आयु तक हर महीने 5000 रुपए की पेंशन दी जाएगी। परिवार को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत एक मकान भी मिलेगा। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि इस घटना में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारी को निलंबित किया जाएगा। मौके पर उपखंड अधिकारी जोगेंद्र सिंह, पुलिस उपाधीक्षक ओमप्रकाश सोलंकी, बिजली विभाग के अधीक्षण अभियंता आरपी मीणा और अन्य प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस बल मौजूद था। दुखद घटना के बाद, कई भामाशाहों ने मृतक के परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान की है। पंचायत समिति सदस्य प्रकाश कुमार ने मृतक के बच्चों की कक्षा 12वीं तक की पढ़ाई का खर्च उठाने की जिम्मेदारी ली है। प्रशासन की समझाइश और इन आश्वासनों के बाद ही परिजनों ने मृतक के शव को स्वीकार किया।

कार्यालय अति. जिला परियोजना समन्वयक, समग्र शिक्षा, जैसलमेर

पता - एसबीआईबैंक, शिवरोड़ के पीछे, महात्मा गाँधी राजकीय विद्यालय वार्ड नं. 16, डिब्बा पाड़ा, जैसलमेर

Phone no. 02992-255287, E-Mail - adpcrmsajaisalmer@gmail.com

क्रमांक :- अजिपस/सशि/जैसल/निविदा/2025-26/RAJKAJ Ref. 17097493 दिनांक :- 10/08/2025

कार्यालय आदेश

इस कार्यालय के आदेश क्रमांक 396 दिनांक 01.08.2025 निविदा 03/25-26 UBN No. RSE2526SLOB00478 द्वारा पीएमश्री राजकीय विद्यालयों की बाल वाटिकाओं की बाल वाटिकाओं में मैन पावर लगाए जाने हेतु पंजीकृत निविदादाताओं / फर्मों से मोहरबंद लिफाफे में दिनांक 11.08.2025 तक निविदाएं आमंत्रित की गई थी है।

अपरिहार्य कारणों से निविदा की तिथि में वृद्धिकर अंतिम तिथि 18.08.2025 दोपहर 12:00 बजे तक की जाती है। बिड डाक्यूमेंन्ट व डी.डी. दिनांक 18.08.2025 दोपहर 02:00 बजे तक कार्यालय में जमा की जाएगी।

निविदा संख्या - 03/25-26

अति. जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा, जैसलमेर

राज.संवाद/सी/25/8024

जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

बाड़मेर -344001, दूरभाष :- 02982-220674

अल्पकालिक ई-निविदा सूचना

अन्य विवरण जैसे निविदा मुलय, धरोहर राशि, निविदा प्रस्तुत करने/खुलने की तिथि का विवरण इत्यादि वेबसाईट www.energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl एवं www.eproc.rajasthan.gov.in द्वारा जानी जा सकती है। निविदाकर्ताओं को उनके स्वयं के हित में सलाह दी जाती है की ऑन लाईन पर निविदा डालने से पहले निविदा दस्तावेजों का सावधानी पूर्वक अध्ययन कर ले।

सुचारू भविष्य में इन निविदाओं से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन तिथि बढने की जानकारी आदि केवल वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in, energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl पर उपलब्ध करायी जायेगी।

TN	Works	UBN No.
TN-20	('ए) सनावड़ा के लिए 33/11 केवी सब स्टेशन का निर्माण, (बी) नवनिर्मित 33/11 केवी जीएसएस सनावड़ा के लिए 10 किमी सिंगल सर्किट 33 केवी लाइन का निर्माण (सी) जैसलमेर वृत्त के अंतर्गत सब डिवीजन पोकरण में सनावड़ा जीएसएस के लिए इंटरकनेक्शन के लिए 4.4 किमी 11 केवी लाइन का निर्माण श्रम दर के आधार पर -2025	JVV2526 WSOE00375
TN-21	('ए) कंवला के लिए 33/11 केवी सब स्टेशन का निर्माण, (बी) नवनिर्मित 33/11 केवी जीएसएस कंवला के लिए 9.0 किमी सिंगल सर्किट 33 केवी लाइन का निर्माण (सी) जालोर वृत्त के अंतर्गत सब डिवीजन उम्मेदपुर में कंवला जीएसएस के लिए इंटरकनेक्शन के लिए 10.5 किमी 11 केवी लाइन का निर्माण श्रम दर के आधार पर -2025	JVV2526 WSOE00376

राज.संवाद/सी/25/8011 संभागीय मुख्य अभियन्ता (बाड़मेर-संभाग)

बिजली संबंधी शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6045

अस्पताल में मरीज की मौत के बाद परिजनों का हंगामा

कोटा, (निसं)। न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती एक मरीज की उपचार के दौरान मौत हो गई, जिसके बाद मरीज के परिजनों ने आईसीयू स्टॉफ पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा कर दिया। अस्पताल में हंगामे की सूचना पर अस्पताल अधीक्षक व पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों से समझाइश की। मृतक के परिजन आईसीयू स्टॉफ के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग को लेकर हंगाम करते रहे।

जानकारी के अनुसार डीसीएम के सूरसागर निवासी करन बघेल (22) को सांस में तकलीफ होने की शिकायत पर परिजनों ने उपचार के लिये न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया था,। जहां उसकी हालत ओर बिगड़ती देख मरीज को अस्पताल के आईसीयू वार्ड में शिफ्ट किया। अस्पताल में उपचार के दौरान मंगलवार सुबह मरीज की मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने आईसीयू स्टॉफ पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया।

■ **मरीज के परिजनों ने आईसीयू स्टॉफ पर लापरवाही का आरोप लगाया**

पुलिस उपअधीक्षक मनीष शर्मा ने बताया कि सूरसागर निवासी करन बघेल को परिजनों ने उपचार के लिये सोमवार को न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां मरीज की मंगलवार को उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस उपअधीक्षक ने बताया कि मृतक के परिजनों ने अस्पताल के आईसीयू स्टॉफ के खिलाफ लापरवाही की शिकायत दी है। मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। परिजनों की शिकायत पर मामले की जांच की जा रही है।

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत

बाइक और ट्रक की आमने-सामने टक्कर हो गई थी

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के आसींद थाना विधानसभा क्षेत्र के शंभूगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत नेशनल हाइवे-148 डी पर अंटाली के पास मंगलवार को एक भीषण सड़क हादसे में एक बाइक सवार व्यक्ति की मौत हो गई। यह दुर्घटना तब हुई जब एक बाइक और ट्रक की आमने-सामने की टक्कर हो गई।

शंभूगढ़ थाने के एएसआई राजेंद्र सिंह ने बताया कि सड़क दुर्घटना की सूचना मिली। इसके बाद मौके पर जाकर देखा तो व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई थी। वहीं आसपास पहचान हुई तो प्रेमचंद (46) पिता देवी लाल रेगर निवासी खारी का लांबा के रूप में हुई। मृतक प्रेम चंद को अटाली के पास खेत पर जाते समय ट्रेलर ने चपेट में ले लिया जिससे मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर शव का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सुपुर्द किया। पुलिस ने बताया कि मृतक प्रेम चंद रैगर खारी का लांबा गुलाबपुरा का निवासी है। रोजाना वहीं से अटाली गांव के पास खेत सिजारी पर ले रखा था। रोजाना यहां कृषि कार्य करने आता था। मंगलवार को सुबह लगभग 10 बजे शंभूगढ़ की ओर से आ रहे ट्रेलर ने चपेट में ले लिया, जिससे मौके पर ही मौत हो गई। एंबुलेंस से शव को गुलाबपुरा मोर्चरी में रखवाया एवं परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर शव का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सुपुर्द किया।

राजस्थान सरकार

निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर

क्रमांक निदे/अ.ख.अ.नीलामी/निलामी (ML 07)/2025/ई – 12181

ई–नीलामी विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली, 2017 के अध्याय–III के तहत निम्नांकित प्लॉटो के आंवटन ई–नीलामी के माध्यम से किये जाने हेतु इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर बोली आमंत्रित की जाती है। संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है:–

जिला	तहसील	राजस्व ग्राम	खनिज का नाम	कुल प्लॉट
अजमेर	किशनगढ़	चुरली	मेसेनरी स्टोन	5
	नसीराबाद	मण्डियानी	ग्रेनाइट	3
	पुष्कर	कंवलई	मार्बल, डोलोमाईट	11
	भिनाय	बांदनवाड़ा	मेसेनरी स्टोन	7
	रूपनगढ़	खाजपुरा	मेसेनरी स्टोन	5
डूंगरपुर	दोवडा	कहारी डोलवर	मेसेनरी स्टोन	2
			मेसेनरी स्टोन (एम-सेण्ड हेतु)	2
चितोडगढ	निम्बाहेडा	गढवाडा	मेसेनरी स्टोन (एम-सेण्ड हेतु)	3
जयपुर	जालसू	दादरबावडी	मेसेनरी स्टोन	1
	मौजमाबाद	पालुकला	मेसेनरी स्टोन (एम-सेण्ड हेतु)	1
	जोबनेर	आसलपुर	मेसेनरी स्टोन	2
जैसलमेर	जैसलमेर	पारेवर	सिलिका सैण्ड	29
नागौर	मूण्डवा	बूनरावता	मेसेनरी स्टोन	1
	मेडता	ताडो की ढाणी	मेसेनरी स्टोन	10
बांसवाड़ा	छोटी सरवन	कटुम्बी	मेसेनरी स्टोन	5
			मेसेनरी स्टोन (एम-सेण्ड हेतु)	1
बाड़मेर	बाड़मेर	उण्डखा	मेसेनरी स्टोन	13
बून्दी	तालेड़ा	लाम्बाखोह	सैण्ड स्टोन	9
ब्यावर	ब्यावर	सारोठ	मार्बल, मेसेनरी स्टोन, फिलाईट-शिष्ट	3
राजसमंद	देवगढ़	कोटड़ा	ग्रेनाइट	2
सिरोही	रेवदर	नागणी	ग्रेनाइट	1
	सिरोही	करजाल	एम-सेण्ड के निर्माण हेतु ऑवरबर्डन डंप के परमिट	1
		सनपुर	एम-सेण्ड के निर्माण हेतु ऑवरबर्डन डंप के परमिट	1
सीकर	खंडेला	कोटड़ी लुहारवास	मेसेनरी स्टोन	5
कुल प्लॉट				123

विशेष नोट:–

1 प्लॉटों का विस्तृत विवरण, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण, ई–ऑक्शन की शर्ते विभागीय वेबसाइट www.mines.rajasthan.gov.in एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म प्रदाता कंपनी RailTel की वेबसाइट https://rajminorblocks.enivida.com पर उपलब्ध हैं।

(दीपक तंवर) निदेशक

DIPR/C/11177/2025

मोदी सरकार ने राजस्थान रेलवे के विकास के लिए 9960 करोड़ रु. दिए : मदन राठौड़

'प्रधानमंत्री मोदी ने मार्च 2025 तक राजस्थान में 43918 करोड़ रुपए की लागत से 3409 किलोमीटर लंबाई की 28 रेल परियोजनाओं को किया स्वीकृत'

जयपुर । राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने राजस्थान रेलवे के विकास के लिए 9960 करोड़ रु. दिए है, जो कि यूपीए सरकार से करीब 15 गुणा ज्यादा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2009 से 14 के दौरान राजस्थान को रेलवे परियोजनाओं के लिए मात्र 682 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष का बजट आवंटित हुआ था, जबकि मोदी सरकार के कार्यकाल में राजस्थान को मिलने वाले रेल बजट में करीबन 15गुणा बढ़ोतरी हुई। वर्ष 2025-26 में राजस्थान रेल परियोजनाओं के लिए 9,960 करोड़ रुपए का बजट स्वीकृत किया गया। यह परिवर्तन केवल आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि यह पीएम मोदी सरकार के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' की नीति का जीता-जागता उदाहरण है। सांसद मदन राठौड़ के सवाल के जवाब में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सदन को जानकारी दी।

■ **नई रेल लाइनें डलने से जयपुर, अजमेर, उदयपुर व जोधपुर अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन और व्यापार के हब बनेंगे : भाजपा प्रदेशाध्यक्ष**

मदन राठौड़ ने बताया कि रेलवे लाइनों के विस्तार में भी क्रांतिकारी बदलाव देखने को मिला है। वर्ष 2009-14 के दौरान जहां मात्र 798 किमी लाइन का कमीशनिंग हुआ, वहीं 2014-25 की अवधि में यह बढ़कर 3,815 किमी तक पहुंच गया, यानी औसतन कमीशनिंग दर दो गुना से अधिक हुई है। 1 अप्रैल 2025 तक राजस्थान में 28 बड़ी परियोजनाएं (13 नई लाइनें, 5 आमान परिवर्तन, 10 दोहरीकरण) विभिन्न चरणों में हैं, जिनकी कुल लंबाई 3,409 किमी और कुल लागत 43,918 करोड़ है। इनमें से 1,238 किमी का कार्य पूरा कर लिया गया है और 18,955 करोड़ का निवेश पहले ही हो चुका है।

राठौड़ ने बताया कि राजस्थान में पूर्ण हुई परियोजनाओं में सूरतपुरा-श्रीगंगानगर, सादलपुर-बीकानेर-रतनगढ़-डेगाना आमान परिवर्तन, जयपुर-रींगस-सीकर-चूरू एवं सीकर-लोहारू समेत अनेक महत्वपूर्ण दोहरीकरण कार्य शामिल हैं। हाल में शुरू हुई परियोजनाओं में पुष्कर-मेडता, तरंगा हिल-आबू रोड, रामगंज मंडी-भोपाल, नीमच-बड़ी सादड़ी, ग्वालियर-श्योपुर कलां (कोटा विस्तार सहित), धौलपुर-सरमथुरा (गंगापुर सिटी विस्तार सहित), मथुरा-झांसी तृतीय लाइन, मावली-देवगढ़ मदारिया गेज परिवर्तन, मारवाड बाई पास लाइन और चूरू-सादुलपुर एवं लूणी-भीलड़ी दोहरीकरण जैसी मेगा परियोजनाएं शामिल हैं। रेल कनेक्टिविटी को एक नए मुकाम तक ले जाने के लिए पिछले तीन वर्षों और वर्तमान वित्तीय वर्ष में कुल 55 नई परियोजनाओं के सर्वेक्षण को स्वीकृति दी गई है, जो 5,497 किमी लंबाई तक फैली हैं। इनमें अनूपगढ़-बीकानेर (खाजूवाला शाखा सहित), जैसलमेर-भाभर, खाजूवाला-जैसलमेर और रींगस-लोहारू दोहरीकरण जैसी रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण परियोजनाएं हैं। यह सभी परियोजनाएं उत्तर पश्चिम रेलवे, उत्तर रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे, पश्चिम मध्य रेलवे और पश्चिम रेलवे ज़ोन के अंतर्गत संचालित हो रही हैं।

देवस्थान विभाग करेगा धर्मशालाओं का निर्माण

जयपुर । प्रदेश के प्रमुख धार्मिक स्थलों पर आने वाले तीर्थ यात्रियों के ठहरने के लिए देवस्थान विभाग और अधिक सुविधाओं को विकसित करेगा। इसके लिए विभाग की पूर्व में संचालित धर्मशालाओं व्यापक स्तर पर कार्ययोजना बना रहा है। इसके तहत पुरानी धर्मशालाओं में सुविधाएं तो विकसित की जाएंगी साथ ही प्रमुख धार्मिक स्थलों पर अत्याधुनिक नई धर्मशालाओं का भी निर्माण किया जाएगा। इसके लिए देवस्थान विभाग अपनी नीति में संशोधन करेगा। इस संबंध में शासन सचिवालय में मंगलवार को देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत की अध्यक्षता में हुई विभाग की समीक्षा बैठक में कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा के बाद सहमति हुई। बैठक में पूर्व संचालित धर्मशालाओं के किराए में बढोतरी करने व बीओटी (बिल्ड ऑपरेट ट्रांसफर) के तहत नई धर्मशालाओं के निर्माण के लिए नई नीति बनाने का निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की बजट घोषणा की क्रियान्विति को लेकर देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए।

सार-समाचार

एड्स के प्रति जागरूकता सेमीनार

जयपुर। अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर राजस्थान स्टेट एड्स कंट्रोल सोसायटी द्वारा राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन ओटीएस स्थित भगवत सिंह मेहता सभागार में किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न महाविद्यालयों में संचालित रेड रिबन क्लब के सदस्यों, सरकारी व गैर सरकारी संस्थाओं के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में इंटेंसिफाइड आईईसी कैम्पेन का शुभारंभ किया गया। साथ ही नुक्कड़ नाटक एवं अन्य रोचक प्रस्तुतियों के द्वारा एचआईवी एड्स के प्रति जागरूकता का संदेश युवाओं को दिया गया। राजस्थान स्टेट एड्स कंट्रोल सोसायटी के परियोजना निदेशक शाहीन अली खान ने कहा कि देश के युवाओं को सही मार्गदर्शन मिले, इसी उद्देश्य से प्रदेश में अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर इंटेंसिफाइड आईईसी कैम्पेन का शुभारंभ किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत विशेषकर युवाओं तक एचआईवी/एड्स की जानकारी पहुंचाने के लिए जांच व परामर्श की सुविधा एवं कैंप का आयोजन, फ्लेश मॉब, रैली, डोर-टू-डोर कैम्पेन, सरकारी व गैर सरकारी महाविद्यालयों में एचआईवी/एड्स पर जागरूकता सत्रों का आयोजन, ग्राम स्तर पर मीटिंग के साथ कला जत्था गतिविधियां, सोशल मीडिया पर जागरूकता संदेश के साथ ही साथ राजकीय अस्पतालों में विशेष कैंपों का आयोजन किया जाएगा। यह अभियान 2 माह तक चलेगा। संयुक्त निदेशक, आईईसी डॉ. प्रदीप चौधरी ने कहा कि युवाओं को एचआईवी एवं यौन व प्रजनन स्वास्थ्य की जानकारी हेतु राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में रेड रिबन क्लबों की स्थापना कर समग्र शिक्षा के लिए उनका क्षमतावर्धन किया है। आज 755 रेड रिबन क्लबों के माध्यम से महाविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को एचआईवी की जानकारी से लाभान्वित किया जा रहा है।

प्रतिनिधिमंडल ने की सीएम से मुलाकात

जयपुर। अखिल राजस्थान विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (ए.आर.यू.टी.ए.) के अध्यक्ष प्रो. बी.डी. रावत ने बताया कि वरिष्ठ शिक्षकों का एक प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मिला और उन्हें इस विषय में अवगत कराया कि कैरियर उन्नयन योजना (सी.ए.एस.) के अंतर्गत प्रोफेसर पद का लाभ उन शिक्षकों को अब तक नहीं दिया गया है, जिन्हें चयन समिति द्वारा विधिवत चयनित किया गया था तथा जिनका चयन 25 सितम्बर 2021 को सिंडिकेट द्वारा अनुमोदित किया गया था। इन शिक्षकों को वेतन निर्धारण (फिक्सेशन) का लाभ और सेवा की गणना नियुक्ति की प्रारंभिक तिथि से करने का लाभ भी सुप्रीम कोर्ट के 29 नवम्बर 2018 के आदेश के अनुसार नहीं दिया गया है। मुख्यमंत्री ने इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए संबंधित प्रभारी अधिकारी को उच्च शिक्षा विभाग से रिपोर्ट मंगाकर उनके समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए और आश्वासन दिया कि वरिष्ठ शिक्षकों का यह लंबित मुद्दा शीघ्र ही सुलझाया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल ने उनके आवास पर जाकर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। इसके पश्चात प्रतिनिधिमंडल ने राजस्थान सरकार के उच्च शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव कुलदीप रांका से भेंट की और उन्हें भी इस लंबित मुद्दे की जानकारी दी। प्रतिनिधिमंडल ने सुप्रीम कोर्ट के 29/11/2018 के निर्णय के आलोक में, यूजीसी के प्रावधानानुसार विधिवत चयन समिति प्रक्रिया से चयनित तथा सिंडिकेट द्वारा अनुमोदित वरिष्ठ शिक्षकों को सी.ए.एस. प्रोफेसर पद का लाभ देने और वेतन निर्धारण (फिक्सेशन) सहित अन्य लाभ शीघ्र देने का अनुरोध किया। प्रतिनिधिमंडल में प्रो. एम.एस. शर्मा, प्रो. बी.एल. गुप्ता, प्रो. आर.के. अग्रवाल, प्रो. मधु भट्ट तैलंग एवं प्रो. दलवीर सिंह शामिल थे।

बाबू अंसारी बने प्रदेश महासचिव

जयपुर । राष्ट्रीय अंसारी एकता संगठन के राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद नसीम अंसारी ने बाबू अंसारी को प्रदेश महासचिव पद पर मनोनीत किया। बाबू अंसारी की सक्रियता, सामाजिक जुड़ाव और संगठनात्मक अनुभव को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। संगठन देश के 22 राज्यों में समाज के उत्थान, शिक्षा, युवाओं को जागरूक करने और एकता को बढ़ावा देने के लिए लगातार कार्य कर रहा है। वहीं बाबू अंसारी ने प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद नसीम अंसारी का आभार जताते हुए कहा कि वे पूरी निष्ठा और मेहनत से काम करेंगे। उनका लक्ष्य संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना, समाज के लोगों की आवाज को मजबूत मंच पर उठाना और युवाओं को जोड़ना होगा।

मोजम्बिक में 1230 विकलांगों का पुर्नवास

जयपुर । अफ्रीकी देश मोजम्बिक की राजधानी मापूतो में भारत सरकार और विश्व प्रसिद्ध जयपुर फुट की निर्माता संस्था भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित विशेष शिविर में कुल 1230 विकलांगों का पुर्नवास किया गया । उल्लेखनीय है कि मोजम्बिक की स्वाधीनता की 50वीं वर्षगांठ पर भारत सरकार ने इस पुर्नवास शिविर का आयोजन किया था । विष्णुकांत शर्मा के नेतृत्व में बी.एम.वी.एस.एस. के 13 सदस्यीय दल ने मोजम्बिक के स्वास्थ्य मंत्रालय के सहयोग से मापूतो के सेन्ट्रल अस्पताल में इस निःशुल्क शिविर का आयोजन किया था । शिविर के समापन समारोह में मोजम्बिक के स्वास्थ्य मंत्री उसैन इस्से ने भारत सरकार को इस शिविर के आयोजन के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि इस शिविर के आयोजन से ऐसे विकलांगों को चलने-फिरने का सुखद अनुभव हुआ जो विकलांगता के कारण असमर्थ थे । समारोह में भारत के राजपूत राबर्ट शेटकिंग टॉग ने कहा कि भारत-मोजम्बिक की मैत्री पुरानी हैं और भारत सरकार ने मोजम्बिक की आजादी की स्वर्णजयन्ती के अवसर पर इस शिविर का आयोजन "इण्डिया फॉर ह्यूमैनिटीज" कार्यक्रम के अन्तर्गत कर सौहार्द का परिचय दिया हैं । बी.एम.वी.एस.एस. के संस्थापक और मुख्य संरक्षक डी.आर. मेहता ने कहा कि बी.एम.वी.एस.एस. ने 41 देशों में 114 अन्तर्राष्ट्रीय शिविरों का आयोजन कर 40 हजार विकलांगों को लाभ दिया हैं । डी.आर. मेहता ने कहा कि मोजम्बिक में अभी भी बड़ी संख्या में विकलांग हैं जिनके पुर्नवास के लिए निजी संस्थाओं के सहयोग से एक और शिविर उत्तरी मोजम्बिक के नाम्पूला में प्रस्तावित हैं जिसकी तैयारियां चल रही हैं ।

75 प्रतिशत प्रश्नों के उत्तर प्राप्त हुए

जयपुर । विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने राज्य सरकार के सभी विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिवगण को निर्देश दिए है कि सोलहवीं राजस्थान विधान सभा के तृतीय सत्र में विधायकगण द्वारा पूछे गये सभी प्रश्नों के जवाब राजस्थान विधान सभा को आगामी सत्र के आरम्भ होने से पहले 27 अगस्त तक आवश्यक रूप से भेज दिए जाएं। देवनानी ने बताया कि सोलहवीं विधानसभा के तृतीय सत्र में विधायकगण द्वारा पूछे गए प्रश्नों में से लगभग 75 प्रतिशत के जवाब राज्य सरकार से विधानसभा को प्राप्त हो गए है। उन्होंने बताया कि राजस्थान विधान सभा को लगभग 9700 प्रश्न प्राप्त हुए थे, जिसमें से 7300 प्रश्नों के जवाब मिल गए है। लम्बित 2400 प्रश्नों के जवाब विभिन्न विभागों से आना शेष है। उन्होंने बताया कि तृतीय सत्र के बकाया प्रश्नों के जवाब राज्य सरकार के विभिन्न विभागों द्वारा आगामी सत्र से पहले 27 अगस्त तक प्राप्त हो जाएंगे। देवनानी ने कहा कि सोलहवीं विधानसभा का चतुर्थ अधिवेशन, जो 1 सितंबर से प्रारंभ होगा, इससे पहले सभी लंबित प्रश्नों के उत्तर विधान सभा को भेजे जाने के लिए विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दे दिए है। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि पारदर्शिता और जवाबदेही के लिए विधान सभा द्वारा पूछे गए प्रश्नों के जवाब आना आवश्यक है।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने की प्रदेश की आंगनबाड़ी केन्द्रों की मरम्मत पर चर्चा

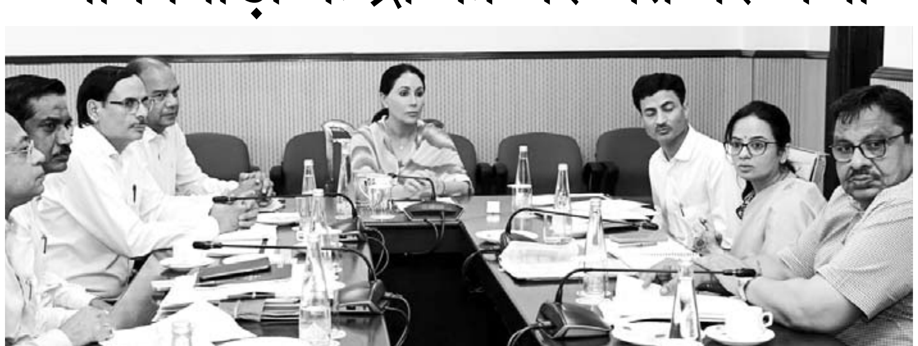

जयपुर (कासं)। उप मुख्यमंत्री तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में मंगलवार को शासन सचिवालय में आंगनबाड़ी केंद्रों की मरम्मत एवं सुदृढ़ीकरण के संदर्भ में बैठक आयोजित की गई जिसमें महिला एवं बाल विकास शासन सचिव महेन्द्र सोनी, राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त समग्र शिक्षा अनुपमा जोरवाल, निदेशक, समेकित बाल विकास सेवाएं वासुदेव मालावत, सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं पंचायती राज विभाग के अधिकारी उपस्थिति हुए। बैठक में उपमुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जून माह के सर्वे अनुसार 6012 आंगनबाड़ी केंद्रों की मरम्मत का कार्य प्राथमिकता से करवाये जावे। प्रथम चरण में 50 करोड़ की लागत से 3033 केंद्रों की मरम्मत की वित्तीय स्वीकृति भी दी गई। इसके अलावा 2365 आंगनबाड़ी केंद्रों की मरम्मत के भी निर्देश दिए गए है। उन्होंने अगले 4 महीनों में आंगनबाड़ी केंद्रों की मरम्मत के कार्य को निष्पादित करने के निर्देश दिए। इसके लिए सार्वजनिक निर्माण विभाग समसा में जेईएन/एईएन की प्रतिनियुक्ति या अतिरिक्त चार्ज दें।

25 लाख की छात्रवृत्ति और 8 स्कॉलर्स अवार्ड

जयपुर । रूमा देवी फाउंडेशन और गढ़वाल फैमिली फाउंडेशन की ओर से मंगलवार को कांस्टीट्यूशन क्लब, जयपुर में "रूमा देवी सुगनी देवी अक्षरा छात्रवृत्ति 2025" के कार्यक्रम के द्वितीय चरण का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान की उप-मुख्यमंत्री दिया कुमारी शामिल हुईं। इस अवसर पर कुल 25 लाख रुपये की छात्रवृत्ति जरूरतमंद और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रदान की गई। साथ ही, मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेज में प्रवेश लेने वाली ग्रामीण पृष्ठभूमि की 8 बेटियों को 1-1 लाख रुपये के स्कॉलर्स अवार्ड देकर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि कार्यक्रम की पहलकर्ता डॉ. रूमा देवी, जिन्होंने पारिवारिक परिस्थितियों के कारण आठवीं कक्षा में पढ़ाई छोड़ दी थी, आज ग्रामीण भारत की बेटियों के लिए प्रेरणा का स्तंभ हैं।

बिना परमिट और टैक्स चोरी में 39 वाहन ज़ब्त

जयपुर। राजस्थान परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग की सचिव एवं आयुक्त सुची त्यागी के सख्त निर्देशों के तहत आरटीओ जयपुर द्वितीय ने मंगलवार को एक और विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया। यह कार्रवाई अचानक और योजनाबद्ध तरीके से की गई। जिसका उद्देश्य था- बिना परमिट, टैक्स चोरी, रोडवर्दीनेस उल्लंघन और अवैध यात्री ढुलाई में संलग्न वाहनों पर शिकंजा कसना।

राजस्थान परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग की सचिव एवं आयुक्त सुची त्यागी के अनुसार यह अभियान तीन चरणों में चलाया गया।

जयपुर-चोमू मार्ग पर निजी नॉन-ट्रांसपोर्ट वाहनों द्वारा अवैध यात्री ढुलाई की शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए 18 वाहन जब्त किए गए।

चौमूं कालाडेरा मार्ग पर अवैध यात्री ढुलाई और टैक्स चोरी में लिप्त 11 वाहन पकड़े गए, जिनमें से 6 वहीं सुपुर्द किए गए। प्रतापगढ़ अलवर क्षेत्र में भी अचानक दबिश देकर बिना परमिट व टैक्स चोरी में शामिल 10 वाहन जब्त किए गए। इस संयुक्त अभियान में चंदवाजी, चोमू, कालाडेरा और प्रतापगढ़ थानों के थानाधिकारियों और पुलिस बल ने तत्काल सहयोग करते हुए मौके पर ही वाहनों की ज़ब्ती सुनिश्चित की।

जिला परिवहन अधिकारी यशपाल यादव (शाहपुरा), अतुल कुमार शर्मा (जयपुर द्वितीय), अनूप सहारिया (चोमू) सहित मोटर यान निरीक्षकों और उप निरीक्षकों की विशेष टीम ने भाग लिया। यह कार्रवाई मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 66, 192, 39, 192 और 207 के तहत की गई, जिनमें बिना परमिट, टैक्स चोरी, बिना पंजीकरण और वाहन ज़ब्ती के प्रावधान शामिल हैं।

परिसीमन सहित अन्य मुद्दों की 434 याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित रखा

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पंचायती राज संस्थाओं व शहरी निकायों के विभिन्न मुद्दों से जुडी करीब 434 याचिकाओं पर लगातार चार दिन तक सुनवाई कर मंगल वार को फैसला सुरक्षित रख लिया।

न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा व न्यायाधीश संजीत पुरोहित की खंडपीठ ने जोधपुर व जयपुर पीठ में दायर करीब 434 याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई की। इन याचिकाओं में पंचायत व शहरी निकाय चुनाव टालकर प्रशासक लगाने, परिसीमन में गाइडलाइन की अवहेलना व वार्ड खत्म होने के कारण आधार पर प्रधान हटाने को चुनौती दी गई। प्रशासक लगाने को चुनौती देने वाली याचिकाओं में कहा कि संविधान में पांच साल के भीतर चुनाव कराने का प्रावधान है, लेकिन सरकार ने पंचायती राज संस्थाओं व शहरी निकायों का कार्यकाल पूरा होने के बाद प्रशासक नियुक्त कर चुनाव दिए। परिसीमन के मामलों में राज्य सरकार की गाइडलाइन की अवहेलना की जा रही है। कुछ याचिकाएं ऐसी भी हैं, जिनमें वार्ड समाप्त होने के आधार पर प्रधान हटाने को चुनौती दी गई है। इन याचिकाओं का महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने याचिकाओं का विरोध किया। उन्होंने कहा कि परिसीमन से संबंधित मामलों में कोर्ट दखल नहीं कर सकता और परिपत्र या गाइडलाइन से किसी का हक सृजित नहीं हो जाता। इसके अलावा गाइडलाइन में शिथिलता भी दी जा सकती है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने सभी याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित रख लिया है।

देशभक्ति के रंग में रंगा झोटवाड़ा

जयपुर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए "हर घर तिरंगा" अभियान के तहत वार्ड नं. 43 समेत पूरे झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में उत्साह और देशभक्ति देखने को मिल रही है। कैबिनेट मंत्री और झोटवाड़ा से भाजपा विधायक कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के नेतृत्व में झोटवाड़ा में हर घर तिरंगा अभियान देश के प्रति गर्व की भावना को सशक्त कर रहा है। झोटवाड़ा में यह पहल हर घर तिरंगा अभियान को और मजबूती प्रदान कर रही है। कर्नल राठौड़ ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आव्हान पर हर घर तिरंगा अभियान देशभर में जन-जन का अभियान बन चुका है। मैं सभी देशवासियों से अपील करता हूँ कि इस अभियान में सहभागी होकर अपने-अपने घरों और प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराएँ।

किसान महापंचायत ने केन्द्रीय कृषि मंत्री को ज्ञापन सौंपा

जयपुर । किसान महापंचायत के प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट के नेतृत्व में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को किसान महापंचायत ने ज्ञापन दिया। जिसमें प्रकट किया कि "2014 से लेकर 2025 तक की अवधि में पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अंतरराष्ट्रीय समझौते के संबंध में अमेरिकी दबाव के बावजूद किसानों के साथ खड़े दिखाई दिए। जैसे पोकरण परमाणु विस्फोट 1998 के समय अमेरिका की धमकियों के सामने तत्कालीन प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई झुके नहीं वरन अमेरिका द्वारा घोषित प्रतिबंधों को भारत के आग्रह के बिना स्वतः ही वापस लेने को विवश होना पड़ा था। किसान यह आशा करते हैं कि प्रधानमंत्री इसी तरह अमेरिका के समक्ष अडिग रहकर भारतीय किसानों के हितों की रक्षा करते रहेंगे! किसान यह भी आग्रह करते हैं कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद की गारंटी क़ानून पारित कर विभिन्न फ़सलों के सरकार द्वारा घोषित एमएसपी किसानों को मिलना सुनिश्चित कर देश को समृद्धशाली बनाने की दिशा में सार्थक पहल करें।" आज के कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि कृषि मंत्री ने मंच से अपने सम्बोधन में केवल किसान महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट का ही नाम लिया। इसके अतरिक्त किसान महापंचायत के प्रतिनिधिमंडल द्वारा कृषि मंत्री को 6 अक्टूबर की "अन्नदाता हुंकार रैली" जयपुर का पम्पलेट निमंत्रण दिया।

पुलिस कमिश्नर की जनसुनवाई

जयपुर । जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने मंगलवार को सांगानेर सदर थाने पर जनसुनवाई कर मौके पर संबंधित अधिकारियों को समस्याओं का तुरंत रिस्पॉन्स देने और निस्तारण करने के निर्देश दिए। इस जनसुनवाई के दौरान अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (प्रथम) मनीष अग्रवाल, पुलिस उपायुक्त दक्षिण राजर्षि राज, पुलिस उपायुक्त पूर्व संजीव नैन, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त दक्षिण ललित किशोर शर्मा, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त पूर्व आशाराम चौधरी, सहायक पुलिस आयुक्त सांगानेर,मानसरोवर एवं चाकसू एवं संबंधित थानाधिकारी और थाने के अधिकारी उपस्थित रहें।

इस दौरान पुलिस थाना सांगानेर, प्रताप नगर, रामनगरिया, मालपुरा गेट, चाकसू, शिवदासपुरा, सांगानेर सदर, कोटखावदा, मानसरोवर, शिप्रापथ एवं मुहाना क्षेत्र के परिवादियों की जनसुनवाई की जाएगी। जनसुनवाई का उद्देश्य संबंधित क्षेत्र के परिवादियों की समस्याओं का तुरंत निस्तारण करते हुए आमजन को राहत पहुंचाना है। जनसुनवाई के दौरान जयपुर कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने कहा कि जनसुनवाई के दौरान परिवादियों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पुलिस की इस सकारात्मक पहल से आमजन में विश्वास और अपराधियों में डर बढ़ रहा है। आमजन को राहत देने के लिए सभी थानों में भी प्रतिदिन जनसुनवाई की जा रही है।

चोर गिरफ्तार

जयपुर। खोह नागोरियान थाना पुलिस ने दुपहिया वाहन चुराने वाले दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से पुलिस ने पांच चोरी के दुपहिया वाहन जब्त किए है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार वाहन चोरो के खिलाफ पूर्व मे चरणों वाहन चोरी के मामले दर्ज है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व संजीव नैन ने बताया कि खोह नागोरियान थाना पुलिस ने दुपहिया वाहन चुराने वाले वाहन चोर नमोनारायण मीना उर्फ लाला और अंकित मीना को गिरफ्तार किया।

वैशाली नगर पुलिस ने चेन स्नैचर गैंग पकड़ी

जयपुर। वैशाली नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चेन तोड़ने वाली एक शातिर गैंग को गिरफ्तार किया है। इस गैंग में पांच महिला समेत दो पुरुष शामिल है। जिनके पास से पुलिस ने आठ सोने की चेन बरामद की है। इसके अलावा पुलिस ने इस गैंग के पास से दो कार भी जब्त की है । जिन्हें यह गैंग चैन लूटने के लिए इस्तेमाल करते थे।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) हनुमान प्रसाद मीणा ने बताया कि वैशाली नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चेन तोड़ने वाली एक शातिर गैंग के शातिर आरोपित विमलेश कुमारी (42) निवासी कोतवाली जिला भरतपुर, पुजा (25) कुमार निवासी बानसुर जिला अलवर, मधु (21) निवासी बानसुर जिला अलवर, गुड्डी (50) निवासी कोतवाली जिला भरतपुर, अंजु (25) निवासी कोतवाली जिला भरतपुर, सुरेन्द्र सिंह बावरीया (47) निवासी कोतवाली जिला भरतपुर और रिषि कुमार बावरीया (33) निवासी बानसुर जिला अलवर को गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि यह गैंग मंदिरों में होने वाले धार्मिक आयोजन, कलश यात्रा के दौरान अलग-अलग राज्यों में जाकर वारदात को अंजाम दिया करते थे। जयपुर में सवान माह में इस गैंग ने वैशाली नगर थाना इलाके में आने वाले झारखंड महादेव मंदिर में महिलाओं की चेन तोडी थी। झारखंड मंदिरमें चेन लूट की वारदात की जानकारी सामने आने पर इस पर डीएसटी और थाना पुलिस को एक्टिव होकर पर नजर रखने के लिए कहा गया। मौके से मिले सीसीटीवी फुटेज में कुछ महिलाएं देखी गई। इनके बारे में जानकारी जुटाई गई। पुलिस टीम को इन बदमाशों की लीड मिली। इस दौरान यह गैंग दिल्ली निकल गई। एक टीम ने दिल्ली तक पीछा किया।इसके बाद पता चला कि ये लोग ग्वालियर में एक शिव मंदिर में चले गए हैं। पुलिस टीम निरंतर इनके पीछे रही।

13 से 15 अगस्त तक प्रभारी अधिकारी रहेंगे जिलों के दौरे पर

चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह के निर्देश पर यह दल मौसमी बीमारियों सहित स्वास्थ्य सेवाओं की करेंगे गहन समीक्षा

जयपुर । मौसमी बीमारियों की रोकथाम एवं बचाव गतिविधियों सहित अन्य स्वास्थ्य सेवाओं के सघन निरीक्षण के लिए 13 अगस्त से 15 अगस्त तक राज्य स्तरीय प्रभारी अधिकारियों की टीमें सभी जिलों में जाएंगी। ये टीमें जिलों में चिकित्सा व्यवस्थाओं का जायजा लेकर रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगी, जिसके आधार पर राज्य स्तर से व्यवस्थाओं को सुदृढ़ किया जाएगा। साथ ही, स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर सख्त एक्शन लिया जाएगा।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने मंगलवार को स्वास्थ्य भवन में वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम के आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में यह निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रभारी अधिकारी संबंधित जिलों में जाकर मौसमी बीमारियों और अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लें। वे हर जिले में दवाओं और मानव संसाधन की उपलब्धता, उपकरणों की क्रियाशीलता, चिकित्सा संस्थानों के भवनों की स्थिति, साफ-सफाई सहित अन्य पैरामीटर्स पर गहन जांच करें। साथ ही, रोगियों एवं उनके परिजनों से भी फीडबैक प्राप्त करें, ताकि वस्तु स्थिति के अनुसार एक्शन लिया जा सके।

जहां केस ज्यादा, वहां करें विशेष फोकस

खींवसर ने कहा कि यद्यपि मौसमी बीमारियों के केस फिलहाल अधिक नहीं हैं, लेकिन जहां भी अपेक्षाकृत केस ज्यादा सामने आ रहे हैं, वहां बचाव व रोकथाम गतिविधियों पर विशेष फोकस करें। उन्होंने वीसी के माध्यम से जुड़े सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों व संबंधित जिला अधिकारियों से गतिविधियों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि बारिश का दौर धीमा होने के बाद अब मच्छरों की रोकथाम के लिए फोगिंग, एंटीलार्वल, घर-घर सर्वे सहित अन्य गतिविधियों को बढ़ाएं।

चिकित्सा मंत्री ने कहा कि चिकित्सा संस्थानों में मानव संसाधन की समुचित उपलब्धता सुनिश्चित करने की दृष्टि से चिकित्सा विभाग के सभी कार्मिकों की 31 अगस्त, 2025 तक जिओ मैपिंग सुनिश्चित की जाए। साथ ही, अधिकारी यह बताएं कि कौनसे ट्रोमा सेंटर एवं एफआरयू मानव संसाधन की कमी के कारण क्रियाशील नहीं हैं तथा किस चिकित्सा संस्थान में बैड एवं अन्य मापदण्डों के अनुरूप स्वास्थ्यकर्मियों की कमी है। उन्होंने सीएचओ के रिक्त पदों के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि यह सभी जानकारी शीघ्र राज हैल्थ पोर्टल पर अपडेट करें।

खींवसर ने निर्देश दिए कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के उन्नयन के लिए प्रतिबद्ध है। इस दिशा में अब तक करीब 24 हजार पदों पर भर्ती की जा चुकी है तथा लगभग 26 हजार पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं। यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी जिलों में स्टाफ की समुचित उपलब्धता हो। एक पद पर दो व्यक्ति अगर कहीं हों तो तत्काल प्रभाव से एपीओ किया जाए। पिछड़े इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए।

चिकित्सा मंत्री ने कहा कि सभी अधिकारी अपने क्षेत्राधिकार में आने वाले चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण कर भवनों की स्थिति जांचें। अगर कोई भवन जर्जर हालत में है तो उसे तत्काल सार्वजनिक निर्माण विभाग के माध्यम से जर्जर घोषित करवाएं। साथ ही, जहां भी मरम्मत की आवश्यकता है तुरंत प्रभाव से मरम्मत करवाएं। इस कार्य को प्राथमिकता से पूरा करें।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम, आयुष्मान आरोग्य मंदिर एवं अन्य स्वास्थ्य गतिविधियों की समक्षा की। उन्होंने आयुष्मान आरोग्य मंदिरों पर कार्यरत सीएचओ के कार्य की नियमित रूप से समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी स्वास्थ्य केन्द्रों पर चिकित्सक सहित स्वास्थ्य कार्मिकों के ठहराव पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी यह भी ध्यान दें कि स्वास्थ्य केन्द्रों से रोगियों का अनावश्यक रैफरल न हो। उन्होंने गांव-ढाणियों में झोलाछाप चिकित्सकों को हटाने और आवश्यक कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निःशुल्क दवा व जांच योजना के तहत सभी दवा व जांच सेवाओं की उपलब्धता रखें। मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. अमित यादव ने राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत आंगनबाड़ी से लेकर स्कूलों में बच्चों में विकासात्मक देरी संबंधी 4 प्रमुख विकृतियों की गुणवत्तापूर्ण स्क्रीनिंग के साथ सघन मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि आरबीएसके के सफल क्रियान्वयन के लिए प्रत्येक ब्लॉक में माइक्रोप्लानिंग, लक्ष्य निर्धारण एवं प्रभावी मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने आरबीएसके में संचालित सभी मोबाइल हैल्थ टीमों की गाड़ियों पर अगले 15 दिन में जीपीएस एक्टिव करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि डिलेवरी प्वॉइंट्स पर न्यूबोर्न स्क्रीनिंग पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। जिला स्तर पर जिला कलक्टर की अध्यक्षता में गठित जिला स्वास्थ्य समिति में स्वास्थ्य कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा करें।

Celebrating the Art of Beautiful Writing

World Calligraphy Day celebrates the timeless art of beautiful handwriting. This day honours the creativity, skill, and cultural significance of calligraphy across the globe. From ancient scripts to modern lettering styles, calligraphy continues to inspire artists, designers, and enthusiasts alike. It encourages people to slow down, appreciate detail, and express themselves through pen and ink. Workshops, exhibitions, and social media challenges are often held to showcase this elegant art form. World Calligraphy Day reminds us that in a fast-paced digital world, the beauty of hand-crafted letters still holds lasting charm.

#JANAB PEER ALI KHAN

90 Years It Took...

The Forgotten Martyr of 1857!

The Revolt of 1857, also known as India's First War of Independence, was a watershed moment in the nation's history. While many names like Mangal Pandey, Rani Lakshmibai, and Bahadur Shah Zafar are widely recognized, there were countless other brave souls who sacrificed their lives for the cause of freedom. One such lesser-known yet significant figure

was Janab Peer Ali Khan, a revolutionary from Bihar who played a crucial role in organizing resistance against the British in Patna.

Early Life of Peer Ali Khan

Peer Ali Khan was born in 1812 in Azamgarh, in present-day Uttar Pradesh. Orphaned at a young age, he moved to Patna, Bihar, where he worked as a bookbinder. Though his profession seemed modest, he harbored strong patriotic sentiments and was deeply disturbed by the oppressive British rule in India. His workplace became a hub for revolutionary discussions, and he gradually became involved in anti-British activities, using his contacts and position to support the freedom movement.

Role in the 1857 Revolt

Peer Ali Khan emerged as a key figure in the underground revolutionary network in Bihar during the 1857 revolt. Unlike many who fought openly on the battlefield, Peer Ali worked covertly, organizing secret meetings, spreading revolutionary ideas, and distributing pamphlets and letters calling for rebellion.

He used his skills as a bookbinder and his position in society to circulate revolutionary materials and communicate with freedom fighters across regions. His house became a center for planning and strategizing against British officials in Patna and nearby areas.

He was in close contact with other revolutionaries and is said to have led a network of over 30 associates who were active in plotting the British downfall in Bihar.

Arrest and Martyrdom

The British soon became aware of his activities. Acting on intelligence, the British authorities arrested Peer Ali Khan along with many of his fellow revolutionaries in July 1857. During interrogation, he refused to betray his comrades or apologize for his actions. On July 7, 1857, Peer Ali Khan and 14 of his associates were publicly hanged by the British in Patna. His execution was meant to send a strong message to those who dared to oppose British rule, but instead, it strengthened the resolve of many Indians to continue the fight. He was only 45 years old when he attained martyrdom.

Legacy

Though history did not give Peer Ali Khan the recognition he deserved, his contributions have been rediscovered in recent years.

- The Government of Bihar has acknowledged his sacrifice, and his memory is honoured at the Peer Ali Park near the Patna Railway Station.
- Streets and institutions in Bihar have been named after him.
- He is remembered as one of the earliest revolutionaries who fought against British rule long before the emergence of organized national political movements.

His life reminds us of the diverse backgrounds of India's freedom fighters, Muslim, Hindu, rich, poor, educated, and ordinary workers, all united by the dream of Swaraj (self-rule).

Janab Peer Ali Khan's role in India's struggle for independence is a powerful example of silent yet significant resistance. As a grassroots revolutionary, he mobilized people, spread the message of freedom, and ultimately laid down his life for his motherland. His sacrifice, though long forgotten, now serves as an inspiration for future generations to value freedom, unity, and courage.

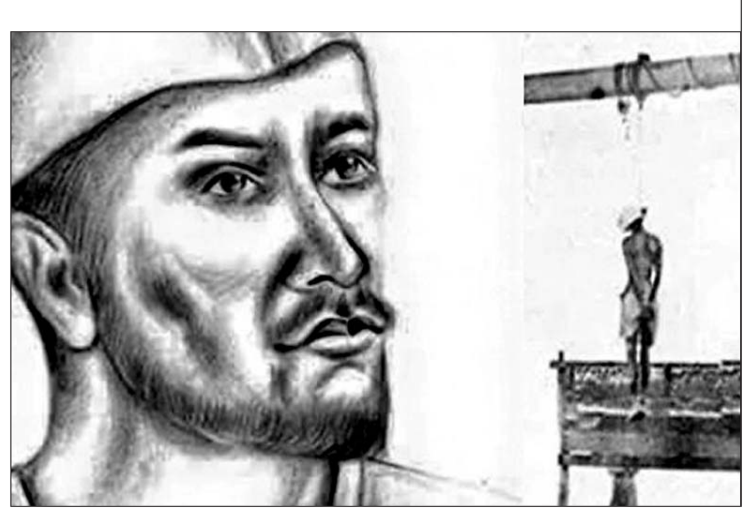

Anti-Aging? - More Risks

It's vital to understand that in most countries, health supplements are regulated differently from pharmaceutical drugs. Unlike drugs, which must undergo rigorous testing for safety and efficacy before being marketed, supplements are largely 'assumed to be safe' until proven otherwise. This lack of pre-market scrutiny is a significant concern and a primary reason why some supplements can pose serious risks. Manufacturers can also make exaggerated and incorrect claims about their products without substantial scientific evidence to back them up, often leading to misleading marketing with dire

Dr. Goutam Sen
CTVS Surgeon
Traveller
Storyteller

Who does not wish to look beautiful and youthful despite the vagaries and onslaught of aging? It has been an eternal desire.

It reminds me of a novel written long time ago. 'She,' a romantic novel by H. Rider Haggard, was published in 1887. It is about two adventurers who search for a supernatural white queen, Ayesha or 'She-Who-Must-Be-Obeyed,' who is the ruler of a lost African city called Kôr. She has the ability to remain youthful for 2000 years by regular immersions in a magical fire. Ayesha has waited for the reincarnation of her lover whom she killed out of jealousy. She is beautiful and powerful. She finds her reincarnated ideal in one of the explorers, who is her lover's descendant. He falls under her spell and she attempts to make him immortal. She tries to persuade him to pass through the magic fire, but in doing so herself, she ages and crumbles into dust.

The lesson learnt is that anti-aging processes, magical or medicinal, have limited abilities and can often be fatal if wrongly administered.

The recent death of a middle-aged actress on various doubtful anti aging supplements has become the hot topic in the fashion pages. It is of interest because large number of youngsters feels that health supplements are harmless and can really be effective in retarding the physical signs of aging. The wrinkles and the sagging chin are gone. The weight is within control and 'all is well' with the world. The unregulated nature of this industry, coupled with misinformation and a 'more is better' mentality, can transform seemingly innocuous pills and powders into serious health hazards. It has contributed to premature death in vulnerable populations like young adults in alarming numbers.

Health supplements, also known as dietary or nutritional supplements, are products designed to provide nutrients that might be missing from a person's diet or to offer additional health benefits. The ingredients can range from well-known vitamins and minerals to herbs, amino acids, enzymes, botanicals and other substances. Vitamins and Minerals are arguably the most common type, including popular ones like Vitamin C, Vitamin D, calcium, iron, and multivitamins. They aim to fill nutritional gaps of specific bodily functions.

Herbal Supplements derived from plants like Ginkgo Biloba, Echinacea and Ginseng are often marketed for various health concerns for mood enhancement to immune support. Amino acids and proteins are widely used by athletes and fitness enthusiasts. These include protein powders (whey, casein and soy), branched-chain amino acids (BCAAs) and creatine aiming to support muscle growth and recovery. The purported mechanisms of action for health supplements vary widely depending on their ingredients by filling nutritional gaps in iron deficiency anemia and Vitamin D deficiency.

A vegan might take a B12 supplement as this vitamin is primarily found in animal products.

Vitamin C is crucial for collagen synthesis and immune function.

Supplements like protein powders provide building blocks for muscle repair and growth or enhance energy production during high-intensity exercise.

Caffeine, a common ingredient in pre-workout supplements, acts as a stimulant to improve focus and reduce fatigue.

It's vital to understand that in most countries, health supplements are regulated differently from pharmaceutical drugs. Unlike drugs, which must undergo rigorous testing for safety and efficacy before being marketed, supplements are largely 'assumed to be safe' until proven otherwise. This lack of pre-market scrutiny is a significant concern and a primary reason why some supplements can pose serious risks. Manufacturers can also make exaggerated and incorrect claims about their products without substantial scientific evidence to back them up, often leading to misleading marketing with dire consequences.

Intravenous Vitamin C (IVC) and IV Glutathione are often promoted for various health benefits, including anti-aging, skin brightening and immune support. High doses or improper administration can lead to serious adverse effects, and in rare but documented cases, even death. It's crucial to understand that these are not without risks, especially when administered without proper medical supervision or to individuals with pre-existing heart conditions. Since both these products are available without prescription and are administered by unqualified hacks or so called beauty specialists, they lack any safety precautions. The administration is based on notions rather than standard operating protocols.

While generally considered safe in appropriate doses and when given to healthy individuals, IVC (Vit. C) can pose risks. It is especially so with very high doses in certain susceptible individuals. Vitamin C is metabolised in the body. When very high doses of Vitamin C are administered intravenously, particularly rapidly, the body can produce an excessive amount of oxalate.

In severe cases, a condition called oxalate nephropathy can occur, where these crystals deposit in the kidney tubules, causing life-threatening acute kidney injury or even kidney failure.

High-dose IV Vitamin C, particularly at pharmacological concentrations, can dangerously increase iron absorption and deposition in organs like the heart, liver and pancreas. This can exacerbate organ damage, leading to muscular damage of the heart, liver failure, or diabetes, potentially contributing to premature death.

All the same, it is difficult to attribute sudden death directly to it.

The other anti-aging supplement, which is in common use, is Glutathione. It is a powerful antioxidant naturally produced by the body. IV glutathione has gained popularity for skin lightening and 'detoxification.' While glutathione is involved in detoxification, it can, in excessively high doses, especially over a prolonged period or with impurities, paradoxically stress the kidneys and liver.

When given in high-dose, IV administration also carries significant risks like hypotension (sudden drop in blood pressure) and cardiac arrest. Glutathione, particularly when infused quickly, can cause vasodilatation which can result in dizziness, fainting and shock. It has the potential to trigger cardiac arrest, especially in individuals with pre-existing cardiac conditions.

As with any IV infusion, there's a risk of severe allergic reactions, including anaphylaxis, which can be life-threatening. This could be due to the glutathione itself, preservatives or other components in the IV solution.

IV administration bypasses the body's natural defenses. If the IV is not prepared and administered in a sterile environment by trained professionals, there is a significant risk of bacterial or fungal infection at the injection site or even a systemic bloodstream infection (sepsis), which can be fatal.

Health supplements can play a legitimate role in addressing specific nutritional deficiencies under medical supervision. Their widespread unregulated, and often indiscriminate use, particularly among young people, carries substantial risks. The allure of quick fixes for appearance or performance, combined with aggressive marketing and a lack of proper scientific scrutiny, can lead to the consumption of products that are contaminated, mislabeled or simply toxic at high doses.

The potential for adverse drug interactions, organ damage (especially liver and kidney), cardiovascular events and even death, highlights the critical need for caution. The production should fall under regulatory systems. Young people are especially vulnerable due to their developing bodies. Their metabolic responses are susceptible to marketing hype.

Instead of relying on supplements, the cornerstone of health for young individuals remains a balanced diet rich in whole foods, regular physical activity, adequate sleep and professional medical guidance. Any decision to take a supplement, particularly for a young person, should always be made in consultation with a healthcare professional to assess individual needs, potential risks and appropriate dosing, if any. The notion that 'more is better' or that 'natural' equates to 'safe' is a dangerous misconception when it comes to health supplements.

rajeshsharma1049@gmail.com

#CAUTION

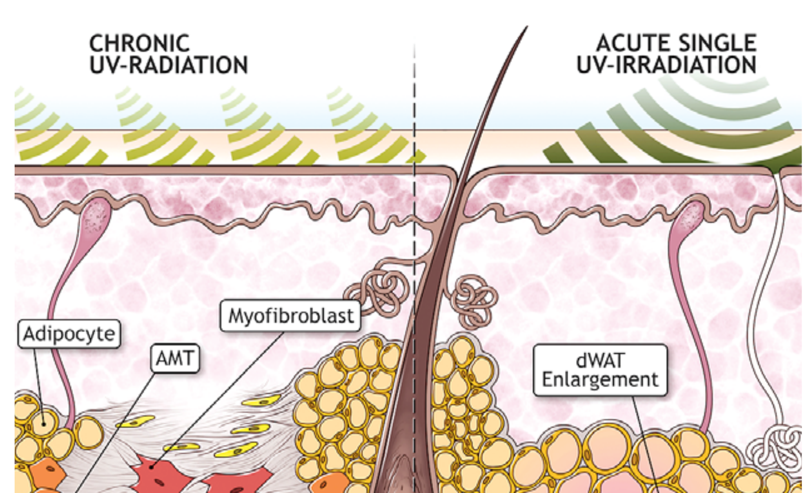

> While generally considered safe in appropriate doses and when given to healthy individuals, IVC (Vit. C) can pose risks. It is especially so with very high doses in certain susceptible individuals. Vitamin C is metabolised in the body. When very high doses of Vitamin C are administered intravenously, particularly rapidly, the body can produce an excessive amount of oxalate. In severe cases, a condition called oxalate nephropathy can occur, where these crystals deposit in the kidney tubules, causing life-threatening acute kidney injury or even kidney failure.

#POETRY

Mango: The King

Through this Sanskrit verse, the mango becomes more than a fruit, it becomes a ruler whose presence transforms all others

In the grand tradition of Sanskrit literature, nature is never just scenery, it is alive, conscious, and poetic. Among its many celebrated symbols, the mango (amra) holds a unique place. Not only is it admired for its luscious sweetness and intoxicating fragrance, but it is also revered as the king of fruits. A recently composed Sanskrit verse beautifully illustrates this royal image, showcasing how other fruits react in humility and joy when the mango ripens.

The Verse

आम्रः फलानां नृपतिः समृद्धः सुगन्धिमत्तः सुरभीकृताशः ।
नारिकेलपञ्चलिकाः प्रणम्य, द्राक्षाः स्वरैः गीतिविनोदमद्युः ।।
पनसः स्वगौरवमुत्सृजन्ति यदा समायाति सुवासितोष्मा ।
सर्वेऽपि फलराजमार्गदर्शी, नम्राः भवन्ति प्रसरन्त्यपूर्वम् ।।

Translation

The mango, rich and majestic, is the king of all fruits.
Fragrant and sweet, it perfumes the very air.
The proud crests of coconuts bow in homage,
While grapes burst into songs of sweet delight.
Even the bulky jackfruit sets aside its pride,
When the warmly scented mango arrives.
All fruits, recognizing their sovereign's path,
Bend low and spread out in reverent welcome.

A Kingdom of Fruits

In this verse, the mango is portrayed not just as a fruit, but as a monarch presiding over a kingdom of flavors. Its fragrance announces its arrival like the scent of royal incense, and its presence transforms the orchard into a courtly celebration.

- Coconuts, known for their towering form and tufted crowns, are imagined here as proud soldiers or ministers who lower their heads in respectful salutation.
- Grapes, delicate and musical, express their delight through metaphorical song, a poetic nod to how grapes often become wine, and how both wine and music intoxicate the senses.
- Jackfruit, despite its enormous size and spiky armor, lets go of its pride when the mango, warm, fragrant, and irresistible, steps into the limelight.

The imagery of all the fruits lining up along the royal path creates a scene of procession, as if nature itself bows to the mango's seasonal reign.

A Deeper Symbolism

This poetic tradition goes beyond taste. In Sanskrit culture, mangoes symbolize abundance, fertility, and divine love. The spring season (Vasanta) is often depicted with mango blossoms, and the koel bird is said to sing in delight when the mango trees bloom. Kings and poets alike offered mangoes as gifts of highest honour. Here, the verse brings together humor, elegance, and subtle metaphor to elevate a common fruit to mythical status, showing how even in a garden, poetry finds politics, pride, and pageantry.

Conclusion

Through this Sanskrit verse, the mango becomes more than a fruit, it becomes a ruler whose presence transforms all others. Coconuts bow, jackfruits surrender their pride, and grapes sing in joy. It is a reminder that even among equals, true excellence commands gentle reverence, and that beauty, fragrance, and sweetness are timeless virtues, worthy of a crown.

THE WALL

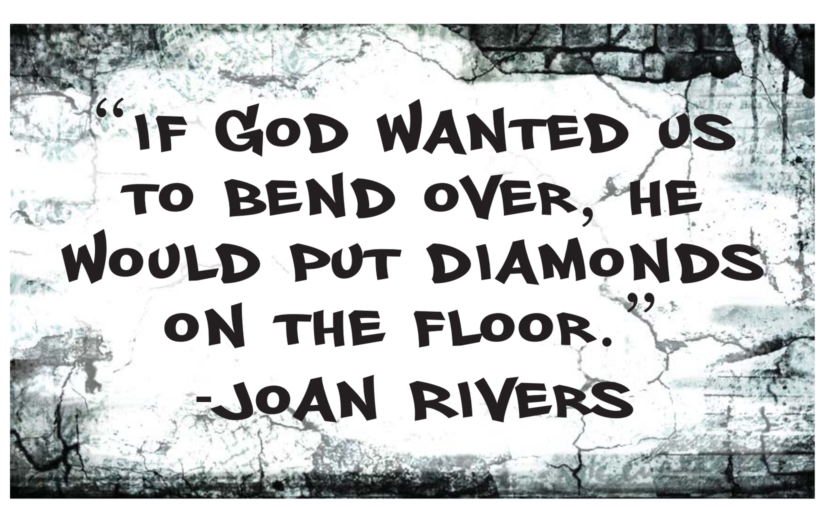

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

गुजरात जा रही 50 लाख की शराब जब्त, कंटेनर चालक गिरफ्तार

मोटर पार्ट्स की आड़ में शराब की तस्करी हो रही थी, रतनपुर बॉर्डर पर पुलिस ने कार्रवाई की

डूंगरपुर, (निसं)। बिछीवाड़ा थाना पुलिस ने शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने राजस्थान-गुजरात के रतनपुर बॉर्डर पर एक कंटेनर से 50 लाख रुपए की अवैध शराब बरामद की है, जिसे तस्करी कर गुजरात ले जाया जा रहा था। पुलिस ने शराब तस्करी के आरोप में कंटेनर ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है। मोटर पार्टस की आड़ में अवैध शराब की तस्करी हो रही थी।

जिला पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार ने बताया कि अवैध शराब तस्करी के खिलाफ ऑपरेशन स्वच्छता के तहत अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत राजस्थान-गुजरात के रतनपुर बॉर्डर से अवैध शराब तस्करी की सूचना मिली थी, जिस पर बिछीवाड़ा थाना अधिकारी कैलाश सोनी के साथ ही पुलिस टीम ने बॉर्डर पर नाकाबंदी कर दी। इस दौरान उदयपुर से आने वाली गाड़ियों की तलाशी ली गई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक कंटेनर को रुकवाया और ड्राइवर से पूछताछ की, लेकिन वह सही जवाब नहीं दे सका। इस पर पुलिस ने कंटेनर की तलाशी ली तो उसमें मोटर पार्टस की आड़ में अवैध रूप से शराब की पेटियां भरी हुई मिली, जिसे लेकर ड्राइवर के पास कोई कागजात भी नहीं मिले। पुलिस ने शराब से भरे ट्रक को जब्त कर लिया है। वहीं, शराब को ट्रक से उतारकर गिनती की गई तो उसमें 439 पेटी शराब मिली। जिसकी बाजार कीमत करीब 50 लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने शराब तस्करी करते ड्राइवर लिसमन रामचारण को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस तस्कर से शराब को कहां से गुजरात में किन ठिकानों पर तस्करी कर ले जा रहे थे, इस बारे में पूछताछ कर रही है। बिछीवाड़ा पुलिस ने एक दिन पहले सोमवार को भी अवैध शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 15 लाख की शराब से भरे ट्रक को जब्त किया था।

बिछीवाड़ा थाना पुलिस ने अवैध शराब जब्त कर चालक को गिरफ्तार किया।

- शराब को ट्रक कंटेनर से उतारकर गिनती की गई तो उसमें 439 पेटी शराब भरी मिली

सायबर ठगों को बैंक खाते दिलाने वाले पांच आरोपी गिरफ्तार

अलवर, (निसं)। किराए पर बैंक खाते देकर सायबर ठगों के 4 करोड़ रुपए के लेन-देन करने वाले 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इनके पूरे नेटवर्क की पुलिस पड़ताल कर रही है। मामला अलवर के मालाखेड़ा थाने का है।

- अकाउंट से चार करोड़ के लेनदेन का खुलासा, मालाखेड़ा से पकड़ा

अलवर एसपी सुधीर चौधरी ने बताया कि मामले में पांच आरोपी नरेश कुमार मीना (23) पुत्र बनवारी लाल मीना निवासी कलसाडा मालाखेड़ा, जगदेव मीना (25) पुत्र बल्लू राम निवासी निठारी थाना मालाखेड़ा, सतेंद्र सैनी पुत्र विश्राम लाल सैनी निवासी दल्ला की कोठी बरखेड़ा थाना मालाखेड़ा, नीरज कुमार पुत्र विश्राम सैनी निवासी दल्ला की कोठी बरखेड़ा मालाखेड़ा, हितेश उर्फ गब्बर (25) पुत्र राजेंद्र प्रसाद निवासी बरखेड़ा थाना मालाखेड़ा को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों को पकड़ने वाली टीम में एसएचओ हितेश शर्मा, एएसआई राजेन्द्र, कॉन्स्टेबल रिंकूराम, राजेश, सुरेश यादव व बिन्टू शामिल रहे।

अलवर में पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया।

हमले के दोषी को सजा

कोटा, (निसं)। युवक पर चाकू से जानलेवा हमले के साढ़े चार पुराने मामले में सुनवाई करते हुए महिला उत्पीड़न क्रम-1 न्यायालय ने पकड़े गये आरोपी को दोषी मानते हुए पांच साल की सजा सुनाई। महिला उत्पीड़न क्रम-1 न्यायालय की न्यायाधीश ने जानलेवा हमले के मामले में पकड़े गये आरोपी मोहम्मद समीर उर्फ लाला को दोषी मानते हुए पांच साल की सजा सुनवाई। साथ ही 14 हजार के अर्थदंड से दंडित किया। मामले में जानकारी के अनुसार 8 अक्टूबर 2020 को परिवादिया सुमित्रा कंवर ने विज्ञान नगर थाने में रिपोर्ट दी थी। परिवादिया ने रिपोर्ट में कहा कि उसका बेटा पुष्पेन्द्र सिंह मोटरसाइकिल से रिमोट के सेल लेने के लिये साहू किशन स्टोर पर गया था। दुकान के सामने ही कुछ जनों ने उसके बेटे को जान से मारने की नियत से चाकू से हमला कर उसके बेटे के पेट पर गंभीर चोट पहुंचाई। पुलिस ने परिवादिया की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया।

उदयपुर नगर निगम के सीआई व युवक में हुई हाथापाई

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में नगर निगम सीआई और युवक के बीच हाथापाई का मामला सामने आया है। सीआई मांगीलाल डांगी रेगर कॉलोनी में अतिक्रमण हटाने के बाद पोल हटाने गए थे। इस दौरान एक व्यक्ति ने रैंप हटाने के बाद भराव नहीं हटाने का विरोध जताया। साथ ही सीआई का वीडियो बनाने लगा। सीआई ने मोबाइल साइट में कर दिया।

मामला शहर के रेगर कॉलोनी का है, जहां पर नगर निगम की टीम ने रविवार को पेट्रोल पंप से लगती गली में सड़क सीमा में बने रैंप तोड़े थे। टीम के साथ सीआई मांगीलाल डांगी भी गए थे। नगर निगम के सुरक्षाकर्मियों और स्टाफ के रैंप तोड़ने पर लोगों ने विरोध किया। फिर अगले दिन सोमवार को एक पोल हटाने को लेकर नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची। सीआई मांगीलाल डांगी भी गए थे। डांगी लौट रहे थे। एक व्यक्ति ने रैंप हटाने के बाद भराव नहीं हटाने को लेकर विरोध जताया। बार-बार उनके सामने मोबाइल ले जाकर वीडियो बना रहा था। वह व्यक्ति बोल रहा था कि आपने मोबाइल क्यों फेंका।

- सीआई मांगीलाल डांगी रेगर कॉलोनी में अतिक्रमण हटाने के बाद पोल हटाने गए थे

इस बारे में सूरजपोल निवासी भरत कुमावत ने बताया कि कार्रवाई के लिए उनके आगे गली में टीम आई और रैंप तोड़ा। बाद में मेरे यहां आकर भी तोड़ने लगे तो मैंने कहा बरसों से यहां बना हुआ है आप नपती कर लो लेकिन नुकसान पहुंचा दिया। इस बीच उनसे उनका आईडी और आदेश मांगा लेकिन वे नहीं माने और तोड़कर चले गए। इस बीच उनसे उनका आईडी और आदेश मांगा लेकिन वे नहीं माने और तोड़कर चले गए। मैंने कहा दूसरे और अतिक्रमण है उनको नहीं तोड़ रहे हैं। ये सवाल उठाए हैं।

सीआई डांगी ने बताया कि गाड़ी से उन्होंने उतरकर मोबाइल हटवाया। कहा कि ये भराव गैरेज सेक्शन से गाड़ी आकर हटा देगी। इस बात को लेकर संबंधित व्यक्ति के साथ हाथापाई की गई यह बात फैल गई।

सीआई डांगी का कहना है कि उन्होंने कोई हाथापाई नहीं की। उनके इतना मना करने के बाद भी मुंह के पास मोबाइल लाकर वीडियो बना रहा था तो तो मैंने गाड़ी से उतर कर उसे पीछे गया। डांगी बोले हम वहां निर्देशों की पालना करते हुए नियमानुसार राजकीय कार्य करने गए थे।

दुष्कर्म का आरोप, केस दर्ज

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिला मुख्यालय पर सदर थाने में नाबालिग लड़की से दुष्कर्म का केस दर्ज हुआ है। इसमें एक युवक के खिलाफ एफआईआर हुई है। नाबालिग की उम्र करीब 15 वर्ष है। जानकारी के अनुसार पीड़ित श्रीगंगानगर में एक खेल एकेडमी में कोचिंग के लिए आती थी। आरोपी युवक भी नाबालिग के साथ खेल की कोचिंग लेता था। इसी दौरान दोनों की जान-पहचान हुई। आरोप है कि युवक ने नाबालिग को बहलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। सूत्रों के अनुसार युवक ने नाबालिग को बहलाकर अन्य शहर में ले जाकर भी दुष्कर्म कया। पुलिस संबंधित पक्षों के बयान दर्ज कर जांच में जुटी है। इस संबंध में थाना प्रभारी सुभाषचंद्र ने बताया कि पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

- पुलिस ने मामला दर्ज किया

नकली तेल के 18 टीन जब्त, दुकानदार गिरफ्तार

भीम, (निसं)। कस्बे के सदर बाजार में मंगलवार को भीम पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए होलसेल पुरण प्रकाश द्वारका दास के गोदाम पर नकली तेल बेचते हुए 18 टीन जब्त किये।

कुंदन एडिबल ऑयल कंपनी ब्यावर के प्रहलाद चंद ने 11 अगस्त को राजसमंद जिला पुलिस अधीक्षक को लिखित रिपोर्ट दी कि भीम थाना अंतर्गत कुछ दुकानदारों द्वारा पाली अनमोल तेल के पीपे भीम शहर के बाजारों में खुलेआम बिक रहे हैं, जबकि हमारी कंपनी का कोई प्रोजेक्ट नहीं है, जहां पर कंपनी के प्रहलाद चंद भीम शहर के दुकानदारों को पूछने पर जानकारी मिली कि उक्त तेल के पीपे होलसेल की दुकान भीम पूर्ण प्रकाश द्वारका दास मलिक निक्की सिंधी से आते हैं, जिस पर कंपनी का व्यक्ति प्रहलाद चंद्र मंगलवार को भीम थाने पहुंचा जहां पर सूचना दी गई, जिस पर कार्रवाई करने के लिए भीम थाने के सब इंस्पेक्टर ठाकरे राम, एएसआई बलवीर सिंह, बीट प्रभारी लखन राम आदि मय जाब्ता पूर्ण प्रकाश द्वारका दास के गोदाम पर जांच की गई। जिस पर 18 टीन तेल के पीपे जब्त किए गए एवं दुकान मालिक निक्की सिंधी को माल सहित भीम थाने ले आई।

श्रीअनमोल गोल्ड तेल कंपनी के प्रहलाद चंद्र ने बताया कि ब्यावर प्लांट से श्री अनमोल गोल्ड कंपनी से तेल बनता है, जिसका रजिस्ट्रेशन भारत सरकार द्वारा किया गया है। यह ओरिजिनल तेल है, जबकि उसी का नाम करके पाली अनमोल तेल के नाम से बाहर से लाकर बाजारों में बेच रहे हैं। पाली अनमोल तेल के इस्तेमाल पामोलिन की मात्रा अधिक डाली जाती है, जबकि पामोलिन की मात्रा कॉस्मेटिक सामग्री बनाने में काम में आती है। पाली अनमोल तेल की मोटाई अधिक होती है जिससे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है।

पुलिस ने तेल के पीपे जब्त किये।

आपत्तिजनक वीडियो अपलोड करने वाला गिरफ्तार

उदयपुर, (का.सं.)। सलूंबर जिले की सराड़ा थाना पुलिस ने सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक वीडियो डालने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाना क्षेत्र में शांतिभंग करने के मामले में छह युवकों को भी गिरफ्त में लिया है। थानाधिकारी हेमंत अहारी ने बताया कि आरोपी मोहित पुत्र लक्ष्मण मीणा ने सोशल मीडिया पर अपने इंस्टाग्राम आईडी से क्षेत्र में भय फैलाने के उद्देश्य से आपत्तिजनक वीडियो अपलोड किया। सूचना पर सायबर टीम की मदद से आरोपी की पहचान हुई, जिसके बाद उसे गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी माफी मांगने लगा और भविष्य में ऐसा कोई भी वीडियो नहीं बनाने की बात कहना लगा। थानाधिकारी ने लोगों से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर ऐसा कोई आपत्तिजनक वीडियो नहीं डाले। ऐसे लोगों पर सायबर टीम पूरी तरह नजर बनाए हुए हैं। उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

महिला को सांड ने चार फीट ऊपर उछाला, सीसीटीवी में कैद हुई घटना

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर में एक दिल दहलाने वाला वीडियो सामने आया है। यह वीडियो कोतवाली थाना क्षेत्र का है, जहां दो बेसहारा सांडों (मवेशियों) ने लड़ते हुए एक महिला को चपेट में ले लिया। महिला उछलकर दूर जा गिरी, जिससे महिला बेहोश हो गई। स्थानीय लोगों ने महिला को बचाया और परिजनों को अवगत कराकर महिला को आरबीएम अस्पताल में भर्ती कराया। महिला के सिर और हाथ में गंभीर चोटें आईं हैं, इसके अलावा पीठ में दर्द से परेशान है, लेकिन ऐसे हादसों के बाद नगर निगम प्रशासन कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

घटना शहर के चांदनी मैरिज होम के पास की है। शाहजहां (55) पत्नी रमजान निवासी पाई बाग ने बताया कि वह घर का सामान लेने के लिए बाजार गई थी। शाम करीब पांच बजे वह सामान लेकर पैदल घर जा रही थी। चांदनी मैरिज होम के पास दो सांड खड़े थे। मैं वहां से आगे निकल आई। तब उन दोनों में झगड़ा नहीं हो रहा था। जैसे ही मैं सांडों को क्रोस कर आगे बढ़ी तभी दोनों सांडों में झगड़ा हो गया। इतने में एक सांड ने शाहजहां को पीछे से टक्कर मारते हुए उछाल दिया। शाहजहां करीब 4 फीट ऊपर उछल कर करीब 6 फीट आगे की तरफ गिरी। सांड टक्कर मारते हुए वहां से निकल गया।

आसपास के लोगों ने जब घटना को देखा तो, वह तुरंत मौके पर आए और शाहजहां को संभाला, जिसके बाद शाहजहां के घर घटना की सूचना दी गई। तब शाहजहां के परिजन आये और उसे घर ले गए। शाहजहां से सिर सहित शरीर के कई हिस्सों में चोट लगी है। फिलहाल उसका घर ही इलाज जारी है। महिला ने अपील की है नगर निगम प्रशासन के द्वारा इन्हें पकड़वाने की कार्यवाही की जाएगी।

घायल महिला।

एचआईवी पीड़ित दो अनाथ बालिकाओं को नया आश्रय मिला

ब्यावर, (निसं) जिला प्रशासन, बाल कल्याण समिति और सामाजिक संस्था 'जीवनप्रकाश' के प्रयासों से ब्यावर की दो एचआईवी पीड़ित अनाथ बालिकाओं को नया जीवन और सुरक्षित आश्रय मिला। ब्यावर में कार्यरत निजी संस्था जेपीएनपी के संस्थापक एवं संचालक संजू चौधरी द्वारा कलेक्टर कमल राम मीना के समक्ष प्रकरण प्रस्तुत किया, जिसमें बताया कि 12 और 14 वर्ष की दो बालिकाएं, जो बचपन में ही एचआईवी के कारण माता-पिता को खो चुकी हैं, लंबे समय से असुरक्षित हालात में जीवन व्यतीत कर रही थी। जिला कलेक्टर ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त जिला कलेक्टर मोहनलाल खटनावलिया को शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए। एडीएम खटनावलिया ने तत्परता दिखाते हुए बालिकाओं की जानकारी सीडब्ल्यूसी अजमेर अध्यक्ष अंजली शर्मा को दी तथा जयपुर स्थित आशा की एक किरण केयर सेंटर में दाखिला दिलाने की प्रक्रिया प्रारंभ की।

ब्यावर : रा.उ. मा. विद्यालय अंधेरी देवरी में आजादी का अमृत महोत्सव एवं हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा रैली का आयोजन रखा गया। वरिष्ठ अध्यापक रामराज मीना ने बताया कि प्रधानाचार्य भगवान सहाय जारोडिया ने तिरंगा रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में तिरंगा हाथों में लिए छात्र एवं अध्यापक भारत माता के जयघोष के साथ विद्यालय प्रांगण से शुरू होकर गांव के मुख्य मार्गों से गुजरे। इस अवसर पर व्याख्याता शाइस्ता सुल्ताना, आशुतोष दाधीच, रामराज मीना, गिरधारी लाल, दीपशिखा जैन, अनीता शर्मा, रश्मि गुर्जर, प्रकाश डांगी, रेखा शर्मा, मोहम्मद इम्तियाज, मुस्कान यादव, ईश्वर लाल, सुरेन्द्र सिंह, भानूप्रकाश, सुशील चौधरी आदि उपस्थित रहे।

'अमर शहीद हेमू कालानी का साहस और त्याग देश के युवाओं के लिए प्रेरणा'

शाहपुरा/भीलवाड़ा, (निसं)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि अमर शहीद हेमू कालानी भारत के सबसे कम उम्र के स्वतंत्रता सेनानियों में से एक थे। उनका साहस और त्याग आज भी देश के युवाओं के लिए प्रेरणा है। यह स्मारक न केवल उनके बलिदान की कहानी कहेगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी राष्ट्रभक्ति का संदेश देगा। शाहपुरा के लिए यह एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर साबित होगा। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी मंगलवार को भीलवाड़ा जिले के एकदिवसीय दौरे के दौरान शाहपुरा स्थित सिंधी कॉलोनी में अमर शहीद हेमू कलानी के स्मारक व मूर्ति अनावरण समारोह में आमजन को संबोधित कर रहे थे।

- शाहपुरा में अमर शहीद हेमू कालानी स्मारक एवं मूर्ति का अनावरण समारोह आयोजित

मूर्ति अनावरण समारोह महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम महाराज के सानिध्य में आयोजित हुआ। यह आयोजन नगर पालिका शाहपुरा और पूज्य सिंधी पंचायत के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। समारोह में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, सनातन आश्रम के महामंडलेश्वर हंसराम महाराज, विधायक डॉक्टर लालाराम बैरवा, नगर पालिका अध्यक्ष रघुनंदन सोनी ने स्वतंत्रता सेनानी शहीद हेमू कालानी स्मारक का लोकार्पण किया। कार्यक्रम संयोजक मूलचंद पेशवानी ने बताया कि नगर पालिका तथा पूज्य सिंधी पंचायत द्वारा स्मारक का निर्माण कराया गया है, जिसका लोकार्पण किया गया है।

समारोह को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि अमर शहीद हेमू कालानी न केवल अच्छे छात्र थे अपितु बहुत अच्छे तैराक, साइकिल चालक और उत्कृष्ट धावक भी थे। 19 वर्ष की आयु जीवन को समझने की शुरुआत होती है, उस उम्र में देश के लिए फांसी के फंदे का वरण करना, राष्ट्र धर्म के निर्वहन का सर्वोच्च आदर्श है। इस अवसर पर स्थानीय विधायक लालाराम बैरवा, अमर शहीद हेमू कालानी के परिवारजन मुंबई से कमला कालानी, सुरेश कालानी, नरेश कालानी एवं नगर पालिका अध्यक्ष रघुनंदन सोनी, कार्यक्रम संयोजक मूलचंद पेशवानी समारोह में मौजूद रहे।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अमर शहीद हेमू कालानी के स्मारक व मूर्ति का अनावरण किया।

खेत में खड़ी 1336 किलोग्राम गांजे की फसल व 153 किलोग्राम गांजा जब्त

कानोड़, (निसं)। उदयपुर जिले की कानोड़ थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की धरपकड़ अभियान के तहत एक बड़ी कार्रवाई करते हुए डेढ़ क्विंटल से अधिक अवैध गांजा व करीब साढ़े तेरह क्विंटल गांजे की फसल जब्त करते हुए दो अभियुक्त को गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी मुकेश चंद्र खटीक ने बताया कि थाना सर्किल के विरया गांव में पहाड़ी क्षेत्र की आड़ व नदी दरिया के पेटे में दबीश दी गई, जहां एक खेत में गांजे की फसल बोई हुई थी जो हरी होकर लहलहा रही थी। फसल पर फूल-पत्ते व बीज भी आ चुके थे। वहीं खेत में स्थित कच्चे घर की तलाशी ली गई, जहां पर 15 प्लास्टिक कट्टों में सूखा गांजा भरा मिला। मौके पर मौजूद दो व्यक्तियों ने पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने दोनों को धर दबोचा। मौके पर मौजूद दोनों ने अपना नाम कैसा पिता धन्ना मीणा निवासी लकुकालेवा, पुलिस थाना लसाडिया हाल निवासी विरया व दूसरे ने अपना नाम राम सिंह उर्फ रामा पुत्र केशा उर्फ केशु मीणा निवासी मालो का ओड़ा, थाना लसाडिया होना बताया। दोनों ही अभियुक्तों के खिलाफ पुलिस थाना कानोड़ में एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर अनुसंधान थाना अधिकारी खेरोदा को सौंपी गई है।

पहाड़ी की ओट में करते थे गांजे की खेती :-पुलिस की पकड़ में आए दोनों अभियुक्तों ने यह बात स्वीकार करते हुए कहा कि पहाड़ी की आड़ लेकर गांजे की खेती करते हैं और मिलने वाले मुनाफे से अपना गुजारा चलाते थे। गौरतलब है कि क्षेत्र में पूर्व में भी कई बार पुलिस द्वारा अवैध गांजा पकड़ा है। पकड़े गए गांजे का वजन किया गया जिसमें 153.415 किलोग्राम सूखा गांजा होना पाया गया, वहीं खेत में खड़ी गांजे की फसल को कटवाते हुए उसका वजन किया तो 1336.600 किलोग्राम होना पाया गया।

थानाधिकारी मुकेश चंद्र ने बताया कि दोनों ही अभियुक्त अवैध कार्य करते हुए शातिर बदमाश प्रवृत्ति के हैं। उन्होंने अवैध कार्य को आम लोगों व पुलिस से बचाने के लिए खेत पर शिकारी कुत्ते पाल रखे थे, जिससे आम लोग भी उनके खेतों की तरफ जाने से डरते थे। पुलिस को भी अभियुक्तों तक पहुंचने में बड़ी मशक्कत करनी पड़ी। शातिर बदमाशों की धरपकड़ व अवैध गांजे को पकड़ने के लिए थाना अधिकारी मुकेश चंद्र खटीक द्वारा गठित टीम में कांस्टेबल राजेंद्र, देवीसिंह, खेमाराम, संतोष, दशरथ, चेतन प्रकाश, ओमप्रकाश, दीपक व महिला कांस्टेबल भगवत कुंवर की अहम भूमिका रही।

पुलिस ने गांजा जब्त कर दो जनों को गिरफ्तार किया।

- दो अभियुक्त गिरफ्तार, खेत में गांजे की फसल बोई हुई थी जो हरी होकर लहलहा रही थी
- अभियुक्तों ने अवैध कार्य को आम लोगों व पुलिस से बचाने के लिए खेत पर शिकारी कुत्ते पाल रखे थे

भाजपा कार्यकर्ताओं ने निकाली बाइक रैली व तिरंगा यात्रा

विधायक कुलदीप धनकड और जिलाध्यक्ष सुरेश बादलीवाल के नेतृत्व में भव्य बाइक रैली व तिरंगा यात्रा का आयोजन किया।

- देशभक्ति नारों से गूंजा कस्बा, युवा बोले- जय हिन्द- जय भारत

पावटा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत विराटनगर विधानसभा में पावटा प्रागपुरा भाजपा मंडल द्वारा विधायक कुलदीप धनकड और जिलाध्यक्ष सुरेश बादलीवाल के नेतृत्व में भव्य बाइक रैली व तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा भाजपा मंडल पावटा प्रागपुरा द्वारा आयोजित की गई।यात्रा प्रागपुरा थाने के सामने से प्रारंभ होकर रामलीला मैदान, राजपूत मोहल्ला, प्रागपुरा सर्विस लाईन होते हुए पावटा सुभाष चौक, घण्टाघर होते हुए एस के अस्पताल जाकर सभा में बदल गई। वक्ताओं ने अमर बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की।यात्रा के दौरान दिल दिया है जान भी देंगे ए वतन तेरे लिए जैसे देशभक्ति गीतों से माहौल देशभक्ति से सराबोर हो गया। इस दौरान विधायक कुलदीप धनकड ने कहा तिरंगा भारत की समृद्धि, सामर्थ्य और सम्मान का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आव्हान पर हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत आयोजित तिरंगा यात्रा के माध्यम से भाजपा जन-जन में राष्ट्र भक्ति का भाव बढ़ा रही है। उन्होंने आगे कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत ने अपनी शौर्य और सामर्थ्य का प्रदर्शन पूरे विश्व के सामने किया है। विधायक धनकड ने कहा कि विभाजन विभीषिका का स्मृति दिवस उन भारतवासियों को श्रद्धा पूर्वक याद करने का समय है। जिनका जीवन देश के बंटवारे की बलि चढ़ गया। यह दिन उन लोगों के दुख और संघर्ष को भी याद दिलाता है, जिन्होंने विस्थापन का दंश झेला है। देश के बंटवारे के दर्द को कभी भुलाया नहीं जा सकता। वही जिलाध्यक्ष सुरेश बादलीवाल ने कहा कि मोदी सरकार के आने के बाद से स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस केवल सरकारी कार्यक्रम न रहकर आम जनमानस का उत्सव बन गए हैं। मोदी जी के आव्हान पर आज देश की जनता इन दोनों राष्ट्रीय उत्सवों को पूरे उमंग व उत्साह से मनाती है।

कार्यक्रम में विधायक कुलदीप धनकड़, उपखंड अधिकारी कपिल कुमार, तहसीलदार, नायब तहसीलदार संजय खेदड़, थानाप्रभारी किरण सिंह, सहायक अभियंता संजीव झाखर, जेएन वीरेंद्र यादव, जिला अध्यक्ष सुरेश बादलीवाल, जिला प्रवक्ता राजेश शर्मा, उपाध्यक्ष सुरेश गिठाला, जगन चौधरी, नरपत सिंह, उपेंद्र सिंह, मुखराम धनकड़ मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी धर्मवीर जिन्दौलिया, अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सुरेश चंद्र कसाना, ब्लॉक कोऑर्डिनेटर एवं जिला सभाध्यक्ष गजानंद टीलावत, वरिष्ठ शिक्षाविद बजरंग सिंह राजपूत, जिला उपाध्यक्ष ओमप्रकाश बुनकर, उपशाखा अध्यक्ष रतन सिंह शेखावत, रतनलाल आर्य, वरिष्ठ सभा अध्यक्ष बजरंग सिंह शेखावत सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

'खैरथल को नाम बदलने की नहीं विकास की आवश्यकता है'

किशनगढ़ बास। विधायक दीपचंद खैरिया ने मुख्यमंत्री भजन लाल को पत्र लिखकर, खैरथल-तिजारा जिले का नाम बदलने पर विरोध जताया है और उन्होंने कहा खैरथल जिले को नाम बदलने की नहीं विकास की जरूरत है।

विधायक खैरिया ने पत्र में लिखा है कि समाचार पत्रों एवं वन एवं पर्यावरण मंत्री व सांसद अलवर भूपेंद्र यादव के ट्विट से जानकारी प्राप्त हुई है कि खैरथल-तिजारा जिले का नाम परिवर्तन कर भर्तृहरि नगर करने का निर्णय लिया गया है। इस निर्णय से आमजन में अत्यधिक आक्रोश है और सरकार की और से ये कदम जनहित में बिलकुल भी नहीं है। जहाँ तक राजर्षि भर्तृहरि की बात है वो तो अलवर ही नहीं अपितु समस्त भारतीयों के लिए श्रद्धा और सम्मान के योग्य हैं।

विधायक खैरिया ने लिखा है कि अलवर में राज्य सरकार ने भर्तृहरि पैनोरमा बनाकर एतिहासिक और धार्मिक पर्यटन का केंद्र बनाया है। महाराज भर्तृहरि का स्थल थानागाजी के पास सरिस्का में है जहाँ लाखों श्रद्धालु आते हैं। जिसका मार्ग बेहद क्षितग्रस्त है और धार्मिक पर्यटन को बढाने के लिए वहां विकास कार्यों की अत्यंत आवश्यकता है। सरकार उनके स्थल तक पहुँचने के लिए विशेष कोरिडोर का निर्माण करवाएं जिससे उनके भक्तों और पर्यटकों को सुविधा मिलेगी साथ ही धार्मिक पर्यटन के नक्शे पर भर्तृहरि को वैश्विक स्तर पर पहचान मिलेगी।उन्होंने कहा भर्तृहरि के नाम पर यदि किसी जिले का नामकरण किया जाना आवश्यक है तो इसके लिए उज्जैन जहाँ के राजा रहे या अलवर की जहाँ तपस्या की वो सबसे उपयुक्त है। खैरथल-तिजारा को नाम परिवर्तन नहीं विकास की आवश्यकता है आपकी सरकार ने अभी तक कोई विकास कार्य खैरथल में नहीं कराये हैं। उन्होंने लिखा है खैरथल का विकास गुरुग्राम की तर्ज पर करने की आपकी घोषणा नाम परिवर्तन और मुख्यालय हटाने के षड्यंत्र के रूप में सामने आई है।

तिरंगा रैली का आयोजन

पावटा। उपखंड पावटा के नर्बदा देवी बिहारी लाल जोशी राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं ने आजादी का अमृत महोत्सव और स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा रैली का आयोजन किया।

इस दौरान बच्चे हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारे लगाते हुए चल रहे थे। पूरे क्षेत्र में देशभक्ति के नारों की गूंज रही। इस दौरान प्रधानाचार्या विजया कौशिक ने तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

तिरंगा रैली में विद्यालय के छात्र-छात्राओं सहित गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। तिरंगा रैली विद्यालय प्रांगण से पावटा के मुख्य मार्गो व बाजारो से होते हुए पुनः विद्यालय पहुंची जहां रैली का समापन किया गया। बच्चों ने पूरे क्षेत्र में तिरंगा लेकर रैली निकाली है। लोगों को देश भक्ति की भावना से जागृत किया है। इस दौरान भाजपा जिला प्रवक्ता राजेश शर्मा ने पुष्प वर्षा कर तिरंगा रैली का स्वागत किया। रैली में राजेश कुमार गुर्जर,सुरेंद्र स्वामी,नीतू जेवरिया,राजेंद्र कुमार जाट, रामनिवास यादव, मधुसूदन, सुमन, सुनीता, मदन, विकास, रमेश, मनीष, शारीरिक शिक्षक लक्ष्मी चंद्रोह, वरिष्ठ व्याख्याता राजेश कुमार गुर्जर ने आजादी के अमृत महोत्सव पर प्रकाश डाला। रामनिवास यादव ने हर घर तिरंगा,हर घर स्वच्छता पर रोशन डाली, लक्ष्मी चंद्रोह शा.शि. ने अनुशासन पूर्वक रैली का नेतृत्व किया।

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किला शबनम वाहब पत्नी सिराजुद्दीन निवासी ग्राम अचरोल तहसील आमेर जिला जयपुर की सम्पतिया श्री सिराजुद्दीन खान पुत्र जुम्मा खान निवासी ग्राम अचरोल द्वारा एक फर्जी मुख्त्यारनामा आम दिनांक 20.12.2018 द्वारा खुर्द बुर्द व मुंतकिल किया जा रहा है जो कि गैर कानूनी है तथा इस मुख्तयारनामें के आधार पर किये गये किसी भी हस्तान्तरण से संबंधित व्यक्ति स्वयं जिम्मेदार होगा।
जयपुर रामजीलाल वर्मा, एडवोकेट
दिनांक:12.08.25 मो.-9460724689

आम-सूचना बेदखली सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि हम श्री राकेश कुमार गुप्ता पुत्र स्व0 श्री श्रीराम गुप्ता, व श्रीमति निशा गुप्ता पत्नि राकेश कुमर गुप्ता निवासी-प्लॉट न. 298, सागर रोड, आमेर जयपुर के रहने वाले और वृद्ध है दुखी हो कर हम हमारी पुत्री रांगनी गुप्ता उर्फ रांगनी सौखिया के द्वारा पिछले कई सालों से हमें हमारी स्वअर्जित सम्पति के लिये परेशान, प्रताडित, अपमान, और ब्लैकमेल. करती आ रही है इस लिये हम अपनी स्वअर्जित चल व अचल सम्पति से हमारी पुत्री रांगनी गुप्ता उर्फ रांगनी सौखिया को बेदखल करते है आज के बाद हमारी पुत्री रांगनी का हमसे व हमारी -सम्पति से कोई लेना देना नही है वह अपने कृत्यों के लिये स्वंय जिम्मेदार रहेगी सुचित रहें।
जयप्रकाश नारायण, एडवोकेट, मो.-9414605653

कार्यालय तहसीलदार तहसील सांगानेर
क्रमांक-रीडर/25/448 दिनांक-12/08/25
आम सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पीपला भरतसिंह पटवार हल्का जयसिंहपुरा के खसरा नंबर 694,695,727,728 कुल किता 04 कुल रकबा 1.00 है0 के खातेदार प्रभू नारायण सैन पुत्र श्री हजारी जाति सैन सा0 देह द्वारा रजि0 वसीयतनामा हेमराज सैन व भगवती प्रसाद सैन पुत्रान रामगोपाल सैन जाति नाई निवासी प्लाट नं0 20 मनु पथ सोडाला के हक में दिनांक 29/07/2024 को निष्पादित की थी। उक्त खसरा नंबरान के संबध में रजि0 वसीयत के आधार पर नामांतरकरण खोलने बावत प्रार्थी भगवती प्रसाद सैन व श्री हेमराज सैन पुत्रान श्री रामगोपाल जाति सैन निवासी प्लाट नं0 20 मनु पथ सोडाला द्वारा प्रा0 पत्र प्रस्तुत किया गया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है, उक्त खसरा नंबरान तथा वसीयत के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो कार्यालय की विज्ञिप्त प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर इस कार्यालय में प्रस्तुत करें। निर्धारित अवधि में आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर आवेदक के पक्ष में नामांतरकरण की कार्यवाही नियमानुसार कर दी जावेगी।
तहसीलदार, तहसील-सांगानेर (जयपुर)

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)
व्यवहार मिश्रित (मुतफरिक) वाद सं. 13659/2025
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी नाम रथीश बालाकृष्णन पुत्र ए.बालाकृष्णन जाति...
विवाद स्थान 9/674 सेक्टर नं. 9 मालवीय नगर जयपुर हाल निवासी 740 Trangivility Circle unit I Livermore C A 94551
मृतक (1) ए.बालाकृष्णन (2) रत्नम्मा गोपालन की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक- 30.08.2025
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम (1) ए.बालाकृष्णन पुत्र अरूमुगम (2) रत्नम्मा गोपालन पुत्री गोपालन जाति... निवासी 61-N अरावली हिल्स श्रीराम मंदिर नीयर रेल्वे कॉलोनी जगतपुरा जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें।
अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 30 माह 08 सन् 2025 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 11 माह 08 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
प्रार्थीगण ने मृतक ए.बालाकृष्णन व रत्नम्मा गोपालन के नाम प्रा.पत्र में वर्णित म्युचुअल फण्ड बाबत उत्तराधिकार प्रमाण पत्र चाहा है।
मोहर अदालत आज्ञा न्यायालय से-वरिष्ठ मुंसरिम जिला एवं सैशन न्यायालय जयपुर महानगर-प्रथम

न्यायालय जिला जज, करौली
सूआवाई बनाम हरखासआम
उत्तराधिकार प्रमाण पत्र सी.एम. 11/25
वास्ते नोटिस हरखासआम
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थीया सुआवाई मीना पत्नि श्री मुरारीलाल निवासी कर्मचारी कॉलेनी करौली की ओर से मृतक पुत्र स्व. जितेन्द्र मीना अध्यापक को मिलने वाले सेवापरिलाभ पेन्शन, ग्रेच्यूटी, बीमा इत्यादि रकम प्राप्त करने हेतु प्रस्तुत किया गया है। इस सन्दर्भ में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो वह दिनांक 29.08.2025 को सुबह 10.30 बजे न्यायालय में उप. होकर पेश करें।
यह आज दिनांक 08.08.2025 को न्यायालय के हस्ताक्षर व मुद्रा से जारी किया गया। मुहर आज्ञा से जिला जज, करौली

आम सूचना प्लाट नम्बर ए-77, आनन्द विहार-ए दादी का फाटक, झोटवाडा, जयपुर राजस्थान जो कि उक्त वर्णित सम्पत्ति जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर द्वारा श्रीमती मैना देवी सोनी पत्नी श्री दामोदर प्रसाद सोनी के नाम से आवंटित की गई थी, तत्पश्चात् श्रीमती मैना देवी का स्वर्गवास दिनाक 18.02.2019 को हो गया और उनके देहान्त के पश्चात् उक्त सम्पत्ति को उनके वारिसान उनके पति श्री दामोदर प्रसाद सोनी, दो पुत्र दिनेश सोनी एवं रामस्वरूप सोनी एवं एक पुत्री अनिता सोनी विधिक वारिसान, उत्तराधिकारी है तथा इनके अतिरिक्त अन्य कोई वारिसान नही है। तत्पश्चात दिनेश सोनी, रामस्वरूप सोनी एवं अनिता सोनी ने उक्त वर्णित सम्पत्ति के बाबत अपना-अपना हक-त्याग अपने पिताजी श्री दामोदर प्रसाद सोनी के हक में निष्पादित कर दिया गया है। यह कि उक्त वर्णित सम्पत्ति को श्री दामोदर प्रसाद सोनी द्वारा श्रीमती पुष्पा देवी स्वामी पत्नी श्री नरसी लाल स्वामी को विक्रय करने का इकरार किया गया है। यह कि उक्त वर्णित सम्पत्ति के एकमात्र मालिक, स्वामी, अधिकारी एवं काबिजदार श्री दामोदर प्रसाद सोनी ही है तथा इनके अतिरिक्त अन्य कोई वारिसान नहीं है। यह कि मेरा अभिभाष्य उक्त सम्पत्ति को क्रय करने हेतु एस.बी.आई. से ऋण प्राप्त कर रहा है। किसी को कोई आपत्ति हो तो 7 दिवस में सम्पर्क करें। बाद मियाद आपत्ति स्वीकार नही होगी। डॉ. रतीराम यादव (एडवोकेट)
दिनांक : 12.08.2025 मो. 8890898234

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-तृतीय
जेएलएन मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर, फोन: 0141-4901853
आम जाहिर सूचना
राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा कार्यालय आदेश क्रमांक 7032 दिनांक 09.10.2017 जारी कर आवास संख्या-4/H/531 इंदिरा गांधी नगर जयपुर का श्री प्रद्युम्न कुमार भट्ट पुत्र स्व. श्री गोवर्धनलाल राम नारायण भट्ट के पक्ष में किया गया था। श्री प्रद्युम्न कुमार भट्ट की मृत्यु दिनांक 27.02.2023 को हो जाने के कारण श्रीमती निधि भट्ट पत्नी श्री विनय भट्ट के द्वारा रजिस्टर्ड हकत्याग की छाया प्रति प्रस्तुत कर उक्त आवास का प्रतिस्थापन अपने पक्ष में करने का निवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास के प्रतिस्थापन के संबंध में किसी भी व्यक्ति/बैंक/संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्रीमती निधि भट्ट पत्नी श्री विनय भट्ट के पक्ष में उक्त आवास के प्रतिस्थापन की कार्यवाही कर दी जावेगी।
सम्पदा प्रबंधक, तृतीय, रा.आ.मण्डल, जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/505
चूंकि प्रार्थी श्री KAILASH SHARMA, PURANA POST OFFICE KE PASS KISHANGARH RENWAL JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास राजस्थान स्वायत शासन संस्था (राजस्थान इंस्टिट्यूट ऑफ लोकल सेल्फ गवर्मेन्ट) जयपुर, TONK ROAD JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 11-08-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइंदा तारीख पेशी 13/10/2025
मोहर अदालत सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/498
चूंकि प्रार्थी श्री LOKESH KUMAR BHARGAVA, PLOT NO 52, VIDYA SAGAR COLONY PADAMPURA ROAD SHIVDASPURA JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास सिध्देश्वर सरकार जन सेवा चेरिटेबल ट्रस्ट, PLOT NO 52, VIDYA SAGAR COLONY PADAMPURA ROAD SHIVDASPURA JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 11-08-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइंदा तारीख पेशी 15/10/2025
मोहर अदालत सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

नाम परिवर्तन

मैं खुश्बू आसवानी पुत्री श्री हरीश कुमार ने अपना नाम बदलकर मनीषा पमनानी कर लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे। पताः पर्ल 303, शाकम्भरी कोहिनूर रेजिडेन्सी, सांगानेर, रामपुरा रोड, जयपुर-302029

मैं नाहिद नाजमीन पत्नी श्री ऐजाज अहमद निवासी-64, हुसैन कॉलोनी, बिहादूंड बेनीवाल कांटा, रामगढ मोड, जयपुर मैंने मेरे पुत्र का नाम औसाब अहमद से बदलकर औसाफ अहमद (Ausaaf Ahmed) रख लिया है। भविष्य में इसे औसाफ अहमद के नाम से जाना जावे।

मैं मेरा नाम भावना कोठारी से बदलकर भावना जैन पत्नी श्री अनिल कुमार जैन निवासी 46/78, रजत पथ, मानसरोवर जयपुर (राज.) 302020 रख रही हूँ भविष्य में मुझे मेरे उक्त नये नाम से ही जाना पहचाना जावे।

मैं आर्मी न. 16025222H नायक जोगेन्द्र यूनिट 17 राजरिफ़ (सवाईमान) है! मेरे सैन्य दस्तावेजों मे मेरे पिताजी का नाम रमेश (Ramesh) है जो की गलत है। मेरे पिताजी का सही नाम रमेश सिंह सिकरवार (Ramesh Singh sikarwar) है।

"I, Om Prakash Meena, S/o. Ram Karan Meena, residing at 79, Ghodiya Ki Dhani, Kashipura, Jaipur, Rajasthan – 303908, have changed my name to Om Prakash Seth as per affidavit CA466156 dated 11.08.2025."

I army no JC 213567Y Ex SUB MAJ (Hony-Lt) Suresh Kumar Sharma S/O gheesa Lal Sharma resident of plot no 54 Shankar Nagar (B) Shankar colony road no1 vkia Jaipur that i want to change my wife name which is wrongly entered my service record from TARA VYAS To TARA SHARMA vide affidavit dated 7/8/2025 before district sub majistrate Jaipur city north

I have changed my name from Rituraj Singh Kan Singh Panwar to Rituraj Singh K Panwar for all purposes R/o 30 Govind Nagar IInd, Gokulpura, Kalwar Road Jhotwara Jaipur

नगरपालिका ने निकाली तिरंगा बाइक रैली

फुलेरा। आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत हर घर तिरंगा अभियान के तहत नगर पालिका मण्डल फुलेरा द्वारा एक भव्य तिरंगा बाइक रैली का आयोजन किया गया। रैली नगर के मुख्य मार्गों से होकर गुज़री और जगह-जगह लोगों ने देशभक्ति नारों के साथ प्रतिभागियों का स्वागत किया। पालिका के अधिशाषी अधिकारी सूर्यकांत शर्मा ने रैली के माध्यम से हर घर तिरंगा अभियान का महत्व बताते हुए कहा कि राष्ट्र ध्वज हमारे गौरव और एकता का प्रतीक है। इसे हर घर पर फहराना हमारे राष्ट्रीय स्वाभिमान का संदेश है। रैली में भाजपा मण्डल अध्यक्ष प्रणव अग्रवाल, पार्षद महावीर प्रसाद जैन, मदन गढ़वाल, पूर्व पार्षद दिलीप सुरोलिया, गोविन्द सिंह बडग़ुर्जर, शेष नारायण सैनी, सी.पी. त्रिपाठी, श्याम लाल सैनी सहित नगर पालिका कर्मी कृष्ण कुमार यादव, राकेश कुमार, नरेन्द्र कुमार, सौम्या, आरती गुर्जर, मधु कुमावत, ऋषि बोयत, महिपाल सिंह सहित आदि मौजूद रहे।

अस्थाई डंपिंग यार्ड में जहरीले कचरा खाने से हो रही गौवंश की मौत

- स्थानीय निवासियों व गौ रक्षकों ने बताया कि अस्थाई डंपिंग यार्ड में लगातार कचरा डाला जाता है, जिसमें कई बार जहरीले और हानिकारक पदार्थ भी शामिल होते हैं

पावटा। नगरपालिका पावटा प्रागपुरा के अस्थाई डंपिंग यार्ड में गौ वंश की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो रही है। गौरक्षकों व स्थानीय निवासियों की मानें, तो गौ वंश की मौत का कारण जहरीला कचरा खाने से से होने की आशंका जताई जा रही है।

हो रही है। गोवंश की मौत पर गौ सेवकों ने स्थानीय निकाय की कार्यशैली पर सवाल उठाए और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए मंगलवार को कचरा डालने आए वाहनों को रोक दिया व कचरा नहीं डालने दिया। यह घटना पावटा प्रागपुरा नगरपालिका क्षेत्र के पावटा कस्बे में गोपाल भैया मंदिर के पीछे नदी बहाव क्षेत्र में स्थित अस्थाई डंपिंग यार्ड की है, जहां कचरों के ऊंचे ऊंचे पहाड़ जैसे ढेर व उसकी दुर्गंध और मृत मवेशियों के दृश्य ने स्थानीय लोगों व गौ रक्षकों को झकझोर कर रख दिया है। इसे लेकर गौ सेवा से जुड़े गौ रक्षक मौके पर पहुंचे और मृत गायों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए नगरपालिका द्वारा क्षेत्र से लाए गए कचरों के वाहनों को रोक दिया व कचरा नहीं डालने दिया। स्थानीय लोगों व गौ रक्षकों ने इसे नगरपालिका की लापरवाही करार दिया और जल्द ही जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। स्थानीय निवासियों व गौ रक्षकों ने बताया कि अस्थाई डंपिंग यार्ड में लगातार कचरा डाला जाता है, जिसमें कई बार जहरीले और हानिकारक पदार्थ भी शामिल होते हैं।

इन बेसहारा पशुओं की जान का खतरा बना हुआ है। पॉलीथिन व अन्य पदार्थ खाने से पशुओं की मौत हो जाती है। डंपिंग यार्ड की चारदीवारी नहीं होने के कारण बेसहारा पशु अंदर चले जाते है। जहां पर पशु पॉलीथिन व अन्य कचरे को खाने लगते हैं। कई पशुओं की इस पॉलीथिन के खाने से अकाल मौत हो चुकी है। लेकिन इन सभी से अनजान नगरपालिका इस ओर न तो कोई ध्यान दे रहा है और न ही इन पशुओं को सुरक्षित करने के लिए कोई उपाय कर रहा है। इन कचरे के ढेरों से दुर्गंध के कारण आसपास के लोगों का जीना दूभर हो गया है और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। इस बीच, गौ रक्षकों व स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि अस्थाई डंपिंग यार्ड की स्थिति में सुधार लाया जाए और गोवंश की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। गौ रक्षकों ने बताया कि इस अस्थाई डंपिंग यार्ड में खुले में कचरा फेंका जा रहा है। जिससे आसपास के गांवों के लोग भी परेशान है। साथ ही कई गोवंश भी कचरे के ऊपर मंडराते है। जिससे उनकी मौत हो जाती है।

देवली में स्मार्ट मीटर को लेकर भ्रांतियां दूर की

- देवली में विद्युत विभाग के अधिकारियों ने पुराने मीटर और स्मार्ट मीटर के बीच एक समानता पाई,,
- पुराने मीटर के साथ स्मार्ट मीटर को 15 दिन तक लगाकर चेक किया रीडिंग में एक यूनिट का भी अंतर नहीं आया

देवली। स्मार्ट मीटर को लेकर पूरे प्रदेश भर में बिजली उपभोक्ता और लोगों के बीच अधिक रीडिंग निकालने की भ्रांतियां बनी हुई है। इसी के चलते विद्युत विभाग के अधिकारियों ने देवली शहर के वार्ड नंबर 5 खटीक मोहल्ला में रहने वाले विद्युत उपभोक्ता बालूराम भूरालाल के यहां पुराने मीटर के साथ स्मार्ट मीटर 15 दिनों तक स्थापित करके दोनों मीटर का प्रशिक्षण किया ऐसे 12 अगस्त मंगलवार को 14 दिन बीत जाने के बाद विद्युत विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उपभोक्ता बालूराम भूरालाल के घर पर लगाए गए पुराने मीटर और स्मार्ट मीटर,,दोनों मीटर की रीडिंग कि,चेकिंग की तो वहां मौजूद सभी व्यक्तियों के सामने दोनों मीटर की रीडिंग एक समान सामने आई। तो वहीं प्रदेश भर में स्मार्ट मीटर को लेकर बन रही भ्रांतियां के बीच यहां दोनों मीटर कि रीडिंग मे एक समानता पाई गई। जानकारी के अनुसार हुआ यह था कि 30 जुलाई 2025 को विद्युत विभाग के कर्मचारी स्मार्ट मीटर लगाने के लिए वार्ड नंबर 5 के उपभोक्ताओं के घरों पर पहुंचे इस दौरान विद्युत कर्मचारी यहां घरों में लग हुए पुराने मीटर बदलकर स्मार्ट मीटर लगा रहे थे। उक्त दौरान यहां विद्युत विद्युत कर्मचारियों को लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा।ऐसे में स्मार्ट मीटर को लेकर कई तरह की भ्रांतियां यहा लोगों के बीच बनी हुई थी। ऐसे में विवाद उत्पन्न ना हो इस बीच एक उपभोक्ता ने विभाग के अधिकारियों से राय मशवरा कर अनुरोध किया कि उसके घर पर लगे बिजली के पुराने मीटर के साथ स्मार्ट मीटर को एक सप्ताह तक लगाकर छोड़ दिया जाए। तो पुराने मीटर और स्मार्ट मीटर की समानता के,परिणाम में क्या अंतर आता है।

यह है स्पष्ट हो जायेगा। 30 जुलाई को उपभोक्ता के घर पर पुराने मीटर की रीडिंग 7306 इंद्राज की गई थी 15 दिन बाद उपभोक्ता के पुराने मी 7421 यूनिट पुराने मीटर में अंकित दिखाई दी। ऐसे में 14 दिनों के भीतर उपभोक्ता ने कुल 114 यूनिट बिजली का उपयोग किया वही पुरानी मीटर के साथ लगे हुए स्मार्ट मीटर में भी 114 यूनिट बिजली की खपत की रीडिंग निकलकर सामने आई। उल्लेखनीय की स्मार्ट मीटर को लेकर प्रदेश में चल रही अटकलें और भ्रांतियां के बीच जिस उपभोक्ता की यहां पुराने मीटर के साथ स्मार्ट मीटर को परीक्षण के लिए लगाया गया तब उस समय दर्जनों व्यक्ति मौके पर मौजूद रहे थे। और 15 दिन बाद वार्ड वासियों के बीच उक्त दोनों मीटर की रीडिंग चेकिंग की गई जिस पर दोनों मीटर की रीडिंग में कोई अंतर सामने नहीं आया। और वही पुराने मीटर और स्मार्ट मीटर में एक समानता दिखाई दी। देवली विद्युत विभाग के अधिकारी दिनेश कुमार जैन ने अपने शहर के उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर के प्रति संतुष्ट करने के लिए उपभोक्ता की राय पर यह प्रशिक्षण कर दिखाया

'हर घर तिरंगा अभियान से जुड़े'

कोटपूतली। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रेरणा एवं सरकार के निर्देशानुसार जिले में 2 से 15 अगस्त तक 'हर घर तिरंगा अभियान' का आयोजन कर आमजन में देशभक्ति की भावना का संचार करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जिला कलक्टर प्रियंका गोस्वामी ने कहा कि यह अभियान सरकार द्वारा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शुरू की गई एक पहल है, जिसके तहत लोगों को अपने घरों पर तिरंगा झंडा फहराने के लिए प्रेरित किया जाता है। इस अभियान का उद्देश्य देशभक्ति की भावना को प्रोत्साहित करना और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान को बढ़ावा देना है। तिरंगा वोलिंटियर्स कार्यक्रम के तहत जिले के सभी कार्मिक, आमजन, युवा, महिला, छात्र-छात्राएँ आदि जो देशभक्ति के संबंध में आमजनता को जागरूक करने के लिए हर घर तिरंगा वेबसाइट पर वोलिंटियर्स के रूप में पंजीकरण कराएं।

नम्बर मिलाइए 9587884433

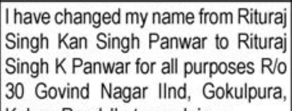

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

कार्यालय ग्राम पंचायत बहरावण्डा खुर्द पंचायत समिति खण्डार जिला सवाई माधोपुर
क्रमांक-2025-26/SPL-01 **ई-निविदा सूचना संख्या 04/2025-26** दिनांक 12.08.2025
पंचायत समिति खण्डार के अधीन ग्राम पंचायत बहरावण्डा खुर्द में विभिन्न योजनाओं में निर्माण कार्य हेतु इच्छुक बोली दाताओं / फर्मो से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेन्ट प्रक्रिया द्वारा दिनांक 22.08.2025 तक सांय 06.00 बजे ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।
उक्त निविदाओं से सम्बन्धित अन्य विवरण एवं दस्तावेज राजस्थान के लोक उपापन पोर्टल https://eproc.rajasthan.gov.in एवं एसपीपीपी पोर्टल https://sppp.rajasthan.gov.in/ पर देखी जा सकती है।
Tender ID 2025_PRD_493853_1
NIB -ZSM2526A0509, UBN -ZSM2526WSOB00576
ग्राम विकास अधिकारी, प्रशासक, ग्राम पंचायत बहरावण्डा खुर्द पं.स. खण्डार (सवाई माधोपुर) प्रशासक, ग्राम पंचायत बहरावण्डा खुर्द पं.स. खण्डार (सवाई माधोपुर)

राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद
सवाई मानसिंह स्टेडियम, जनपथ, जयपुर कार्यालय दूरभाष नं0 0141-2744283, फैक्स नं0 0141-2740568, ईमेल आईडी - rsscjaipur@gmail.com
क्रमांक :- एफ-9/खेल उपकरण आगार/2025-26/190 दिनांक :- 08/08/2025
निविदा संख्या 30/2025-26
राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद, जयपुर में निर्माता/अधिकृत विक्रेताओं से राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के 10 मीटर एयर पिस्टल खेल उपकरणों की आपूर्ति हेतु सीलबन्द लिफाफों में एतद् द्वारा निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद, जयपुर कार्यालय में दिनांक 18.08.2025 को अपराह्न 1.00 बजे तक प्राप्त की जावेगी तथा उसी दिन सायं 4.00 बजे उपस्थित निर्माता/अधिकृत विक्रेताओं अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जावेगी। निविदा का सम्पूर्ण विवरण http://sppp.rajasthan.gov.in & www.rssc.in पर देखी जा सकती है।
UBN No. : RSC2526GSOB00031
राज.संवाद/सी/25/8021 सचिव

JAIPUR METRO RAIL CORPORATION LIMITED
1st Floor, Admin building, Metro Depot, Bhrigu Path, Mansarovar, Jaipur-302020
Tel. No. 0141- 2822116; E-mail : mgrtr@jaipurmetrorail.in
No. : JMRC/O&S/EL/2025-26/NIB/010
NOTICE INVITING BID
JMRC invites bids from the eligible contractors/suppliers for "Procurement of Various Consumables and Spares of OHE installation." With estimated cost ₹ 24,86,732 incl. all taxes. Scheduled Last Date and Time for Submission of Bids is 21.08.2025 by 14:00 Hrs. Please visit JMRC website https://transport.rajasthan.gov.in/jmrc, SPPP Portal https://sppp.rajasthan.gov.in or https://eproc.rajasthan.gov.in for all Corrigendum/clarification/addendum. (UBN No. JMR2526GLOB00068)
Raj.Samwad/C/25/8012 GM (Traction/E&M)
प्रदूषण रहित, सस्ता, सुरक्षित एवं आरामदायक सफर - जयपुर मेट्रो

गुमशुदगी रिपोर्ट दिनांक 06 अगस्त 2025 समय पूर्वान्ह लगभग 12 30 बजे संगम हाथ करघा वस्त्र उत्पादक सहकारी समिति लि. का अंकेक्षण योग्य रिकार्ड वास्ते अंकेक्षण कार्यालय अंकेक्षण सरकारी समितियाँ जयपुर फैक्ट्री वी. के. आई से पीतल फैक्ट्री, हाथी बाबू मार्ग सिन्धी कैंप वनस्थली मार्ग होते हुए जा रहे था तब रास्ते में बाईक के पीछे लटका हुआ रिकार्ड थैला गिर गया है।
निवेदन है कि अगर किसी को मिले तो उपरोक्त कार्यालय पता एच. 332 बी., रोड़ नं. 17 वी. के. आई, बस स्टैण्ड के जयपुर मोबाईल नं. 8696444460 पर सूचित कर सुपुर्द करें आभारी होगें।
तैय्यब मंसूरी (सचिव) समिति हाजा

द्वितीय पुण्यतिथि

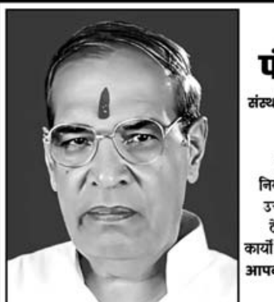

1932 - 2023

पं. श्री रामकृपालु शर्मा
संस्थापक अध्यक्ष - श्री संजय शर्मा संग्रहालय एवं शोध संस्थान जलमहल के सामने, आमेर रोड, जयपुर
भारतीय कला, संस्कृति एवं प्राचीन ज्ञान विज्ञान के कुशल संग्राहक, गहन अनुरागी, कला मर्मज्ञ, संग्रहालय नियोजक, पाण्डुलिपि विशेषज्ञ आपकी उदारता, कर्तव्यनिष्ठा, उच्च आदर्श, दूरदर्शिता एवं संघर्षपूर्ण जीवन समाज परिवार देश के लिए प्रेरणा स्त्रोत रहा है। प्राच्य विद्याओं में आपके कार्यों से संग्रहालय में आपका योगदान प्रेरणादायक और स्तुत्य है। आपकी द्वितीय पुण्यतिथि पर हम सभी आपको शत्-शत् नमन करते हुए आपके आदर्शों को आगे बढ़ाते रहेंगे।
श्रद्धावनत
तिलक-मधु शर्मा (पुत्र-पुत्रवधू), तृचा (पौत्री), चैतन्य-ईशा (पौत्र-पौत्रवधू), श्रीवत्स (पौत्र) यज्ञा (प्रपौत्री) एवं समस्त संग्रहालय परिवार

तीये की बैठक

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारी पूजनीया माताजी
श्रीमती कौशल्या देवी
धर्मपत्नी श्री नानगराम महावर का स्वर्गवास दिनांक 11/8/25 को हो गया है। जिनकी तीये की बैठक दिनांक 13/8/25 को 5 से 6 बजे तक निज निवास स्थान प्लाट नं. 11ए, निर्मल स्कूल शंकर नगर पुलिया, गोविन्द नगर पश्चिम आमेर रोड, जयपुर
शोकाकुल- श्री नानगराम (पति), सेवाराम- प्रेमचन्द (देवर) पुरूषोत्तम-सत्यनारायण (पुत्र) मो.-7230023009

बिजली के स्मार्ट मीटर की योजना वापस लें राज्य सरकार : कसाना

- श्री श्री 1008 श्री ठाडेश्वर जी महाराज के वार्षिकोत्सव समारोह में पूर्व संसदीय सचिव रामस्वरूप कसाना का ऐलान किसानों की पगड़ी के सम्मान से समझौता किसी भी सुरत में बर्दाश्त

कोटपूतली। प्रदेश भर में लगाये जा रहे बिजली के स्मार्ट मीटरों के विरोध की आग धीरे- धीरे राज्य के अन्य हिस्सों की तरह कोटपूतली में भी पहुंच गई हैं। उल्लेखनीय है कि इन स्मार्ट मीटरों के विरोध में वरिष्ठ कांग्रेस नेता व पूर्व संसदीय सचिव रामस्वरूप कसाना निरन्तर हुंकार भर रहे हैं। विगत दिनों ग्राम गोनेड़ा में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने बिजली के स्मार्ट मीटर को किसान विरोधी करार दिया था। वहीं मंगलवार को क्षेत्र के ग्राम मोलाहेड़ा में आयोजित श्री श्री 1008 श्री ठाडेश्वर जी महाराज के वार्षिकोत्सव समारोह में कसाना ने भजन लाल सरकार को किसान विरोधी करार देते हुये अंग्रेजी सरकार का प्रतीक बताकर चुनौती दे डाली। कसाना ने कहा कि बिजली के स्मार्ट मीटर किसानों के विरूद्ध राज्य सरकार का एक षड्यंत्र हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्मार्ट मीटरों को वापस लें, नहीं तो किसान इसके विरोध में बड़ा आन्दोलन करेगें।

वहीं वार्षिकोत्सव समारोह में कसाना ने युवा पीढ़ी को पढ़-लिखकर जीवन में सफलता अर्जित करते हुये अपने माता-पिता का सम्मान बढ़ाने का संदेश दिया। कसाना ने कहा कि अगर स्वर्ग कहीं है तो माता-पिता के चरणों में ही हैं। इस दौरान आयोजित भण्डारे में हजारों की संख्या में श्रद्धालूओं ने पंगत प्रसादी ग्रहण करते हुये ठाडेश्वर महाराज का आशीर्वाद ग्रहण किया। इससे पूर्व सोमवार रात्रि विशाल जागरण का आयोजन हुआ। वहीं मंगलवार को जयराम ठेकला व प्रहलाद भडाना एण्ड पार्टी द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। मेले में लम्बी कूद प्रतियोगिता का आयोजन भी हुआ। सभी अतिथियों का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया गया। इस दौरान श्री देवनारायण जन कल्याण संस्थान के प्रदेशाध्यक्ष शंकर लाल कसाना, देवनारायण सेवा समिति के जिलाध्यक्ष दयाराम कसाना, बिड़दाराम जेलदार, नाहरसिंह, लाखाराम हवलदार, भागीरथ, छाजुराम, रोशन हवलदार, चिरंजी सरपंच, राजा सरपंच, भाजपा नेता यादराम जांगल, सरपंच प्रतिनिधि शीशराम गुर्जर, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष सांवत गुर्जर व महेन्द्र गुर्जर, मालाराम मास्टर, गुलझारी, ओपी जांगल, राजपाल जांगल, कृष्ण जांगल समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहें।

भांडागारण विकास और विनियामक प्राधिकरण
भारत सरकार
एन सीयू आई भवन, चौथी मंज़िल, 3, सीरी इंस्टीट्यूश्नल एरिया, अगस्त क्रान्ति मार्ग, होज़ खास, नई दिल्ली - 110016, दूरभाष: - 49536496, 49092978
Warehousing Development and Regulatory Authority
Government of India
NCUI Building, 4th Floor, 3, Siri Institutional Area, August Kranti Marg, Hauz Khas, New Delhi - 110016, Tel. No. 49536496, 49092978

फा. सं. WDRA-HR0Dep(DDIT)/1/2022-HR/1650 **दिनांक**: 04.08.2025

भांडागारण विकास और विनियामक प्राधिकरण (WDRA) केंद्रीय/राज्य सरकारों/केंद्रीय एवं राज्य पीएसयू/स्वायत्त/वैधानिक निकायों में कार्यरत पात्र कार्मिकों से निम्नलिखित पद को प्रतिनियुक्ति/आमेलन के आधार पर भरने हेतु आवेदन आमंत्रित करता है: -

क्रम संख्या	पद का नाम	रिक्तियों की संख्या	संदर्भ विज्ञापन
1	उप निदेशक (सूचना प्रौद्योगिकी) [स्तर-11 (रु. 67700-208700) (7वां सीपीसी)]	01 (regular)	सं.WDRA-HR0Dep(DDIT)/1/2022-HR/1067 dated 06.06.2025 शुद्धिपत्र सं. WDRA-HR0Dep(DDIT)/1/2022-HR/1649 dated: 04.08.2025

विस्तृत जानकारी प्राधिकरण की वेबसाइट www.wdra.gov.in पर देखी जा सकती है।
निर्धारित प्रारूप में आवेदन, जो वेबसाइट पर उपलब्ध है, सहायक निदेशक (मानव संसाधन), भांडागारण विकास और विनियामक प्राधिकरण, नई दिल्ली को 31 अगस्त 2025 तक प्रस्तुत किया जा सकता है।
यदि कोई संशोधन आदि होता है, तो वह WDRA की वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा।
-हस्ताक्षरित-
(विनीता सोलोमन)
सहायक निदेशक (मानव संसाधन)
CBC-08109/11/0006/2526

संक्षिप्त

मोनिका यादव बनी चिकित्सा अधिकारी

कोटपूतली। जिले के निकटवर्ती ग्राम नारेहड़ा कि छोटी सी ढाणी गुंदकावाली की बेटी डॉ मोनिका यादव चिकित्सा अधिकारी बनी है। उनकी प्रथम नियुक्ति ग्राम पवाना अहीर में चिकित्सक के पद हुई है। आपको बता दें कि डॉ मोनिका के दादा ओमकार यादव दादी श्रीमति सरवन देवी गांव के प्रतिष्ठित व्यक्तियों में गिने जाते रहे हैं डॉ मोनिका का पूरा परिवार उच्च शिक्षित परिवार है मोनिका के छोटे भाई बड़ी कम्पनियों में उच्च पैकेज पर कार्यरत है ओर छोटे भाई बहिन दिल्ली यूनिवर्सिटी जैसी संस्थाओं में हायर एजुकेशन प्राप्त कर रहे हैं। डॉ मोनिका के पिता व चाचा भारतीय सेना की सिविल सेवा में इंजिनियर ओर एक चाचा अंतर्राष्ट्रीय मानवधिकार संगठन प्रदेश अध्यक्ष व प्रतिष्ठित मीडिया ग्रुप में कार्यरत हैं डॉ मोनिका ने बताया कि शिक्षा से बड़ा कोई हथियार नहीं है मेरे दादा ओर दादीजी अनपढ़ थे पर शिक्षा का महत्व बखूबी समझते थे उनका सख्त अनुशासन आज मेरे परिवार की ताकत है मेरे दादाजी को शिक्षा के महत्व की प्रेरणा मेरे गांव के बड़े लोगों से मिलती थी।

सैनी समाज की कार्यकारिणी की बैठक आयोजित

कोटपूतली। सैनी सभा भवन नंबर 01 में सैनी सभा संस्था द्वारा सैनी समाज की बैठक अध्यक्ष रामसिंह सैनी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। जिसमें शपथ ग्रहण व विवाह सम्मेलन पर सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। बैठक में बताया गया कि सैनी सभा भवन नंबर 01 में रिपेयरिंग का कार्य प्रगति पर हैं। वहीं समाज की जिला बैठक का आयोजन किये जाने का निर्णय लिया गया। बैठक में कई सामाजिक मुद्दों पर चर्चा की गई। इस दौरान पूर्व अध्यक्ष राकेश सैनी, पूर्व उपाध्यक्ष रोहिताश सैनी, एड. योगेश सैनी, प्रकाश तौंदवाल, रामकुमार सैनी, पूर्व पार्षद राजेंद्र सैनी, कृष्ण कारोड़िया, पत्रकार बिल्लूराम सैनी, उदय तौंदवाल, रामजीलाल सैनी, ललित कुमार सैनी, विक्की माली, दिनेश कुमार सैनी, राजेश सैनी, जयराम सैनी, पप्पूराम सैनी, राहुल सैनी, विशंभर सैनी, प्रीतम सैनी, सुगन चंद सैनी, सुभाष जमालपुरिया, अरुण कुमार सैनी, बिट्टू कुमार सैनी, विजय सैनी, राजेश सैनी आदि मौजूद रहे।

अन्तिम तिथि 25 अगस्त

कोटपूतली। वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय में जुलाई सत्र में प्रवेश प्रकिया जारी हैं। जिसमें 25 अगस्त तक आवेदन किया जा सकता हैं। यहां के राजकीय एलबीएस पीजी महाविधालय में स्थापित अध्ययन केन्द्र के मुख्य समन्वयक प्राचार्य प्रो. आर.के. सिंह ने बताया कि वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा कि महिला अभ्यर्थियों को बालिका दूरस्थ शिक्षा योजना में राज्य सरकार की ओर से फीस का पुनर्भरण होगा। समवन्यक प्रो.अशोक सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय में वर्तमान में स्नातक कला, विज्ञान, पुस्तकालय, पत्रकारिता एवं स्नातकोतर में विभिन्न विषयों के साथ डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट में प्रवेश जारी है। इच्छुक विद्यार्थी प्रवेश से सम्बन्धित जानकारी हेतु महाविद्यालय में वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा की हैल्प डेस्क पर सम्पर्क कर सकते है।

बैठक आयोजित

दूदू। कस्बे मैं स्थित रघुनाथ जी के मंदिर सभागार में रामलीला नव युवक मंडल के पदाधिकारियों की अध्यक्ष बजरंग लाल जोशी के सानिध्य में आयोजित की गई बैठक के दौरान आगामी 18 सितंबर से 3 अक्टूबर तक रामलीला मंचन का निर्णय लिया गया तथा सुचारू रूप से मंचन की तैयारीयों पर चर्चा की गई

छात्रावास में प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाइन चालू

दूदू। ब्लॉक दूदू के अधीन सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित छात्रावास में प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाइन चालू कर दी गई है ब्लॉक सामाजिक सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि राजकीय अंबेडकर छात्रावास दूदू में 65 सीटें कक्षा 6 से 12वीं तक गागरडू मैं 25 सीटें कक्षा 6 से 12 तथा राजकीय सावित्रीबाई फुले बालिका छात्रावास दूदू में 50 सीटें कक्षा 6 से 12वीं तथा राजकीय महाविद्यालय कि छात्रों के लिए 50 सीट सभी वर्ग के लिए आवंटित की गई है प्रवेश प्रक्रिया 15 में से ऑनलाइन ईमित्र के माध्यम से शुरू कर दी गई है सभी छात्र-छात्राओं को समस्त सुविधाएं भोजन आवास यूनिफॉर्म एवं मूलभूत सुविधाएं निशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी।

जनसहभागिता से हर घर तिरंगा अभियान को बनाएं सफल : कलेक्टर

खैरथल। जिला कलेक्टर किशोर कुमार की अध्यक्षता में जिले के अधिकारियों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। बैठक में जिला कलेक्टर ने हर घर तिरंगा अभियान को आमजन की सहभागिता से सफल बनाने के लिए समस्त विभागीय अधिकारियों को समुचित कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया है। जिला कलेक्टर ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान के तहत जिले में विभिन्न गतिविधियां जारी हैं। 15 अगस्त तक गांव, उपखंड से लेकर जिला स्तर तक तिरंगा रैली, प्रदर्शनी, मेला आयोजन सहित विभिन्न गतिविधियां की जाएंगी। कार्मिकों से अभियान के तहत रजिस्ट्रेशन करवाने और गतिविधियों की फ़ोटो, वीडियो अपलोड करने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान-हर घर स्वच्छता

खैरथल सचिवालय पर समीक्षा बैठक लेते जिला कलेक्टर किशोर।

अभियान में भी समुचित कार्रवाई की जाए। उन्होंने ने हरियालो राजस्थान के तहत अधिकाधिक पौधारोपण करते हुए उनकी समुचित सार-संभाल करने के निर्देश देते हुए जिला कलेक्टर ने कहा कि राजकीय और निजी विद्यालयों के साथ-साथ स्वास्थ्य केंद्रों, सड़क किनारे, डिवाइडर पर पौधारोपण कर हरा-भरा बनाएं। उन्होंने जिला स्तरीय जनसुनवाई और संपर्क पोर्टल प्रकरणों की समीक्षा करते हुए आमजन की परिवेदनाओं के समुचित निस्तारण के निर्देश दिए हैं साथ ही उन्होंने कहा कि जनसुनवाई के साथ-साथ संपर्क पोर्टल पर आने वाले सभी प्रकरणों में संबंधित विभागीय अधिकारियों द्वारा गंभीरतापूर्वक कार्यवाही कर परिवादी को राहत पहुंचाई जाये।

जिला कलेक्टर ने फ्लैगशिप योजनाओं और गिवअप अभियान की समीक्षा करते हुए बजट घोषणाओं में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण किए जाने के लिए निर्देशित किया। बैठक में जिला परिषद, उद्यान, स्वास्थ्य, नगर परिषद, पीडब्ल्यूडी, उद्योग, जलदाय विभाग, शिक्षा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, कृषि विभाग सहित विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि बुधवार को राष्ट्रीय परिषद सदस्य एंव पूर्व विधायक रामहेत यादव एंव जिला कलेक्टर किशोर कुमार जिला

■ आज प्रातः 11 बजे खैरथल में निकाली जाएगी तिरंगा रैली

सचिवालय खैरथल से तिरंगा रैली को झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। रैली जिला कलेक्ट्रेट से रवाना होकर लक्ष्मी नारायण मंदिर से होते हुए भगत सिंह चौक पहुंचेगी। तिरंगा रैली के दौरान उपस्थित सभी आमजन एंव छात्र-छात्राओं को तिरंगा शपथ दिलाई जाएगी।

बैठक के दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट, कोषाधिकारी सुरेश कुमार बंसल , कोऑपरेटिव वेद प्रकाश सैनी, सार्वजनिक निर्माण विभाग, बिजली विभाग, पीएचईडी, महिला एवं बाल विकास, पुलिस, राजीविका, बिजली, कृषि, वन, शिक्षा, सहित अन्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

अधेड़ व्यक्ति की गुमशुदगी का मामला

कोटपूतली। कस्बे के मौहल्ला बुचाहेडा वार्ड नं. 25 निवासी बाबूलाल (44) पुत्र कैलाश चंद सैनी की गुमशुदगी को लेकर परिजनों व सैनी समाज के लोगों ने मंगलवार को जिला पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र कुमार बिश्नोई को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र कार्यवाही की मांग की। बाबूलाल सैनी 16 जुलाई को सुबह करीब 09 बजे रोजगार की तलाश में घर से निकला था, लेकिन उसके बाद से वह घर नहीं लौटा, जिसका मोबाईल फोन भी बंद आ रहा हैं एवं अभी तक कोई सुराग नहीं मिला हैं। परिजनों ने बताया कि 22 जुलाई को थाना कोटपूतली में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई जा चुकी है, लेकिन लगभग 03 सप्ताह बीत जाने के बावजूद पुलिस द्वारा कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई। बाबूलाल का रंग सांवला कद लगभग 5 फुट 5 इंच शरीर मध्यम घुघराल बाले दाये हाथ पर बीएलएस लिखा हुआ हैं। जिसने ब्लैक जिन्स व लाईट कलर की चैक की शर्ट पहन रखी हैं।

राजस्थान पेंशनर समाज की मासिक बैठक सम्पन्न, समस्याओं के समाधान पर चर्चा

फुलेरा। राजस्थान पेंशनर समाज उपशाखा फुलेरा की मासिक बैठक गणगौरी बाजार स्थित श्री रामद्वारा भवन में उपशाखा शक्ति सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में आरजीएचएस योजना में किए गये संशोधन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि पेंशनरों को ओपीडी की दवाईयों और मेडिकल जाँचो की सालाना सीमा में बडी छूट मिलेगी, ओपीडी की दवाईयो पर सालाना 50,000/- की सीमा की नई व्यवस्था में आरएसएचए के एडिशनल या जॉइट सीईओ 2 लाख तक की छूट दे सकते हैं। वहीं आरएसएचए के सीईओ 2 लाख से 7 लाख की छूट दे सकते है तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग (प्रशासनिक) 7 लाख से ऊपर की छूट दे सकते हैं। इसी प्रकार मेडिकल जांचों को सीमा में भी छूट पहले 5000/- वार्षिक थी अब इस सीमा को बढ़ाने का

राजस्थान पेंशनर समाज की बैठक में मौजूद लोग।

अधिकार आरएसएचए के सीईओ को दे दिया है, प्रक्रिया भी आसान कर दी गई है। जिसके लिए आरजीएचएस पोर्टल पर आनलाईन आवेदन करना होगा।

साथ ही शक्ति सिंह ने बताया कि डीएस नकारा के प्रयासों से पेंशनर्स के हित में ऐतिहासिक फैसला हुआ, 1977 से पहले पेंशनर्स को बहुत कम पेंशन मिलती थी फैसले के बाद सम्मानजनक पेशन मिलने लगी। फुलेरा

■ बैठक में आरजीएचएस योजना में किए गये संशोधन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि पेंशनरों को ओपीडी की दवाईयों और मेडिकल जाँचो की सालाना सीमा में बडी छूट मिलेगी

के चौहान डायग्नोस्टिक सेंटर पर पेंशनर्स के लिए आरजीएचएस में जाँच की सुविधा है। पेंशनर्स को अपनी समस्याएं समय पर लिख कर देनी चाहिए, ताकि उनका निराकरण करवाया जा सके। बैठक के दौरान बडी संख्या में पेंशनर मौजूद रहे।

तिरंगा भारतवासियों की आन बान शान का प्रतीक : स्वामी सुमेधानंद

कोटपूतली। पीएम मोदी के आव्हान पर भाजपा राजस्थान के निर्देशानुसार प्रदेश भर में हर घर तिरंगा अभियान के अन्तर्गत निकाली जा रही तिरंगा यात्रा का मंगलवार को कोटपूतली विधानसभा क्षेत्र में भी अपार जोश, उत्साह व उल्लास के साथ आयोजन हुआ। इस दौरान

■ कोटपूतली विधानसभा क्षेत्र के दक्षिण, पूरब व नगर मंडल में '' हर घर तिरंगा यात्रा '' का आयोजन

अभियान के सम्भाग संयोजक व सीकर के पूर्व सांसद स्वामी सुमेधानंद सरस्वती एवं विधायक हंसराज पटेल के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा पूरब मण्डल द्वारा ग्राम रघुनाथपुरा स्थित बस स्टैण्ड से पाथरेड़ी स्थित शहीद बंशीधर यादव स्मारक तक, दक्षिण मण्डल द्वारा जीण माता मंदिर से टसकोला स्टैण्ड तक व नगर मण्डल द्वारा बानसूर रोड़ स्थित कृषि उपज मण्डी परिसर से नगर परिषद पार्क तक बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ निकाली गई। कार्यकर्ताओं ने देश भक्ति के नारे लगाकर माहौल को राष्ट्र भक्ति से सरोबार

ग्रामीणों ने तिरंगा यात्रा निकाली।

कर दिया। भाजपा दक्षिण मंडल में भारत विभाजन विभिषिका स्मृति दिवस का आयोजन भी हुआ। जहां स्वामी सुमेधानंद सरस्वती ने देश के बंटवारे से भारतवासियों के समक्ष उत्पन्न हुई विभिषिका से विस्तार से अवगत करवाया। वहीं भाजपा पूरब मंडल में विधायक हंसराज पटेल ने शहीद बंशीधर यादव के स्मारक पर माल्यार्पण किया। इस दौरान शहीद वीरांगनाओं का सम्मान भी किया गया। तिरंगा यात्रा में भाजपा कार्यकर्ताओं व आमजन ने भारी नारेबाजी कर राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोने के संकल्प को दोहराया। तिरंगा यात्रा का समापन कस्बा स्थित नगर परिषद पार्क में स्वतंत्रता सेनानी व पूर्व विधायक मुक्ति लाल मोदी एवं संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुआ। स्वामी सुमेधानंद ने कहा कि तिरंगा प्रत्येक भारतवासी की आन बान शान का प्रतीक हैं। ऑपरेशन सिंदूर में जिस तरह से पीएम मोदी ने पाकिस्तान को सबक सिखाया, वो सब हमारे सामने है। पहलगाम हमलों के आतंकियों को भी ऑपरेशन महादेव के माध्यम से ढ़ेर कर दिया गया। विधायक हंसराज पटेल ने कहा कि तिरंगा का सम्मान व देश भक्ति का जज्बा हमारे दिलों में हमेशा मौजूद है। इस दौरान भाजपा ओबीसी मोर्चा के पूर्व प्रदेश महामंत्री एड. हीरालाल रावत, जिला उपाध्यक्ष जयराम सिंह गुर्जर, समेत बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता व अन्य मौजूद रहें।

स्वच्छता सखियों के प्रशिक्षण में दिया व्यवस्था में सुधार का मंत्र

अलवर। जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने मंगलवार को पुराना सूचना केंद्र में स्त्रोत स्तर पर कचरा पृथक्करण (सेग्रीगेशन) के संबंध में आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण में पहुंचकर ऑटो टिपर ड्राइवरों, हेल्परों एवं स्वच्छता सखियों को प्रशिक्षण प्रदान किया।

जिला कलेक्टर ने कहा कि शहर को स्वच्छ व साफ-सुथरा रखने में स्वच्छता कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। स्वच्छता कर्मियों की बदौलत ही प्रदेश में जिले की रैंकिंग में सुधार हुआ है तथा इसमें अग्रिम रैंक हासिल करने के लिए सभी कार्मिकों को पूर्ण मनोयाग से कार्य करने की महती आवश्यकता है। उन्होंने कचरा पृथक्करण की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि स्त्रोत स्तर पर ही घरों व प्रतिष्ठानों से कचरे का पृथक्करण हो इसके लिए आयोजित प्रशिक्षण को गम्भीरता से लेवे। उन्होंने ऑटो टिपर ड्राइवरों व हैल्परों से कहा कि कचरा संग्रहण करते समय सुनिश्चित करें कि गीले व सूखे कचरे को पृथक्करण के अनुसार ही ऑटो टिपर में डाला जाए। उन्होंने स्वच्छता कर्मियों से संवाद कर सफाई जमादार के द्वारा सफाई व्यवस्था में महत्वपूर्ण कार्य करने पर उन्हें कैप्टन का नाम दिया। इस दौरान जिला कलक्टर ने अलवर शहरवासियों से घर व प्रतिष्ठान से कचरा पृथक्करण करने एवं ऑटो टिपरों में गीले व सूखे कचरे को अलग-अलग कर डालने की अपील की है। स्वच्छता कर्मियों को नगर निगम आयुक्त जितेन्द्र सिंह नरूका व एनकैप के कंसल्टेंट योगेश पुनिया ने भी स्त्रोत पृथक्करण प्रशिक्षण प्रदान किया।

नगर निगम आयुक्त जितेन्द्र सिंह नरूका ने बताया कि गीले कचरे की श्रेणी में बचा हुआ भोजन, फलों व सब्जियों के छिलके, अंडों के छिलके, चाय की थैलियां, मांसाहारी भोजन की हड्डियां, कटी हुई घास, पौधों और सूखे फूल व पत्तियां शामिल है। इसी प्रकार सूखे कचरे की श्रेणी में कागज, पुराने समाचार पत्र, पत्रिकाएं, गत्ते का सामान, कांच की बोतले अथवा बर्तन प्लास्टिक अथवा रबड़ से बना सामान, पुराने फर्नीचर, कपड़े, गलीचे, पुराने जूट बैग, खिलौने, कंप्यूटर, मोबाइल चार्जर, इलेक्ट्रॉनिक व इलेक्ट्रिक उपकरण आदि शामिल है। उन्होंने बताया कि गीला कचरा हरे डस्टबिन में व सूखा कचरा नीले डस्टबिन में डाला जाए। इस अवसर पर प्रशिक्षु आईएएस सुश्री ऐश्वर्यम प्रजापति एवं स्वच्छता विशेषज्ञ सहित नगर निगम के कार्मिक मौजूद रहे।

साभर साल्ट ड्राइवर की मौत पर परिजनों ने किया धरना प्रदर्शन

सांभरझील, (निसं)। ग्राम त्योदा निवासी हिंदुस्तान सांभर साल्ट के उपक्रम सांभर साल्ट लिमिटेड के अस्थाई वाहन चालक प्रधान गुर्जर पुत्र श्रवण लाल गुर्जर की आज ड्यूटी के दौरान अचानक मौत हो गई जिससे परिजनों में जबरदस्त कोहराम मच गया। बताया जा रहा है कि मौत का कारण हृदयघात से हुई है। प्राप्त

■ जानकारी मिलने पर थाना अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे और परिजनों से वार्ता की लेकिन समाचार लिखे जाने तक सुलह नहीं हो सकी

जानकारी के अनुसार बताया जा रहा है कि मृतक प्रधान गुर्जर सांभर साल्ट के किसी अधिकारी को फुलेरा लेने के लिए गया हुआ था वहां से उसकी तबीयत खराब होना शुरू हो गई बताया, लेकिन

संभर साल्ट ड्राइवर की मौत पर थाना अधिकारी से अस्पताल में वार्ता करते लोग।

जिस अधिकारी को लेने के लिए मृतक गया था उसने फुलेरा राजकीय अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बजाय उसका सांभर साल्ट के अस्पताल में इलाज कराया गया।

मृतक के परिजन व उनके साथी बताते हैं कि जब उसकी तबीयत बिगड़ी हुई थी तो सांभर साल्ट के चिकित्सकों ने उसके ड्रिप चढ़ा दी, इसी दौरान उसकी मौत वहीं पर हो गई बताई और उसे बाद में सांभर साल्ट के कर्मचारियों व अधिकारियों ने राजकीय उप जिला अस्पताल उसके शरीर को ढककर लेकर के आ आ गए। यहां उप जिला अस्पताल में चिकित्सकों ने जब जांच की तो उसकी यहां पहुंचने से पहले ही मृत होना बताया। परिजनों को जब इस बात का पता चला तो उन्हें जबरदस्त रोष व्याप्त हो गया और देखते ही देखते अस्पताल में भारी भीड़ इकट्ठी हो गई। अस्पताल से मृतक के शव को ले जाने से इनकार कर दिया और सांभर साल्ट के अधिकारियों से सुलह वार्ता का जब दौर चला तो अधिकारी अपना नियम और कानून बताते हुए मामूली राहत देने के लिए राजी हुए लेकिन मृतक के परिजन इससे संतुष्ट नहीं हुए। परिजनों ने अधिकारियों से मांग की है कि मृतक की पत्नी जिसकी उम्र करीब 22 साल की है उसके पति के स्थान पर उसकी योग्यता के आधार पर उसे स्थाई नियुक्ति दी जाए और 20 लाख रुपए का मुआवजा भी दिया जाए। जानकारी मिलने पर थाना अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे और परिजनों से वार्ता की लेकिन समाचार लिखे जाने तक सुलह नहीं हो सकी। परिजनों की मांग है कि जब तक सांभर साल्ट लिमिटेड मृतक की पत्नी को स्थाई नियुक्ति देने का लिखित आश्वासन और नियुक्ति पत्र नहीं सोपेंगे और आर्थिक मुआवजा नहीं दिया जाएगा तब तक शांति पूर्ण धरना जारी रहेगा और शव का अंतिम संस्कार भी करने के लिए मना करना बताया गया।

हर घर तिरंगा अभियान में रामगढ़ में निकली रैली

अलवर। रामगढ़ में तिरंगा अभियान के तहत मंगलवार सुबह 10 बजे रामगढ़ कस्बे में गुलाब वाटिका से एक तिरंगा रैली निकाली गई। विधायक सुखवंत सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली गुलाब वाटिका से शुरू होकर मुख्य बाजार से होते हुए तहसील रंगमंच पर पहुंची, जहां इसका समापन हुआ। इस दौरान डीजे पर देशभक्ति गीत गूंजते रहे और भारत माता की जय के नारों से पूरा कस्बा गुंजायमान हो गया। सरकारी स्कूलों के बच्चों ने भारी संख्या में भाग लिया और हाथों में तिरंगा लहराते हुए पूरे बाजार को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। रैली में रामगढ़ विधानसभा के पांचों मंडलों के मंडल अध्यक्ष, जिला स्तरीय पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए थानाधिकारी विजेंद्र सिंह भारी पुलिस बल के साथ मौजूद रहे, जबकि बिजली विभाग ने रैली के दौरान बिजली आपूर्ति बंद रखी। अभियान के तहत शहीदों और उनकी वीरांगनाओं को सम्मानित किया जा रहा है।

सार-समाचार

सार्वजनिक स्थानों पर जुंआ खेलते नो आरोपी गिरफ्तार

बौंली- बामनवास। सवाई माधोपुर जिला पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार बेनीवाल के निर्देशन में चलाए जा रहे एंटीवायरस, अवैध शराब, जुंआ व संदिग्ध आरोपियों के खिलाफ अभियान के तहत बौंली थाना पुलिस ने बौंली नगर मुख्यालय से 9 आरोपियों को जुंआ खेलते गिरफ्तार कर 47सो रुपए की नगद राशि व तीन जोड़ी ताश के पत्ते जप्त किए हैं।12अगस्त मंगलवार को बौंली पुलिस थाने के हैड कांस्टेबल धर्मेंद्र चौधरी, हैड कांस्टेबल सुनील दत्त एवं हैड कांस्टेबल पुष्पेंद्र सिंह के नेतृत्व में गठित तीन अलग-अलग टीमों ने बौंली नगर के खटाना रोड, निवाई रोड व संस्कृत महाविद्यालय के पास से अवैध रूप से ताश पत्ती से जुंआ खेल रहे प्रेमचंद रैगर उम्र 35 वर्ष, हेमराज गुर्जर उम्र 35 वर्ष, मुकेश रैगर उम्र 40 वर्ष, नंदकिशोर रैगर उम्र 54 वर्ष, बबलू रैगर उम्र 32 वर्ष, बाबूलाल रैगर उम्र 39 वर्ष, लक्ष्मी नारायण गुर्जर उम्र 40 वर्ष, मुकेश रैगर उम्र 32 वर्ष व नरेंद्र रैगर उम्र 23 वर्ष सभी निवासी बौंली को गिरफ्तार कर 47सो रुपए की नगद राशि व तीन ताश के पत्ते जप्त किए हैं।

तिरंगा बाइक यात्रा को रवाना किया

कोटपूतली। जनमानस में राष्ट्रभक्ति की भावना को प्रबल करने के उद्देश्य से श्हर घर तिरंगा अभियान के तहत जिला मुख्यालय पर मंगलवार को तिरंगा बाइक यात्रा का आयोजन किया गया। जिला कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी और जिला पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र विश्नोई ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। यात्रा राजकीय सरदार उच्च माध्यमिक विद्यालय कोटपूतली से प्रारम्भ होकर शहर में अग्रसेन तिराहा से होते हुए ज्योतिबा फुले मुख्य चौराहा तक आयोजित की गई। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश सहारण, एसडीएम बृजेश चौधरी, ए एस पी वैभव शर्मा, तहसीलदार रामधन गुर्जर, जिला शिक्षा अधिकारी रामसिंह यादव, सीएमएचओ डॉ. आशीष सिंह शेखावत, नगर परिषद से दीपक मीणा सहित अधिकारी व आमजन उपस्थित रहे। तिरंगा यात्रा में पुलिस, अधिकारी, कार्मिक, हॉबी ग्रुप्स एवं जन साधारण कि सक्रिय भागीदारी रही। इस दौरान एसपी देवेन्द्र विश्नोई ने सड़क सुरक्षा का संदेश देते हुए सभी को हेलमेट का उपयोग करने की अनिवार्यता पर जोर दिया। अभियान के तहत जिले के गुगलकोटा, भीम सिंहपुरा, ननकवास, शाहजहांपुर सहित विभिन्न विद्यालयों में विद्यार्थियों द्वारा तिरंगा यात्रा निकाली गई, जिसमें छात्रों ने हाथों में तिरंगा लेकर राष्ट्रप्रेम के नारों के साथ पूरे क्षेत्र में जागरूकता फैलाई। इसी अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा रंगोली भी बनाई गई, जो तिरंगे के रंग और प्रतीकों से सजी हुई थी। अभियान के तहत विविध रचनात्मक गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। ग्राम पंचायत स्तर पर भी ग्रामीण नागरिकों ने ''हर घर तिरंगा'' अभियान के तहत सक्रिय भागीदारी निभाई। तिरंगे के साथ गांव की गलियों और घरों को सजाया गया। इसी प्रकार ग्रामीणों द्वारा तिरंगा उत्सव मनाया गया और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया गया।

शिविर का आयोजन

मानपुरा माचेडी। भारतीय रिजर्व बैंक जयपुर के दिशा निर्देश अनुसार, नाबार्ड द्वारा अग्रणी जिला प्रबंधक एस.बी.आई बैंक के के निर्देशन में आरोह फाउंडेशन के सीएफएल, जमवारामगढ के द्वारा ब्लॉक आमेर के ग्राम पंचायत चितानू कला मे वित्तीय साक्षरता व जन सुरक्षा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में महेंद्र चौधरी (सहायक वित्तीय परामर्शदाता), राजेश कुमार (रीजनल ऑफिस एसबीआई) विजय कुमार देनवाल (शाखा प्रमुख एसबीआई) ने जानकारी देते हुए बताया की वित्तीय साक्षरता अभियान के तहत केंद्र सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ बैंकर्स द्वारा दिया जा रहा है। आमजन को जागरुक होकर सरकारी योजनाओं का लाभ लेना चाहिए। जैसे प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जन-धन योजना, अटल पेंशन योजना, इत्यादि। बैंकिंग संबंधित जानकारी देकर योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की साथ ही बैंकिंग संबंधित समस्याओं के समाधान के बारे में भी बताया इसके साथ ही साइबर फ्रॉड , ऑनलाइन ठगी के शिकार होने से बचने के तरीके पर समझ विकसित की। कभी भी अपना पासवर्ड ,पिन, ओटीपी, सीवीसी यूपीआई -पिन, इत्यादि किसी के साथ शेयर ना करें। फ्रॉड के शिकार होने पर राष्ट्रीय साइबर अपराध रिर्पोटिंग पोर्टल हेल्पलाइन नंबर 1930 पर तुरंत सूचित करें।

तिरंगा रैली निकाली

फुलेरा। नगरपालिका मण्डल की ओर से मंगलवार को पालिका ईओ सूर्यकांत शर्मा के निर्देशन में भव्य मोटरसाइकिल तिरंगा रैली निकाली गई। यह रैली नगर पालिका कार्यालय से शुरू होकर गांधी चौक, गणगौरी बाजार, ज्योतिबा फुले सर्किल, बालाजी बाईपास रोड, जोबनेर रोड, अंबेडकर सर्किल से होती हुई वापस नगर पालिका कार्यालय पर संपन्न हुई। रैली में सैकड़ों मोटरसाइकिल पर तिरंगे लहराते हुए शहर की मुख्य सड़कों से गुज़रते हुए ऐसा प्रतीत हो रहा था कि जैसे स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों में चार चांद लग गए हो। इस अवसर पर नगरपालिका के वरिष्ठ लेखाधिकारी कृष्णकुमार यादव, कैशियर नरेंद्र वर्मा, सफाई निरीक्षक राकेश कुमार, महिपाल सिंह, श्रवण कुमार, आरती गुर्जर, सौम्या वर्मा, तरुण शर्मा सहित फुलेरा भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रणव कयाल, पूर्व पार्षद दिलीप सुरोलिया, गोविंद सिंह बडग़ुर्जर, मदन गढ़वाल, कमल शर्मा, मनीष गगरानी, महावीर जैन, संजय वार्ष्णेय सहित आमजन मौजूद रहें। तिरंगा रैली का जगह-जगह व्यापारीयों व लोगों ने पुष्प वर्षा करके स्वागत किया और भारत माता की जय तथा वंदे मातरम के गगनभेदी नारे लगाए। गौरतलब है कि देशभक्ति से सराबोर इस रैली ने स्वतंत्रता दिवस के उत्सव को और भी खास बना दिया।

उप जिला चिकित्सालय के कचरे को जलाने से फैल रहा जहर

फुलेरा । कस्बे की जोबनेर सड़क स्थित उपजिला चिकित्सालय, जहां मरीजों को इलाज और स्वास्थ्य लाभ मिलता है। वहीं दूसरी ओर अब जहरीला धुआं लोगों की सांसों में उतर रहा है। गौरतलब है कि परिसर में ग्लूकोज की बोतलें, दवाइयों की शीशियां और डिस्पोजल मेडिकल कचरा चिकित्सालय परिसर में खुलेआम जलाया जा रहा है। इससे उठता धुआं पूरे इलाके में फैलकर मरीजों, परिजनों सहित स्थानीय लोगों के लिए गंभीर परिणाम का शबाब बन रहा है। इसके चलते यहां पर कई मरीज सांस लेने में तकलीफ की शिकायत कर रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग की गाइड लाइन के अनुसार मेडिकल कचरे का निस्तारण निर्धारित प्रक्रिया के तहत, निश्चित स्थान पर होना चाहिए-इंसिनरेटर या बायो-मेडिकल वेस्ट ट्रीटमेंट प्लांट के माध्यम से-ताकि प्रदूषण और संक्रमण का खतरा न फैले। लेकिन यहां तो नियमों की खुले आम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। इसे अस्पताल प्रशासन की अनदेखी कहीं जाए या लापरवाही। जहां पर ऐसा कृत्य खुलेआम किया जा रहा है। जो जीवन देने वालों की जगह जीवन लेने का काम कर रहे हैं। इसका जिम्मेदार कौन है, इस लापरवाही के लिए क्या कार्रवाई होगी, या फिर यह मामला गहरी धुंआ में ही दबेगा?

तिरंगा यात्रा आज

दौसा । भाजपा कुण्डल मंडल द्वारा बुधवार को प्रात:11 बजे भााजपा द्वारा आयोजित हर घर तिरंगा यात्रा अभियान के अंतर्गत मण्डल अध्यक्ष रामप्रसाद गुर्जर के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा निकाली जावेगी। तिरंगा यात्रा तकिया वाला बाबा से मुख्य बाजार कुंडल में होकर के जमुवाय माता मंदिर परिसर कुंडल तक निकाली जाएगी। तिरंगा यात्रा कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ारतीय जनता पार्टी की जिला अध्यक्ष लक्ष्मी, उर्मिला जोशी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहेगें। तिरंगा यात्रा में सभी मण्डल अध्यक्षए पूर्व मंडल अध्यक्षए पूर्व महामंत्री पूर्व मंत्री बूथ अध्यक्ष व सभी भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे। तिरंगा यात्रा के मंडल संयोजक सरोज मीणा किशोरी लाल बैरवा सहसंयोजक अनिल सैनी व पवन कुमार शर्मा आदि तिरंगा यात्रा में शामिल रहेंगे।

इसके अलावा देश के खेल प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही लाएगा। ये विधेय लोकसभा के बाद राज्यसभा से भी पारित हो गया। **- पी.टी. उषा**

भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष, राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक को अपना स्पष्ट समर्थन देते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ डी गुकेश

मौजूदा विश्व चैम्पियन डी गुकेश ने अमेरिका के लेवोन अरोनियन से पहले दौर में मिली हार के बाद वापसी करते हुए ठिागोरी ओपेरिन और लिएम ले क्वांग पर जीत दर्ज की और ग्रैंड शतरंज टूर के तहत खेले जा रहे सेंट लुई रैपिड एवं ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट के पहले दिन संयुक्त तीसरे स्थान पर रहे। भारतीय खिलाड़ी ने दूसरे दौर में सफेद मोहरों से खेलते हुए ओपेरिन को शह और मात देने के लिए अपनी रानी की बलि दे दी और आसानी से जीत हासिल की। दिन के आखिरी मुकाबले में लिएम के खिलाफ काले मोहरों से खेल रहे गुकेश को फिर से मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने इस सीरीज में 754 रन बनाकर सुनील गावस्कर और इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ग्राहम गूच जैसे दो महान बल्लेबाजों को पीछे छोड़ दिया।

शुभमन गिल ने रचा इतिहास, आईसीसी का अवॉर्ड जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बने

नई दिल्ली, 12 अगस्त। भारत के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल को मंगलवार को जुलाई महीने के लिए मेंस क्रिकेट में आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया। गिल ने इंग्लैंड में जुलाई में खेले गए ती टेस्ट मैचों में 94.50 की औसत से 567 रन बनाए। वह चौथी बार प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बने। इससे पहले उन्हें जनवरी 2023, सितंबर 2023 और फरवरी 2025 में आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया था। महिला क्रिकेट में ऐश गार्डनर और हेले मैथ्यूज ने चार-चार बार ये अवॉर्ड जीता है।

गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ बर्मिंघम में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में 430 रन थे। किसी भी टेस्ट मैच में ये दूसरा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर था। उस टेस्ट मैच में उनके 269 और 161 रनों की पारी के बदौलत सीरीज 1-1 से बराबर हो गई थी। मैनचेस्टर में खेले गए चौथे टेस्ट मैच की दूसरी पारी में उन्होंने 103 रनों की उपयोगी पारी खेलकर मैच ड्रॉ कराने और सीरीज को जिंदा रखने में मदद की। गिल के अलावा जुला में प्लेयर ऑफ द मंथ बनने की रेस में इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स और साउथ अफ्रीका के ऑलराउंडर वियान मुल्डर थे। गिल ने चौथी बार प्लेयर ऑफ द मंथ बनने पर कहा कि, जुला के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ चुने जाने पर बहुत अच्छा लग रहा है। इस बार ये और भी ज्यादा मायने रखता है क्योंकि ये अवॉर्ड मुझे कप्तान के रूप में मेरी पहली टेस्ट सीरीज के प्रदर्शन के लिए मिला है।

गिल ने कहा कि, बर्मिंघम में लगाया गया दोहरा शतक निश्चित रूप से मेरे लिए हमेशा यादगार रहेगा। ये मेरे इंग्लैंड दौरे के सबसे यादगार पलों में से एक होगा इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज कप्तान के रूप में मेरे लिए सीखने का एक अनुभव रही और दोनों टीमों ने बेहतरीन प्रदर्शन किए। मुझे यकीन है कि दोनों टीमों के खिलाड़ी लंबे तक याद रखेंगे।

राजस्थान रॉयल्स छोड़ने को मजबूर हैं संजू : बद्रीनाथ

नई दिल्ली, 12 अगस्त। चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व बल्लेबाज सुब्रमण्यम बद्रीनाथ ने संजू सैमसन को लेकर चौंकाने वाला दावा किया है। दरअसल, सुब्रमण्यम ने बताया कि, संजू सैमसन राजस्थान रॉयल्स को छोड़ने पर मजबूर क्यों हो रहे हैं? सैमसन को ट्रेड किए जाने की रिपोर्ट्स हैं। इसी कारण से एस बद्रीनाथ ने बताया है कि सैमसन ऐसा क्यों कर रहे हैं? जबकि वह कई साल से टीम के साथ हैं और टीम के कप्तान भी हैं। बद्रीनाथ ने दावा किया है कि रियान पराग की वजह से वह टीम को छोड़ना चाहते हैं और ये सीधे तौर पर कप्तानी से जुड़ा मामला है। पहले ऐसी खबरें आई थीं कि विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन कहीं और जाने की सोच रहे हैं। क्रिकबज के अनुसार, यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी ने ओपनर के तौर पर छाप छोड़ी है। ऐसे में संजू सैमसन को तीसरे नंबर पर खेलना पड़ा जहां खेलने के लिए वे दिलचस्पी नहीं रखते, क्योंकि टीम इंडिया के लिए वे ओपनिंग कर रहे हैं। अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए पूर्व भारतीय क्रिकेटर एस बद्रीनाथ ने सुझाव दिया कि कप्तानी और ओपनिग स्लॉट ही वजह हैं, जो उनके इस टीम को छोड़नी की हो सकती है।

ब्रेविस के तूफानी शतक से दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को 53 रन से पीटा

डार्विन, 12 अगस्त। प्लेयर ऑफ द मैच डेवाल्ड ब्रेविस की नाबाद 125 रन की तूफानी शतकीय पारी से दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को दूसरे टी20 में मंगलवार को 53 रन से पीटकर तीन मैचों की सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली। ब्रेविस की मात्र 56 गेंदों में 12 चौकों और आठ छक्कों से सजी नाबाद 125 रन की जबरदस्त पारी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने 20 ओवर में सात विकेट पर 218 रन का मजबूत स्कोर बनाया और फिर ऑस्ट्रेलिया को 17.4 ओवर में 165 रन पर समेट दिया। ब्रेविस ने फील्डिंग में भी दो कैच लपके ,जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। दक्षिण अफ्रीका की तरफ से वेना मफाका और कार्बिन बॉश ने तीन-तीन विकेट झटके। ऑस्ट्रेलिया की और

से टिम डेविड ने एकतरफा संघर्ष करते हुए चार चौकों और चार छक्कों की मदद से 24 गेंदों में 50 रन बनाये। कप्तान मिचेल मार्श ने 22 और एलेक्स कैरी ने 26 रन का योगदान दिया। ग्लेन मैक्सवेल ने 16 रन बनाये। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया जिसे ब्रेविस ने अपने तूफानी शतक से इसे पूरी तरह गलत साबित कर दिया। दक्षिण अफ्रीका ने अपने तीन विकेट मात्र 57 रन पर गंवा दिए थे लेकिन ब्रेविस ने ट्रिस्टन स्टब्स के साथ चौथे विकेट के लिए 126 रन की जबरदस्त साझेदारी कर दक्षिण अफ्रीका को मजबूत स्कोर की तरफ अग्रसर कर दिया। स्टब्स ने 22 गेंदों पर 31 रन में तीन चौके लगाए। सीरीज का निर्णायक मैच 16 अगस्त को केर्न्स में खेला जाएगा।

बेंगलुरु पर मंडराया महिला वर्ल्डकप के मुकाबलों की मेजबानी गंवाने का खतरा

बेंगलुरु, 12 अगस्त। महिला वनडे वर्ल्ड कप के चार मैचों की मेजबानी करने से बेंगलुरु का एम चिन्नास्वामी स्टेडियम वंचित रह सकता है। बीसीसीआई ने पुलिस की अनुमति लेने के लिए 10 अगस्त की समयसीमा निर्धारित की थी लेकिन कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन को अभी तक अनुमति नही मिली है। तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड्स स्टेडियम को वैकल्पिक वेन्यू के तौर पर प्रस्तावित किया जा रहा है। 30 सितंबर को बेंगलुरु में ही टूर्नामेंट का पहला मैच भारत और श्रीलंका के बीच होना था और 3 अक्टूबर को दक्षिण अफ्रीका बनाम इंग्लैंड, 26 अक्टूबर को भारत बनाम बांग्लादेश मुकाबला सहित 30 अक्टूबर को दूसरा सेमीफाइनल भी यहीं खेला जाना था। वहीं 2 नवंबर को होने वाला फाइनल भी संभवत: यहीं खेला जाना है।

अभी की स्थिति के अनुसार ग्रीनफील्ड्स स्टेडियम 21 अगस्त से 7 सितंबर के बीच केरल क्रिकेट लीग (केसीएल) के दूसरे संस्करण की मेजबानी की तैयारी कर रहा है। हालांकि ऐसा माना जा रहा है कि केरल क्रिकेट एसोसिएशन (केसीए) के पास एक वैकल्पिक योजना है जिसके तहत अगर उन्हें वर्ल्ड कप की मेजबानी मिल जाती है तब ऐसी स्थिति में केसीएल के मुकाबलों को किसी अन्य जगह स्थानांतरित किया जा सकता है। आईसीसी के दिशानिर्देशों के अनुसार टूर्नामेंट से कम से कम एक महीने पहले आयोजकों को आयोजन स्थल सौंपना होता है।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड जॉर्जीना से रचाई सगाई, 9 साल से कर रहे थे एक-दूसरे को डेट

नई दिल्ली, 12 अगस्त। दुनिया के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने आखिरकार अपनी लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड रॉर्जिना रॉड्रिगेज के साथ सगाई रचा ली है। जॉर्जिना ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर कर इसकी जानकारी दी है। जॉर्जिना ने अपने हाथ और रोनाल्डो के हाथ की तस्वीर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा कि हां मैं आपसे प्यार करती हूं। इस जिंदगी और आने वाली हर जिंदगी में।रोनाल्डो और जॉर्जिना पिछले 9 साल से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। इनके रिश्ते की शुरुआत 2016 में एक ब्रॉड स्टोर में हुई थी। 2017 में इन दोनों ने अपने रिलेशनशिप को दुनिया के सामने रखा था। रोनाल्डो और जॉर्जिना के 4 बच्चे भी हैं उनके दो बच्चे एवा मारिया और मातेआ का जन्म साल 2017 में हुआ था। इसके बाद 2022 में जॉर्जिना ने बेला एस्मेराल्डा को जन्म दिया था। इसके अलावा रोनाल्डो का एक बेटा भी है। जिसका नाम क्रिस्टियानो रोनाल्डो जूनियर है, जो 2010 में हुआ था। जॉर्जिना फिलहाल सभी बच्चों की देखभाल कर रही हैं।

दीप्ति शर्मा टी-20 अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंची, स्मृति मंधाना को हुआ नुकसान

नई दिल्ली, 12 अगस्त। भारत की दीप्ति शर्मा आईसीसी महिला टी20 की नवीनतम रैंकिंग में गेंदबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। दूसरी तरफ सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना बल्लेबाजों के बीच टॉप से दूसरे स्थान पर खिसक गईं।दीप्ति पाकिस्तान की सादिया इकबाल के साथ 732 रेटिंग अंक के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर है। सादिया रैंकिंग में पहले स्थान से दूसरे स्थान पर खिसक गई जबकि ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड चार रेटिंग अंको की बढ़त के साथ पहली बार टॉप रैंकिंग की टी20 अंतर्राष्ट्रीय गेंदबाज बनने में सफ रही। सदिया ने आयरलैंड के खिलाफ सीरीज में सिर्फ तीन विकेट लेने के बाद रेटिंग अंक गवां दिए। पाकिस्तान महिला टीम इस सीरीज को 1-2 से हार गई थी। सदरलैंड ने मार्च में न्यूजीलैंड के खिलाफ चार विकेट लेने के बाद से सबसे छोटे अंतर्राष्ट्रीय प्रारूप में कोई मैच नहीं खेला है। इससे उनके रेंटिंग अंक में कोई बदलाव नहीं आया है। टी20 अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों की लिस्ट में दीप्ति 387 रेटिंग अंकों के साथ तीसरे स्थान पर बनी हुई हैं। वह वेस्टइंडीज की हेले मैथ्यूज और न्यूजीलैंड की अमेलिया केर से पीछे हैं। वहीं बल्लेबाजों की लिस्ट में स्मृति मंधाना एक स्थान फिसल कर इंग्लैंड की नैट सिवर-ब्रंट के बाद दूसरे पायदान पर गई हैं।

एशिया कप 2025 से पहले वैभव सूर्यवंशी को बीसीसीआई का बेंगलुरू के लिए बुलावा, टीम इंडिया में होगी एंट्री!

नई दिल्ली, 12 अगस्त। आईपीएल 2025 में अपनी बेहतरीन बल्लेबाजी से सबको प्रभावित करने वाले वैभव सूर्यवंशी का प्रदर्शन ग्राफ लगातार बढ़ा है। भारत के हालिया अंडर-19 इंग्लैंड दौरे पर सभी फॉर्मेट में अपनी बेहतरीन फॉर्म नजारा पेश किया है। स्वदेश वापसी के बाद उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के साथ एक स्पेशल ट्रेनिंग सेशन में हिस्सा लिया। इसके बाद अब वैभव बीसीसीआई के बुलावे पर बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट एकादमी पहुंच गए हैं। ऐसे में फैंस के मन में सवाल उठ रहे हैं कि क्या वह एशिया कप के लिए भारतीय स्क्वॉड में शामिल होंगे?

वैभव सूर्यवंशी बीसीसीआई के एक विशेष ट्रेनिंग कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे, जिसमें तकनीकी अभ्यास और मैचों के दौरान विशिष्ट परिस्थितियों से निपटने की जानकारी दी जाएगी। वैभव के बचपन के कोच मनीष ओझा ने बताया कि बीसीसीआई पहले से ही इस युवा खिलाड़ी को संन्यास लेने वाले वरिष्ठ क्रिकेटरो की कमी को पूरा करने के लिए तैयार कर रहा है। और ये प्रशिक्षण केवल आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे से कहीं आगे तक के लिए है। उन्होंने बताया कि बीसीसीआई आगे की सोच के साथ काम कर रहा है। सीनियर खिलाड़ी संन्यास ले रहे हैं और उनकी जगह युवाओं के अगले बैच को तैयार होना होगा। वैभव की ये ट्रेनिंग उसी प्रक्रिया का हिस्सा है। हम एक-एक करके युवा खिलाड़ियों को चुनते हैं और उन्हें अंतर्राष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार करते हैं। गौरतलब है कि, विराट कोहली और रोहित शर्मा के ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद वनडे क्रिकेट से संन्यास की अटकलें लगाई जा रही हैं।

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर स्टार्ट-अप के माध्यम से युवा सशक्तिकरण का प्रशिक्षण आयोजित

जयपुर, 12 अगस्त। अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर राजस्थान युवा बोर्ड, युवा मामले एवं खेल विभाग द्वारा जीसीईसी और यूनिसेफ राजस्थान कार्यालय के सहयोग से युवा सशक्तिकरण के लिए स्टार्ट-अप विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नीरज कुमार पवन, आईएएस (प्रधान सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग, राजस्थान) रहे।

विशेष अतिथियों में संजय कुमार निराला, चाइल्ड प्रोटेक्शन स्पेशलिस्ट, यूनिसेफ राजस्थान; परेश गुप्ता, जीसीईसी संस्थापक; एवं कैलाश चन्द्र पाहाड़िया, सदस्य सचिव, राजस्थान युवा बोर्ड, धर्मेन्द्र कुमार स्टेट कंसलटेंट चाइल्ड प्रोटेक्शन उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण में प्रदेश के विभिन्न विद्यालयों से आए 16 उत्कृष्ट स्कूल से छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इस अवसर पर विशेषज्ञों ने युवाओं को स्टार्ट-अप की अवधारणा, उद्यिमता के अवसर, व्यवसाय शुरू करने के लिए आवश्यक कौशल, नवाचार और वित्तीय प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

मुख्य अतिथि नीरज कुमार पवन ने अपने संबोधन में कहा कि युवाओं में असीम ऊर्जा और रचनात्मकता है। स्टार्ट-अप संस्कृति उन्हें न केवल आत्मनिर्भर बनाएगी, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी पैदा करेगी।

यूनिसेफ के संजय कुमार निराला ने बाल संरक्षण एवं सुरक्षित ऑनलाइन वातावरण की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्टार्ट-अप्स में सामाजिक दायित्व का समावेश भी आवश्यक है। जीसीईसी के संस्थापक प्रवेश गुप्ता ने छात्रों को नवीनतम तकनीकी रुझानों और नवाचार के महत्व से अवगत कराया। राजस्थान युवा बोर्ड के सदस्य सचिव कैलाश चन्द्र पाहाड़िया ने युवाओं को सरकारी योजनाओं और प्रोत्साहन कार्यक्रमों की जानकारी दी।

प्रशिक्षण के दौरान छात्रों को इंटरएक्टिव सत्रों, समूह चर्चा और केस स्टडीज़ के माध्यम से व्यावहारिक ज्ञान भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन राजस्थान युवा बोर्ड की टीम ने किया और अंत में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

राज्य स्तरीय सीनियर चैलेंजर ट्रॉफी हेतु टीमें घोषित

जयपुर, 12 अगस्त। राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में आगामी 16 अगस्त से आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय सीनियर चैलेंजर ट्रॉफी 2025 - 26 हेतु आरसीए सीनियर चयनकर्ताओं ने चैलेंजर ट्रॉफी की 8 टीमों के लिए खिलाडियों का चयन किया।

चैलेंजर ट्रॉफी हेतु चयनित खिलाडी

टीम ए – अजयराज सिंह, राम मोहन, अनिरुद्ध सिंह, जुबेर अली, दीपक कदवारा, साहिल दयावान, महेंद्र महला (एमपी), आकाश सिंह (एमपी), हनुमान बेनीवाल (एमपी) रजत बघेल (बल्ला), रोहन राजबार, मोनेन्द्र सिंह, हर्षवर्द्धन सिंह, संदीप सैनी, भगवान सिंह, आदित्य सिंह झाला।

टीम बी – सुमित गोदारा, मोहित भगतानी, शबाज़ खान, अमित गौतम, रितिक शर्मा, धर्मवीर सैनी, इकराम बेग, अशोक शर्मा, चेतन शर्मा, अनूप पटेल, हिमांशु नेहरा, हितेश हिंसा, सचिन काकोड़िया, राजकुमार सैनी, राहुल गर्ग,अनिरुद्ध सिंह।

टीम सी – राम निवास गोल्डा, दिव्या प्रताप सिंह, मनीष दाखा, युवराज सिंह, अनिरुद्ध सिंह चौहान, सोबित मिश्रा, भवन सुथार, अमन सिंह, मोहित जैन, हिमांशु राणा, हेमन्त स्वामी, कमलेश पटेल, राहुल खंडेलवाल, कुणाल सिंह राठौड़, नितेश पुरोहित, विकास कुमार।

टीम डी – सौरभ कुमार यादव, राहुल तोमर, विशाल सैनी, पार्थ यादव, अंशुल गोधवाल, मोहित बोहरा, नीलेश टैंक, दुष्यन्त कांचावा, मोहित गुप्ता, राजेश बिश्नोई, विश्वजीत गीत भाटी, हिमांशु पुजारी, देवांश तिवारी, मिनाफ शेख, रामेश्वर गायरी, हेमन्त चौधरी।

टीम ई – प्रशांत माली, पुनित मिश्रा, करण लांबा, जयन्त तंबी, राजवीर सिंह, दिव्या प्रताप पुरोहित, मनीष कुमार, सल्लाउद्दीन, मनीष गोस्वामी, विशाल गोदारा, मीत अग्रवाल, प्रदुमन पारिख, जय गोयल, आकाश मलिक, दर्शन जैन, हार्दिक मेवाड़ा।

टीम एफ – मनीष कुमार, सचिन शर्मा, कन्हिया लाल राघव, शुभंकर तयगी, औयांश सिंह, अंकुश कुमार

तनवीर, कमलेश नगर कोली, पुष्पेंद्र सिंह, रजत चौधरी, गणपत लाल, राहुल फौजदार, मुकुल चौधरी, नैन मैदा, करन सिंह, मिलो।

टीम जी – शिवा चौहान, भूपेन्द्र कुमार शर्मा, राज शर्मा, दिव्यांश सिंह जायसवाल, अक्षय सिंह, सचिन यादव, दीपक चौधरी, दीपेंद्र, सलमान ख़ान, आशीष इंदौरिया, मो. साद, कार्तिक शर्मा, भावित कुमावत, अरिजीत गुप्ता, शुशील सिंघानिया, आदित्य सिंह।

टीम एच – मिलंद पाटीदार, आयुष अमेरिया, सौरभ कुमार गोदर, यश कोठारी, शुभम पटवाल, विकास जोरार, रोहित बंजोरा, भगवान सिंह, विजय मोहन लाल, धनंजय तिवारी, आर्यन जैन, डेनिश बांस, तनवीर खान, भरत शर्मा, रजत सिंह, श्रवण सिंह चंदेला।

23वीं राजस्थान स्टेट शूटिंग चैम्पियनशिप 2025 (एयर राइफल / पिस्टल व 0.22 राइफल / पिस्टल) का शुभारंभ

जयपुर, 12 अगस्त। राजस्थान राईफल एसोसिएशन द्वारा आयोजित की जाने वाली 14 दिवसीय प्रतियोगिता दिनांक 12 से 26 अगस्त तक 23वीं राजस्थान स्टेट शूटिंग चैम्पियनशिप, 2025 में 10 मीटर, 25 मीटर एवं 50 मीटर राईफल और पिस्टल शूटिंग इवेन्ट प्रतियोगिताओं का आयोजन ओएसीस शूटिंग रेंज, जगतपुरा, जयपुर पर किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता का पर्यवेक्षण नेशनल राईफल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया के समस्त ज्यूरी मेम्बर्स द्वारा किया जावेगा। प्रतियोगिता का आयोजन राजस्थान राईफल एसोसिएशन के पदाधिकारी यज्ञ मित्र सिंह देव (अध्यक्ष), गिरधर प्रताप सिंह (उपाध्यक्ष) एवं शशांक कौरानी (सचिव) के तत्वाधान में होगा। प्रतिवर्ष की भांति राजस्थान राईफल एसोसिएशन द्वारा राजस्थान स्टेट प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में हजारों की संख्या में पूरे प्रदेश के खिलाड़ियों द्वारा भाग लिया जावेगा। खिलाड़ियों को इवेन्टस् के आधार पर वर्गीकृत कर परिणाम घोषित किये जायेंगे और प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाडियों को मेडल प्रदान कर अभिवादन किया जावेगा। उक्त प्रतियोगिता में सफल प्रतियोगी ही आगामी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग ले सकेंगे। इस तरह के आयोजनों से खिलाडियों में छिपी प्रतिभाओं को निखरने का अवसर मिलेगा, जिससे राज्य के बेहतरीन खिलाड़ी आगे बढ़ेंगे और भविष्य में राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर राज्य का नाम रोशन करेंगे।

राज्य स्तरीय सीनियर वीमेन टी-20 प्रतियोगिता, दूसरे दिन जयपुर, उदयपुर, भीलवाड़ा, धौलपुर, टोंक, चित्तौड़गढ़, बाड़मेर, श्रीगंगानगर, बीकानेर, झुंझुनूं, दौसा, अजमेर, जोधपुर, राजसमंद, सीकर व नागौर जीती

आज दूसरे दिन तनूजा, काव्या, चंद्रा की शतकीय पारियां व शानू, धर्मिष्ठा का पंजा

जयपुर, 12 अगस्त। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 - 26 की सीनियर महिला क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान सीनियर महिला टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में जयपुर व उदयपुर जिला केंद्र पर खेली जा रही राज्य स्तरीय सीनियर महिला टी 20 प्रतियोगिता के दूसरे दिन खेले गए मैचों का परिणाम :-

पहले दिन खेल जाने वाले मैच :-

आरसीए अकादमी :- पहला मैच उदयपुर - जैसलमेर (उदयपुर 10 विकेट से जीती), जैसलमेर पारी 31 आल आउट, उदयपुर की गेंदबाज सोनल 4/2 व हिमाली 4/2 विकेट प्राप्त किये। उदयपुर पारी 32/0, टीम के लिए कषिष नाबाद 14 व रिज़ा नाबाद 9 रन।

दूसरा मैच बाड़मेर - करौली (बाड़मेर 6 विकेट से जीती), करौली पारी 110/7, टीम के लिए सरगम 36 रन, बाड़मेर की गेंदबाज गंगा 29 /2 विकेट, बाड़मेर पारी 111/4, टीम के लिए पार्वती 25, सिमरन 24 रन, करौली की गेंदबाज अपूर्वा 31/3 विकेट।

जयपुरिया ग्राउंड अजमेर - झुंझनू (अजमेर 50 रन से जीती), अजमेर पारी 170/0, टीम के लिए स्नेहा 92 व श्वेता 63 रन, झुंझनू पारी 120/8, टीम के लिए अंजलि 43 रन, अजमेर की गेंदबाज जिनम 9/4 विकेट।

बीकानेर - सवाईमाधोपुर (बीकनेर 116 रन से जीती) बीकानेर पारी 211/1, टीम के लिए काव्या 109, किलम 69 व पूजा 40 रन, सवाईमाधोपुर पारी 95/6, बीकानेर की गेंदबाज विजय लक्ष्मी, सरिता व नेहा प्रत्येक 1-1 विकेट।

नारायणा ग्राउंड पाली -टोंक (टोंक 9 विकेट से जीती), पाली पारी 69 आल आउट, टीम के लिए उषा 42 रन, टोंक की गेंदबाज अदिति 7/3, संजना 12/3 विकेट, टोंक पारी 70/1, टीम के लिए भावनि 24 व मनीषा शर्मा 24 रन ।

धौलपुर - चूरू (धौलपुर 8 रन से जीती), धौलपुर पारी 95/2, टीम के लिए मनीषा 53 व पूनम 22 रन, चूरू पारी 87 आल आउट, धौलपुर की गेंदबाज पूनम 9 / 3 व मनीषा, प्राची प्रत्येक 2-2 विकेट।

संस्कार ग्राउंड जयपुर - भरतपुर (जयपुर 89 रनो से जीती), जयपुर पारी 174/4, टीम के लिए ज्योति 59, मेघा 27 व शिवानी 23 रन, भरतपुर की गेंदबाज अनिष्का 27 / 2 विकेट, भरतपुर पारी 85/5, टीम के लिए नीतू शर्मा नाबाद 44 रन, जयपुर की गेंदबाज सुमन व अर्चना प्रत्येक 1-1 विकेट।

श्रीगंगानगर - डूंगरपुर (श्रीगंगानगर 24 रनो से जीती) श्रीगंगानगर पारी 73 आल आउट, टीम के लिए रेनू 20 रन, डूंगरपुर की गेंदबाज धर्मिष्ठा 12/5 विकेट। डुंगरपुर पारी 49 आल आउट, श्रीगंगानगर की गेंदबाज रेखा 4/2 व चंद्रकांता 1/2 विकेट।

अनंतम ग्राउंड सीकर - बारां (सीकर 183 रनो से जीती), सीकर पारी 225/3, टीम के लिए अंशु 71, प्रीत 67 व प्रियंका 42 रन, बारां की गेंदबाज मंजू व गुंजन शर्मा प्रत्येक 1 - 1 विकेट। बारां पारी 42 आल आउट, सीकर की गेंदबाज प्रीत, भूमिका व भावना प्रत्येक 2 - 2 विकेट।

नागौर - सिरोही (नागौर 119 रनो से जीती), नागौर पारी 169/4, टीम के लिए सुमिरन 59 रन, सिरोही पारी 50 आल आउट, नागौर की गेंदबाज सुमन, रिंकू व करिश्मा प्रत्येक 2 - 2 विकेट।

सोनी स्टेडियम चित्तौड़गढ़ - अलवर (चित्तौड़गढ़ 7 विकेट से जीती) अलवर पारी 62/5, टीम के लिए वंशिका 25 व निष्ठां 20 रन, चित्तौड़गढ़ की गेंदबाज मनस्वी 17 /2 विकेट, चित्तौड़गढ़ पारी 63/3, टीम के लिए चहक 25 रन।

भीलवाड़ा - बांसवाड़ा (भीलवाड़ा 182 रनो से जीती) भीलवाड़ा पारी 191/5, टीम के लिए चंद्रज्योत्सना 100 व सरिता 41 रन, बांसवाड़ा की गेंदबाज रोज चिस्ती 28/3, बांसवाड़ा पारी 9 आल आउट, भीलवाड़ा की गेंदबाज शानू 2/5 व ज्योति 0/2 विकेट।

ए आर ग्राउंड झुंझनू - जालोर (झुंझनू 75 रन से जीती), झुंझनू पारी-138/5, टीम के लिए नगमा 67 व बबिता 30 रन, जालोर की गेंदबाज कविता 21/2, जालोर पारी 63 आल आउट, झुंझनू की गेंदबाज बबिता 7/3, ज्योति 8/3 व मोनिका 7/2 विकेट।

कोटा - दौसा (दौसा 4 विकेट से जीती) दौसा को 12 रन पेनल्टी के मिले, कोटा पारी 131/2, टीम के लिए आयुषी 57 व प्रतीक्षा 48 रन, दौसा की गेंदबाज तनिका शर्मा 35/1 विकेट, दौसा पारी 142/6, टीम के लिए तनिका शर्मा 44 ,याना 41 व भूमिका नाबाद 31 रन, कोटा की गेंदबाज मदीहा 28/2 विकेट। उदयपुर के शिकार बाड़ी ग्राउंड पर खेल जाने वाले मैच।

जोधपुर - बूंदी (जोधपुर 120 रन से जीती), जोधपुर पारी 156/3, टीम के लिए धृति 89 रन, बूंदी पारी 35 आल आउट, जोधपुर की गेंदबाज मैना, 0/3, एंजेल 6/3 व भूमिका 6/3 विकेट।

राजसमंद - प्रतापगढ़ (राजसमंद 158 रन से जीती) राजसमंद पारी 209/1, टीम के लिए तनूजा वैष्णव 112, नंदिनी 61 रन, प्रतापगढ़ पारी 51 आल आउट, राजसमंद की गेंदबाज अक्षिता 7/4, लवीना 4/3 व यशस्वी 12/2 विकेट।

आरसीए द्वारा आयोजित सीनियर महिला 20 मैच में दौसा ने कोटा को चार विकेट से हराया

जयपुर, 12 अगस्त। जिला क्रिकेट संघ के सचिव ब्रजकिशोर उपाध्याय ने बताया कि आरसीए द्वारा आयोजित महिला 20 सीनियर प्रतियोगिता में दौसा का दूसरा मुकाबला कोटा से था जिसमें दौसा ने अंतिम ओवर में लक्ष्य का पीछा करते हुए 4 विकेट से जीत दर्ज की। पहले बल्लेबाजी करते हुए कोटा की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 131 रन 2 विकेट पर बनाए और दौसा की ओर से किफायती गेंदबाजी की गई जिसमें तनिका शर्मा ने 4 ओवर में 35 रन देकर एक विकेट अपने नाम किया लक्ष्य का पीछा करते हुए दौसा की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 130 रन 6 विकेट पर बना लिए दौसा की ओर से खेलते हुए याना वर्मा ने 41 रन 36 बॉल में और तनिका शर्मा ने 44 रन 40 बॉल में और भूमिका चौधरी 31 रन 26 बॉल में एवं एनी खिलाड़ियों की बदौलत 20 ओवर में दौसा के 130 रन ही बने । लेकिन कोटा द्वारा धीमी ओवर गति का जुर्माना कोटा टीम पर लगा उन्होंने दो ओवर धीमी गति के कारण पीछे चल रहे थे जिसका उन पर प्रति ओवर 6 रन का जुर्माना लगा 12 रन की पेनल्टी के कारण दौसा का स्कोर 142 पर 6 माना गया और दौसा ने कोटा पर 4 विकेट से जीत दर्ज की ।इससे पहले दौसा अपना पहला मैच बहुत रोमांचक मुकाबले में 9 रन से झुंझनु से हार गया था ।

खनन और पर्यटन क्षेत्र राजस्थान के विकास के प्रमुख इंजन-भजनलाल

मुख्यमंत्री ने राइज़िंग राजस्थान समिट के तहत हुए विशेष समझौतों की समीक्षा बैठक ली

■ **मुख्यमंत्री भजनलाल ने निर्देश दिये कि दिसम्बर माह में होने वाले राइज़िंग राजस्थान पार्टनरशिप कॉन्क्लेव से पहले खनन, पेट्रोकैमिकल और पर्यटन को लेकर प्री-समिट का आयोजन किया जाये।**

जयपुर, 12 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान अपनी भौगोलिक स्थिति, खनिज सम्पदा, ऊर्जा क्षमता और निवेश अनुकूल नीतियों के कारण वैश्विक पटल पर बिजनेस फ्रेंडली स्टेट के रूप में नई पहचान बना रहा है। राज्य सरकार द्वारा गत वर्ष आयोजित राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत राज्य में 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू हुए। इनके धरातल पर मूर्त रूप लेने से प्रदेश में बुनियादी ढ़ांचे का विकास होने के साथ ही वृहद् स्तर पर रोजगार का सृजन होगा।

शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर राइज़िंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत हुए निवेश समझौतों की ग्राउंड ब्रेकिंग की समीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि एमओयू से संबंधित भूमि आवंटन सहित अन्य कार्यों में भी तेजी लाते हुए, सभी एमओयू को समयबद्ध रूप से धरातल पर मूर्तरूप दिया जाए। उन्होंने कहा कि निवेशकों द्वारा चाही गई लोकेशन पर जमीन उपलब्ध ना होने की स्थिति में उन्हें आस-पास के क्षेत्र में वैकल्पिक जमीन दिखाई जाए। उन्होंने जिला कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि ऐसे एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग की नियमित रूप से मॉनिटरिंग करें। उन्होंने कहा कि निवेशकों से लगातार संपर्क में रहते हुए समय-समय पर कार्यों की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक भी करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खनन और पर्यटन क्षेत्र राजस्थान के विकास का इंजन है। हमें इन क्षेत्रों में प्रगति की और अधिक संभावनाओं को तलाशना चाहिए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि दिसम्बर माह में होने वाली राइजिंग राजस्थान पार्टनरशिप कॉन्क्लेव से पहले खनन, पेट्रोकेमिकल और पर्यटन को लेकर प्री-समिटों का आयोजन किया जाए। साथ ही, विभिन्न क्षेत्रों में जमीन में मौजूद खनिज पदार्थों का पता लगाने के लिए व्यापक सर्वे करवाया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन सैक्टर में भी राजस्थान तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि शेखावाटी की हवेलियां हमारी धरोहर हैं और उनका संरक्षण करना हमारा दायित्व है।

बैठक में राजधानी जयपुर में दिसम्बर माह में प्रस्तावित राइजिंग राजस्थान पार्टनरशिप कॉन्क्लेव-2025 के आयोजन की तैयारियों को लेकर भी चर्चा की गई। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि कॉन्क्लेव में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 के दौरान हुए एमओयू की क्रियान्विति से प्रदेश के औद्योगिक एवं आर्थिक परिदृश्य में आए बदलावों के बारे में निवेशकों को विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

मंगलवार को भी ठप्प रही लोकसभा

नयी दिल्ली, 12 अगस्त। लोकसभा में लगातार हंगामा कर रहे विपक्ष के सदस्यों ने मंगलवार को भी जबरदस्त हंगामा किया, जिसके कारण सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गयी। पीठासीन अधिकारी जगदम्बिका पाल ने हंगामे के बीच खान और खनन संशोधन विधेयक पारित करवा दिया, लेकिन आरोप लगाया कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा पकड़ाए गये कागज को फाड़कर हंगामा कर रहे सदस्यों ने पीठ की तरफ कागज फेंक कर सदन के अध्यक्ष का अपमान किया है। उन्होंने गांधी की तरफ इशारा करते हुए कहा, आप सदन की गरिमा गिरा रहे हैं और लोगों को उकसा रहे हैं। सुबह से विपक्षी दलों के हंगामे के कारण सदन को तीन बार स्थगित किया गया था और चौथी बार उन्होंने भारी हंगामे को देखते हुए सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी।

भारत-चीन के बीच डायरेक्ट फ्लाइट जल्द

नई दिल्ली, 12 अगस्त। अगले महीने की शुरुआत से भारत और चीन के बीच सीधी फ्लाइट सर्विस की शुरुआत हो सकती है। साल 2020 में गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद दोनों देशों के रिश्ते में काफी कड़वाहट बढ़ गई थी। करीब पांच साल बाद दोनों देशों के बीच रिश्तों में फिर से गरमाहट बढ़ रही है। भारत सरकार ने कहा है कि एअर इंडिया और इंडिगो जैसी एयरलाइनों से कहा है कि चीन के लिए तुरंत उड़ाने शुरू करने के लिए तैयार रहें।

क्या अमित शाह ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बढ़त बनाए हुए हैं, जबकि संजय बालयान पीछे चल रहे हैं। गौरतलब है कि संजय बालयान को अमित शाह का समर्थन प्राप्त था और उन्होंने ही उन्हें उम्मीदवार के तौर पर खड़ा किया था। इस हाई-प्रोफाइल चुनाव में वोटों की गिनती की शुरुआत से ही रूडी आगे चल रहे हैं, हालांकि शुरुआती बढ़त बहुत मामूली थी। अब यह अंतर बढ़ता जा रहा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर आर्मी-डे परेड की तैयारियों को लेकर भारतीय थल सेना एवं राज्य सरकार के उच्चाधिकारियों की बैठक ली।

जयपुर में पहली बार आर्मी-डे परेड़ का आयोजन होगा

मुख्यमंत्री ने सेना एवं राज्य सरकार के उच्च अधिकारियों के साथ परेड की तैयारियों पर बैठक की

■ **मुख्यमंत्री ने कहा कि 15 अगस्त को जयपुर में आयोजित होने वाले समारोह के लिए परेड के स्थान का चयन करते समय अनुमानित दर्शक क्षमता का विशेष ध्यान रखें। साथ ही स्कूल-कॉलेजों के छात्र-छात्राओं, पर्यटकों व आमजन की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी सुनिश्चित करें।**

जयपुर, 12 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारतीय सेना के अदम्य साहस, शौर्य और बलिदान के सम्मान में हर वर्ष 15 जनवरी को होने वाली आर्मी-डे परेड का आयोजन इस बार जयपुर में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस आर्मी-डे परेड का आयोजन भारतीय सेना द्वारा पहली बार आर्मी क्षेत्र से बाहर आमजन के समक्ष किया जाएगा, जिससे युवाओं में देश भक्ति की भावना और अधिक प्रबल हो सके तथा दुनिया में बदलते भारत की उभरती तस्वीर नज़र आए। शर्मा ने मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर आर्मी-डे परेड की तैयारियों को लेकर भारतीय थल सेना एवं राज्य सरकार के उच्चाधिकारियों के साथ बैठक की।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सेना के इसी शौर्य को सम्मान देने के लिए आर्मी-डे परेड के इस आयोजन को और भव्य बनाया जाए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आर्मी-डे परेड में स्कूल एवं कॉलेज के छात्र-छात्राओं तथा पर्यटकों सहित, आमजन की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी सुनिश्चित की जाए। साथ ही, परेड स्थल का चयन करते समय अनुमानित दर्शक क्षमता का भी विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने जिला कलक्टर जयपुर को आयोजन स्थल का नक्शा बनाते हुए पूरा रोड़ मैप तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पूरे कार्यक्रम में दर्शकों को राजस्थान की अद्भुत संस्कृति की झलक भी दिखनी चाहिए।

भारतीय सेना की दक्षिण पश्चिम कमान के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल मनजिन्दर सिंह ने बताया कि आर्मी-डे परेड को आम लोगों तक पहुंचाने तथा युवाओं को प्रेरित करने के उद्देश्य से इसका आयोजन जयपुर में किया जा रहा है। इस दौरान अलग अलग दिवसों पर रक्तदान शिविर, ऑनर रन, साइकिल रैली, नो यॉर आर्मी जैसी सेना दिवस से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सेना दिवस परेड कार्यक्रम के दिन परेड संरचना के तहत पैदल सैनिक दस्ते, टैंक, तोप, मिसाइल, भारतीय सेना बैण्ड, मोटर साइकिल शो तथा विभिन्न झांकियों का प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना के युद्ध कौशल और सांस्कृतिक विरासत के प्रदर्शन के लिए शौर्य संध्या का भी भव्य स्तर पर आयोजन किया जाएगा।

बैठक में मेजर जनरल अमर रामदासानी ने मुख्यमंत्री को प्रस्तुतिकरण के माध्यम से सेना दिवस परेड की तैयारियों से सम्बन्धित जानकारी दी। इस दौरान मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित, भारतीय थल सेना एवं राज्य सरकार के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

जस्टिस वर्मा पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

न्यायाधीश मनीन्द्र मोहन श्रीवास्तव और कर्नाटक उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता बी वी आचार्य को शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि समिति यथाशीघ्र अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। समिति से जांच रिपोर्ट मिलने तक यह प्रस्ताव लंबित रहेगा। उन्होंने समिति के सदस्यों के नामों की घोषणा से पहले कहा कि न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ संविधान के अनुच्छेद 124 (4) के तहत उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के पद से हटाने के लिए एक प्रस्ताव है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश वर्मा को उनके कदाचार के लिए उनको हटाने का प्रस्ताव मिला था। न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय में उनके कार्यकाल के समय से संबंधित शिकायत को गंभीर प्रकृति का पाया गया। ऐसे में उनके खिलाफ कार्रवाई करने की जरूरत है।

पाकिस्तान ने भारतीय राजनयिकों की पानी -गैस आपूर्ति रोकी

■ **राजनयिकों को खुले बाजार से महंगे दामों में पानी व गैस सिलेंडर खरीदना पड़ रहा है।**

इस्लामाबाद, 12 अगस्त। ऑपरेशन सिंदूर से बौखलाए पाकिस्तान की नई करतूत सामने आई है। उसने इस्लामाबाद में भारतीय उच्चायोग में तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों से इसका बदला लेना शुरू कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान में भारतीय राजनयिकों और कर्मचारियों की पानी और गैस जैसी बुनियादी जरूरतों तक पर रोक लगाई जा रही है।

पाकिस्तान के स्थानीय विक्रेता पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर तक की सप्लाई करने में हिचकिचा रहे हैं यहां तक कि उच्चायोग के अधिकारियों-कर्मचारियों के घर अखबार देने से भी मना कर दिया है। पाकिस्तान की ये हरकत वियना कन्वेंशन का घोर उल्लंघन है,जो दूतावासों के सुचारू संचालन और उनके कर्मियों की सुरक्षा और सम्मान की गारंटी देता है। इस्लामाबाद में भारतीय उच्चायोग परिसर में सुई नॉर्दर्न गैस पाइपलाइन्स लिमिटेड (एसएनजीपीएल) पाइपलाइन गैस की सप्लाई करती है। लेकिन, इसकी आपूर्ति को जानबूझकर रोक दिया गया है। स्थानीय एलपीजी सिलेंडर बेचने वालों को भी पाकिस्तानी अधिकारियों ने धमकी दी है कि वे भारतीय उच्चायोग के कर्मचारियों को इसे न बेचें। इस कारण राजनयिकों और उनके परिवारों को खुले बाजार से गैस सिलेंडर लेने पड़ रहे हैं।

इज़रायल के राजदूत...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

■ **बहरहाल, राजदूतों का किसी मेजबान देश की राजनीति व राजनीतिज्ञों पर शाब्दिक आक्रमण करना, किसी भी सुसंस्कारित समाज व देश में स्वीकार्य नहीं होता है।**

परिणाम है, जिनमें वे नागरिकों के पीछे छिपते हैं, उन लोगों पर गोली चलाते हैं, जो सहायता लेने या बचकर निकलने की कोशिश करते हैं, और रॉकेट दागते हैं।"

उन्होंने आगे कहा : इज़रायल ने ग़ाज़ा में 20 लाख टन खाद्य सामग्री पहुंचाई, जबकि हमास उसे जब्त करने की कोशिश करता है, जिससे भूख की स्थिति पैदा होती है। ग़ाज़ा की आबादी पिछले 50 वर्षों में 450 प्रतिशत बढ़ी है वहाँ कोई नरसंहार नहीं हो रहा। हमास के आँकड़ों पर विश्वास न करें।

प्रियंका गांधी ने केन्द्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि शर्म की बात है कि जब इज़रायल फिलिस्तीन के लोगों पर यह विनाश ढा रहा है, तब भारत सरकार चुप है। हालांकि कांग्रेस आमतौर पर फिलिस्तीन मुद्दे पर संतुलित रुख अपनाती रही है, लेकिन प्रियंका गांधी ने इस मुद्दे पर खुलकर बोला है। उन्होंने ग़ाज़ा में हमलों को बर्बर और नरसंहार जैसा बताया है और इज़रायल पर युद्ध रोकने का दबाव डालने की मांग की है।

मंगलवार सुबह एक पोस्ट में प्रियंका गांधी ने लिखा कि इज़रायली राज्य नरसंहार कर रहा है और 60,000 से अधिक लोगों की हत्या कर चुका है, जिनमें 18,430 बच्चे हैं। इसने सैकड़ों को भूख से मार दिया है, जिनमें अनेक बच्चे शामिल हैं, और अब लाखों को भुखमरी की धमकी दे रहा है। चुप्पी और निष्क्रियता के माध्यम से इन अपराधों को सहन करना स्वयं एक अपराध है।

पिछले साल दिसंबर में प्रियंका गांधी संसद में 'पैलेस्टाइन' लिखा हुआ बैग लेकर पहुंची थीं, जिसमें फिलिस्तीनी प्रतीकों के रूप में तरबूज भी बना हुआ था - जो फिलिस्तीनी एकजुटता का प्रतीक माना जाता है। तब भाजपा ने उन पर तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया था। पिछले साल जून में उन्होंने इज़रायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर ग़ाज़ा में कथित नरसंहारात्मक कार्रवाई के लिए तीखा प्रहार किया था और मोदी सरकार की संयुक्त राष्ट्र महासभा में इस मुद्दे पर मतदान से अनुपस्थित रहने की आलोचना की थी। एक पूर्व वरिष्ठ भारतीय राजनयिक ने राष्ट्रदूत से, नाम न बताने की शर्त पर कहा, राजनयिकों को आमतौर पर मेज़बान देश की आंतरिक राजनीति में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए, लेकिन इज़रायली राजदूत ने लक्ष्मण रेखा पार कर दी है। लगता है उन्हें विश्वास है कि केन्द्र सरकार उनके प्रियंका गांधी से टकराने पर आपत्ति नहीं जताएगी। उन्होंने यह भी कहा कि राजनयिकों को तटस्थ रहते हुए अपने देश के हितों को आगे बढ़ाना चाहिए।

'चुनाव आयोग द्वारा आधार कार्ड को नागरिकता प्रमाण पत्र नहीं मानना सही कदम'

सुप्रीम कोर्ट ने बिहार मतदाता सूची पुनरीक्षण मुद्दे पर बहस के दौरान टिप्पणी की

■ **बुधवार को पुनः इस मामले की सुनवाई होगी।**

नयी दिल्ली, 12 अगस्त। उच्चतम न्यायालय ने बिहार की मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण विवाद मामले में सुनवाई के दौरान कहा कि चुनाव आयोग का आधार कार्ड को नागरिकता का निर्णायक प्रमाण नहीं मानना सही है।

न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ इस दलील से भी सहमत नहीं थी कि बिहार के लोगों के पास विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान चुनाव आयोग की ओर से प्रमाण के रूप में मांगे गए अधिकांश दस्तावेज नहीं थे।

शीर्ष अदालत के समक्ष दोनों पक्षों की ओर से विस्तार पूर्वक दलीलें पेश की गईं। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल, अभिषेक मनु सिंघवी, प्रशांत भूषण ने विस्तार पूर्वक दलीलें पेश कीं।

याचिकाकर्ताओं में शामिल स्वराज इंडिया के नेता योगेंद्र यादव ने ग्राफिक्स के जरिए खुद ही अपना पक्ष रखा। चुनाव आयोग की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने दलीलें दीं।

अदालत के समक्ष चुनाव आयोग ने दावा किया कि कुल 7.9 करोड़ मतदाताओं में से लगभग 6.5 करोड़ लोगों को कोई दस्तावेज दाखिल करने की जरूरत नहीं पड़ी। वजह यह कि उनका या उनके माता-पिता के नाम 2003 की मतदाता सूची में मौजूद थे।

पीठ ने आयोग की ओर से पेश इन दलीलों पर याचिकाकर्ता और राष्ट्रीय जनता दल सांसद नेता मनोज झा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सिब्बल से पूछा, अगर 7.9 करोड़ मतदाताओं में से 7.24 करोड़ मतदाताओं ने विशेष निरीक्षण का जवाब दिया है, तो यह आंकड़ा एक करोड़ मतदाताओं के लापता या उनके मताधिकार से वंचित होने की दलील खारिज कर देता है।

पीठ ने याचिकाकर्ताओं से सवाल किया कि चुनाव आयोग के 24 जून के विशेष पुनरीक्षण कराने के फैसले को इस आधार पर चुनौती दी गई थी कि इससे एक करोड़ मतदाता अपने मताधिकार से वंचित हो जाएँगे।

वरिष्ठ अधिवक्ता सिब्बल ने इस दलील दी कि निवासियों के पास आधार, राशन और वोटर कार्ड होने के बावजूद अधिकारियों ने उनके दस्तावेज स्वीकार करने से इनकार कर दिया।

सिब्बल ने कहा कि लोगों को अपने माता-पिता के जन्म प्रमाण पत्र और अन्य दस्तावेज खोजने में कठिनाई हो रही है।

वरिष्ठ अधिवक्ता सिंघवी और अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने भी पुनरीक्षण प्रक्रिया पूरी होने की समय-सीमा के साथ-साथ उन 65 लाख मतदाताओं के आंकड़ों पर सवाल उठाया, जिन्हें मृत या अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में पंजीकृत घोषित कर दिया गया है।

स्वराज इंडिया के नेता यादव ने चुनाव आयोग पेश आंकड़ों पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि 7.9 करोड़ मतदाताओं के बजाय कुल वयस्क आबादी 8.18 करोड़ थी और पुनरीक्षण प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाताओं को हटाना था। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग किसी भी ऐसे व्यक्ति को नहीं ढूंढ पाया जिसका नाम जोड़ा गया हो। शीर्ष अदालत में इस मामले में बुधवार को भी सुनवाई होगी।

"भारत सरकार ने हमारे अडानी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

साथ मिलीभगत शामिल थी, जिनमें तत्कालीन मुख्यमंत्री वाई. एस. जगन मोहन रेड्डी भी थे। साथ ही, महाराष्ट्र, केरल, बिहार, छत्तीसगढ़, तमिलनाडु, ओडिशा और जम्मू-कश्मीर के अधिकारियों के साथ भी बैठकें हुईं, ताकि बिजली बिक्री समझौते (पावर सेल्स एग्रीमेनट्स) किए जा सकें।

अडानी समूह और रेड्डी ने किसी भी प्रकार की गड़बड़ी से इनकार किया है।

एसईसी ने कहा है कि वह "भारत के विधि और न्याय मंत्रालय के साथ संपर्क बनाए रखेगा और हेग सर्विस कन्वेंशन के तहत प्रतिवादियों को समन की सेवा के प्रयास जारी रखेगा।"

ट्रम्प ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

था, क्योंकि सामान्यतः घरेलू अपराधों से निपटने का काम नगर पुलिस का होता है।

हालाँकि ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। ट्रंप पहले भी ऐसा कर चुके हैं। उन्होंने अन्य प्रमुख शहरों में दंगों और विरोध प्रदर्शनों पर काबू पाने के लिए पहले भी सेना तैनात की थी। उन्होंने यह कदम लॉस एंजिल्स में उठाया था और तब से लगातार ऐसे कदमों की धमकी देते रहे हैं।

सम्भवतः शक्ति और वैधता का प्रदर्शन करने के उद्देश्य से, ट्रंप ने इसकी घोषणा करते समय अपने रक्षा सचिव पीट हेगसेथ को अपने पीछे खड़ा किया और दूसरी ओर उनके अटॉर्नी जनरल और खुफिया प्रमुख काश पटेल खड़े हुए थे।

राजधानी की सड़कों पर स्वतःस्फूर्त विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं, जो लोकतंत्र के तथाकथित गढ़ में एक तानाशाही राज्य के उभरने की चेतावनी दे रहे हैं। भारत के बाद, अमेरिका दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा लोकतंत्र है, और उसका अधिनायकवाद की ओर झुकाव लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

विशेष रूप से, ट्रंप ने यह कदम इस पृष्ठभूमि में उठाया है, जब वे अलास्का में रूसी तानाशाह व्लादिमीर पुतिन से तीन साल पुराने यूक्रेन युद्ध को सुलझाने के लिए बैठक करने जा रहे हैं। यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि उन्होंने पुतिन से मुलाकात के दौरान, वॉशिंगटन के आपराधिक परिदृश्य, और बेघरों के शिविर बन चुके वॉशिंगटन के गंदगी से भरे पार्कों का ज़िक्र करते हुए खेद जताया था।

मीडिया और राजनीतिक हलकों में यह बात हतप्रभ कर देने वाली है कि ऐसा कुछ अमेरिका में हो सकता है। प्रदर्शनकारी "फ्री वॉशिंगटन" जैसे नारों वाले पोस्टर लेकर सड़कों पर उतर आए हैं। वरिष्ठ राजनेता इस बात को लेकर चिंतित हैं कि यदि लॉस एंजिल्स तानाशाहीपूर्ण कदम उठाने के मामले में एक "टैस्ट केस" था, तो वॉशिंगटन पर यह सैन्य नियंत्रण एक कदम और आगे बढ़ गया है।

ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत से ही तानाशाही और असहिष्णुता की दिशा में आक्रामक रुख अपनाया है। उन्होंने ओबामा शासन के पूर्व अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई शुरू कर दी है और उनकी गिरफ्तारी की धमकी तक दी है। ये सारे कदम उन सरकारों के कदमों से मिलते-जुलते हैं, जो धीरे-धीरे पूर्ण रूप से तानाशाह सरकारों के रूप में तब्दील हो जाती हैं।

जमवा रामगढ़ में ड्रोन से कृत्रिम बारिश करवाने का पहला प्रयास फेल हुआ

कौतूहलवश उमड़ी लोगों की भारी भीड़ के कारण नैटवर्क ठप्प हुआ तो ड्रोन उड ही नहीं पाया

■ **बाद में मौके से लोगों को हटाने के बाद कंपनी ने कृषि मंत्री किरोड़ीलाल के सामने 400 मीटर ऊंचाई तक ड्रोन उडाकर डेमो दिया।**

■ **दावा किया जा रहा है कि, आगामी 7 से 10 दिन में ज्यादा ऊंचाई पर ड्रोन उड़ाने की अनुमति मिल जाएगी। इसके बाद "क्लाउड सीडिंग" के जरिए बारिश करवाई जायेगी।**

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 12 अगस्त। जमवा रामगढ़ बांध के क्षेत्र में मंगलवार को ड्रोन से कृत्रिम बारिश करवाने का पहला प्रयास फेल हो गया। बादल काफी ऊपर थे, इसलिए क्लाउड सीडिंग नहीं हो पायी। कृत्रिम बारिश को देखने के लिए कौतूहलवश भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिस कारण नैटवर्क ठप्प हो गया। जी.पी.एस. सिग्नल लॉस होने के कारण ड्रोन ऑटो लैंडिंग मोड में जा पहुंचा और पुनः लैंड हो गया। काफी देर बाद पुलिस ने लोगों को मौके से हटाया और भीड़ कम हुई तो कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल के सामने ड्रोन द्वारा 400 फीट की हाइट तक सफल डेमो दिया गया।

कृत्रिम बारिश कराने वाली कंपनी जेन एक्स एआई के डायरेक्टर अजिंक्या धूमबाड़े ने कहा कि आज 400 फीट की ऊंचाई तक ड्रोन उड़ाकर डेमो किया गया। आगामी 7 से 10 दिन में ज्यादा ऊंचाई पर ड्रोन उड़ाने की अनुमति मिल जाएगी। फिर हम ज्यादा ऊंचाई वाले बादलों पर ड्रोन उड़ाकर क्लाउड सीडिंग करेंगे।

बताया जा रहा है कि जब पहली बार ड्रोन के पंखे चलाए गए, तब वह जमीन पर ही रुक गया। दूसरे प्रयास में कुछ ही ऊंचाई पर उड़ने के बाद ड्रोन बांध के नीचे जमीन पर झाड़ियों के बीच अटक गया। इसके बाद नीचे मौजूद लोग ड्रोन के पास पहुंचकर उसका वीडियो बनाने लगे। इस दौरान पुलिस से भीड़ की झड़प भी हो गई। बमुश्किल समझाकर मामला शांत कराया गया।

उधर, कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने सोशल मीडिया 'एक्स" पर लिखा है "डेमो ड्रोन को सफलता पूर्वक 400 फीट तक उड़ाया गया। आगामी 30 दिनों के अन्दर इस तकनीक के माध्यम से रामगढ़ बांध में कृत्रिम वर्षा कराई जाएगी।"

ज्ञात रहे कि अमेरिका और बेंगलुरु की कंपनी जेन.एक्स.एआई कृषि विभाग के साथ मिलकर यह प्रयोग करने का प्रयास कर रही है। इस प्रयोग के लिए केन्द्र और राज्य सरकार के सभी विभागों से मंजूरी मिल चुकी है। कृषि विभाग, मौसम विभाग और जिला प्रशासन ने जुलाई में ही मंजूरी दे दी थी। वैज्ञानिकों की टीम पिछले कई दिनों से जयपुर में है। वे लगातार ड्रोन से कृत्रिम बारिश का परीक्षण कर रहे हैं। अब तक देश में प्लेन से क्लाउड सीडिंग की जाती रही है। ड्रोन से छोटे इलाके के सीमित दायरे में होने वाला यह पहला प्रयोग है।

डॉ. किरोडीलाल मीणा ने कहा कि इस क्लाउड सीडिंग का मुख्य उद्देश्य रामगढ़ झील को पुनर्जीवित करना, जल संकट को कम करना और क्षेत्र में पारिस्थितिकी तंत्र संतुलन बहाल करना है। यह एक अनुसंधान एवं विकास आधारित पायलट प्रोजेक्ट है, जिसमें आधुनिक ड्रोन बेस्ड क्लाउड सीडिंग तकनीक और एआई का उपयोग कर वर्षा को वैज्ञानिक तरीके से बढ़ावा दिया जायेगा।

जयपुर के जमवा रामगढ़ में मंगलवार को ड्रोन से कृत्रिम बारिश देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। भीड़ के कारण ड्रोन का नैटवर्क ठप्प हो गया जिससे ड्रोन उड़ नहीं पाया। बाद में कंपनी ने कृषि मंत्री किरोड़ीलाल के सामने 400 मीटर ऊंचाई तक ड्रोन उडाकर डेमो दिया।

भारत में पहली बार ड्रोन बेस्ड क्लाउड सीडिंग की जा रही है। इसमें 'हाइड्रो ट्रेस' नामक एआई पावर्ड प्लेट फॉर्म इस्तेमाल हो रहा है, जो रियल टाइम डेटा, सेटेलाइट इमेजिंग और सेंसर नेटवर्क की मदद से सही समय और सही बादलों को टारगेट करता है। यह 30 दिनों तक चलने वाला पायलट मिशन है।

उन्होंने बताया कि ड्रोन बेस्ड क्लाउड सीडिंग में ड्रोन को बादलों के पास भेजा जाता है, जहां यह सोडियम क्लोराइड या अन्य सुरक्षित सीडिंग ऐजेंट्स छोड़ता है। इससे बादलों में मौजूद नमी के कण आपस में मिलकर पानी की बूंदों में बदल जाते हैं और बारिश होती है। यह मिशन 12 अगस्त से शुरु होकर लगभग 30 दिनों तक चलेगा। शुरुआती प्रभाव हमें तुरंत बारिश के रूप में दिखेगा, लेकिन लंबे समय में इसका असर झील के जल स्तर, भूमिगत जल भंडार और कृषि उत्पादन पर पड़ेगा।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908